ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गरीबों के लिए बनी जगहों को कुछ चुनिंदा लोगों को वितरित किया जा रहा : विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 04 जुलाई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |*| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-185

एक तिहाई सरकार वाले बयान पर मोदी ने विपक्ष को जमकर धोया

अभी 10 साल हुए हैं, 20 और बाकी

एक तिहाई हुआ है, दो तिहाई और बाकी है इसलिए उनके मुंह में घी शक्कर

दशकों बाद देश की जनता ने एक सरकार को लगातार तीसरी बार चुना

देश की जनता ने दुष्प्रचार को पराजित कर प्रदर्शन को प्राथमिकता दी

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण में देशवासियों के लिए प्रेरणा भी थी, प्रोत्साहन भी था और एक प्रकार से सत्य मार्ग को पुरस्कृत भी किया गया था। पिछले दो-ढाई दिनों में इस चर्चा में करीब 70 माननीय सांसदों ने अपने विचार रखे। इस चर्चा को समृद्ध बनाने के लिए राष्ट्रपति के अभिभाषण को व्याख्यायित करने में आप सभी माननीय सांसदों ने जो योगदान दिया है, इसके लिए मैं आप सबका भी आभार व्यक्त करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास और संसदीय लोकतंत्रिक यात्रा में कई दशकों के बाद देश की जनता ने एक सरकार को लगातार तीसरी बार सेवा करने का मौका दिया है। 10 साल के बाद किसी एक सरकार की लगातार फिर से वापसी हुई है और मैं जानता हूं कि भारत के लोकतंत्र में 6 दशक बाद हुई ये घटना असामान्य घटना है। कुछ लोग जानबूझकर इससे अपना मुंह फेर कर बैठे रहे, कुछ लोगों को समझ नहीं आया

▶10 पर

छात्रों के साथ खिलवाड़ करने वालों के विरूद्ध होगी कड़ी कार्रवाई: मोदी

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेपर लीक को एक बड़ी समस्या बताते हुए बुधवार को राज्यसभा में कहा कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी और किसी को छोड़ा नहीं जायेगा। श्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जबाव देते हुये कहा कि पेपर लीक एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा कि सभी दलों को दलीय राजनीति से ऊपर उठकर इस मुद्दे पर एक साथ आकर बात करनी चाहिए थी लेकिन युवाओं के भविष्य से जुड़े इस मुद्दे को भी राजनीति की भेंट चढ़ा दिया। उन्होंने कहा कि देश के नौजवानों के साथ खिलवाड़ करने वालों को छोड़ा नहीं जायेगा और उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। पूरे तंत्र को मजबूत बनाया जा रहा है ताकि देश के युवा अपने हक को प्राप्त करे और उनको किसी चीज की चिंता नहीं हो।

▶10 पर

मणिपुर की आग में घी डालने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा : पीएम

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि मणिपुर में स्थिति को सामान्य बनाने के लिए सरकार निरंतर प्रायसरत है लेकिन वहां आग में घी डालने का काम करने वालों को छोड़ा नहीं जायेगा।

श्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जबाव देते हुए कहा कि मणिपुर के संबंध में पिछले सत्र में विस्तार से बात की गयी थी और वहां स्थिति को समाान्य बनााने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है।

इस संबंध में 11 हजार से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गई हैं और पांच सौ से अधिक लोग गिरफ्तार हुए हैं। वहां हिंसा की घटनायें कम हो रही है। शांति का भरोसा बढ़ रहा है। मणिपुर के अधिकांश हिस्सों में स्कूल खुल रहे हैं। स्थिति सामान्य है। देश के अन्य हिस्सों की तरह ही वहां भी परीक्षायें हुई हैं।

▶10 पर

पीएम के भाषण के दौरान विपक्ष का राज्यसभा से वॉकआउट

उनमें जवाब सुनने की हिम्मत नहीं : पीएम

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी गइबंधन इंडिया के घटक दलों ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के दौरान राज्यसभा से वॉकआउट किया। उनकी मांग थी कि प्रधानमंत्री के संबोधन के बीच विपक्ष के नेता को हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी जाए।

दरअसल, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मोदी के जवाब के दौरान हस्तक्षेप करना चाहते थे। हालांकि, सभापति जगदीप धनखड़ ने इसे खारिज कर दिया। इसके बाद इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने नारेबाजी की और विपक्ष के नेता को बोलने की अनुमति देने की मांग की। पीएम मोदी ने नारेबाजी के बीच अपना भाषण जारी रखा। यह कुछ समय तक चलता रहा और खड़गे बार-बार बोलने की अनुमति देने की गुहार लगाते रहे। जब अनुमति मिली, तो इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। धनखड़ ने उनके वॉकआउट की निंदा करते हुए कहा कि यह संविधान का अपमान है। मोदी ने भी वॉकआउट की निंदा की और कहा कि वह कोई अंक हासिल करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपनी सरकार के प्रदर्शन का लेखा-जोखा देने के लिए बाध्य हैं।

▶10 पर

राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

राज्यसभा में बुधवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित होने के साथ ही सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी।

सभापति जगदीप धनखड़ ने अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जवाब दिये जाने के बाद कहा कि राज्यसभा के 264वें सत्र की शुरूआत 27 जून को राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ हुई थी। पहले दिन प्रधानमंत्री ने नई मंत्रिपरिषद का सदन में परिचय कराया था।

▶10 पर

राहुल गांधी के हिंदुओं को लेकर दिए गए बयान के खिलाफ देशभर में सड़कों पर उतरी भाजपा

राहुल बिना शर्त माफी मांगे वरना भाजपा का संघर्ष जारी रहेगा : सूर्या

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सोमवार को राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में हिंदू समाज को लेकर दिए गए बयान के खिलाफ भाजपा ने संसद के बाद अब सड़क पर अपनी लड़ाई तेज कर दी है।

भाजपा युवा मोर्चा (भाजयुमो) और विभिन्न प्रदेशों के पार्टी कार्यकर्ताओं ने बुधवार को देशभर में सड़कों पर उतरकर राहुल गांधी के बयान के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और कांग्रेस नेता से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की। देश की राजधानी दिल्ली में भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या और भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने राहुल गांधी पर संसद में हिंदुओं के खिलाफ नफरत भरा

भाषण देने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस मुख्यालय तक भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मार्च कर मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी, योगेंद्र चंदोलिया एवं बांसुरी स्वराज सहित पार्टी के अन्य नेता विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। वहीं, भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने देशभर के सभी राज्यों में भी विरोध प्रदर्शन कर राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की। भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं से देश के सभी संगठनात्मक जिलों में सड़कों पर उतरकर व्यापक विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया था। भाजयुमो ने दावा किया कि हर राज्य में विरोध प्रदर्शन में सभी क्षेत्रों के लोगों की भारी भागीदारी देखी गई।

दिल्ली में विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए तेजस्वी सूर्या ने कहा कि राहुल गांधी ने जिस प्रकार से पूरे हिंदू समाज को आतंकवादी, हिंसक कहा है, यह अक्षम्य अपराध है और राहुल गांधी जब तक माफी नहीं मांगते तब तक भाजपा अपना संघर्ष जारी रखेगी। 26/11 के टेरर अटैक को पूरी कांग्रेस पार्टी ने हिंदू संगठनों के ऊपर डालने की कोशिश की थी।

▶10 पर

हाथरस हादसे की होगी न्यायिक जांच दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : योगी

सीएम ने साजिश की तरफ किया इशारा, कहा- घटना की तह तक जाएंगे

हाथरस (उप्र), 03 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में एक सत्संग में हुई भगदड़ की घटना की न्यायिक जांच कराने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को हाथरस में संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी।

उन्होंने घटना में साजिश की तरफ इशारा करते हुए कहा, यह हादसा था या कोई साजिश और अगर साजिश थी तो इसमें किसका हाथ है...इन सभी पहलुओं को जानने के लिए हम न्यायिक जांच भी कराएंगे जो उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश की अध्यक्षता में की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, इसमें प्रशासन और पुलिस के सेवानिवृत अधिकारियों को रखकर घटना की तह में जाएंगे और जो भी इसके लिए दोषी होगा उन सभी को सजा दी जाएगी।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जाएगी ताकि भविष्य में होने वाले इस तरह के किसी भी बड़े आयोजन में उसे लागू किया जा सके। इन सभी चीजों को सुनिश्चित किया जाएगा। आदित्यनाथ ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम के लिए सरकार ने आगरा की अपर पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है, जिसने अपनी एक प्रारंभिक रिपोर्ट दी है। उन्होंने बताया कि उनसे इस घटना की तह में जाने के लिए कहा गया है और बहुत सारे ऐसे पहलू हैं जिन पर जांच होनी बहुत आवश्यक है।

हाथरस जिले के फुलरई गांव में मंगलवार को नारायण साकार विश्व हरि भोले बाबा के कार्यक्रम में लाखों श्रद्धालु जुटे थे। इस दौरान मची भगदड़ में 121 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। घटना में 31 अन्य घायल हुए हैं। इस मामले में विश्वहरि के खिलाफ मुकदमा क्यों नहीं दर्ज किया गया, इस सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, जिन लोगों ने कार्यक्रम के लिए अनुमति का आवेदन दिया था, प्रथम दृष्टया पहले मुकदमा उनके खिलाफ होता है।

▶10 पर

सिसोदिया और कविता को कोर्ट से फिर झटका, 25 तक बढ़ी हिरासत

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक बार फिर से मनीष सिसोदिया और के कविता को कोर्ट से झटका लगा है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत को 25 जुलाई तक बढ़ा दिया है। बीआरएस नेता के. कविता की न्यायिक हिरासत को भी अदालत ने 25 जुलाई तक बढ़ाया है। दोनों नेताओं को बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था। दरअसल, मनीष सिसोदिया और के कविता की न्यायिक हिरासत खत्म हो गई थी, जिसके बाद उन्हें पेश किया गया। अदालत में अब ईडी से जुड़े मुख्य मामले की सुनवाई 25 जुलाई को होगी। दिल्ली शराब नीति मामले में राजधानी के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी न्यायिक हिरासत में बंद हैं। उन्हें पिछले महीने जमानत भी मिल गई थी। हालांकि, फिर दिल्ली हाईकोर्ट ने उनकी जमानत पर रोक लगा दी। शराब नीति मामले में आम आदमी पार्टी के कई नेताओं की गिरफ्तारियां हुई हैं।दिल्ली में नवंबर 2021 में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में एक नई शराब नीति लाई गई थी। इसका मकसद शहर में शराब बिक्री में सुधार करना था। हालांकि, इस नीति को कुछ लोगों ने सराहा, जबकि कुछ ने इस पर मिलीजुली प्रतिक्रिया दी। जुलाई 2022 में दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को शराब नीति में उल्लंघनों की जानकारी दी। उपराज्यपाल ने फिर शराब नीति मामले की जांच का जिम्मा सीबीआई को

▶10 पर

अभी तिहाड़ जेल में ही रहेंगे केजरीवाल

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लांड्रिंग के मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत राउज ऐवन्यू कोर्ट ने 12 जुलाई तक बढ़ा दी है। सीएम अरविंद केजरीवाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ईडी ने कोर्ट में पेश किया था। इससे पहले बीती 29 जून को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट में सीबीआई ने पेश किया गया था। सुनवाई के बाद राउज एवेन्यू की

▶10 पर

त्रिपुरा में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में 9 महिलाओं समेत 11 बांग्लादेशी गिरफ्तार

अगरतला, नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत में बिना किसी वैध यात्रा दस्तावेज के प्रवेश करने के आरोप में अगरतला रेलवे स्टेशन से नौ महिलाओं समेत 11 बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रेलवे पुलिस (जीआरपी) के जवानों ने एक गुप्त सूचना के आधार पर ये कार्रवाई की।

जीआरपी ने बांग्लादेशी नागरिकों को मंगलवार रात रेलवे स्टेशन से गुवाहाटी जाने वाली ट्रेन में चढ़ने से ठीक पहले गिरफ्तार किया। बांग्लादेशी नागरिकों ने जीआरपी कर्मियों को बताया कि वे नौकरी की तलाश में ट्रेन से दिल्ली या भारत के

अन्य शहरों में जाने के लिए अवैध रूप से त्रिपुरा आए थे।

त्रिपुरा पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस बात की जांच की जा रही है कि क्या ये बांग्लादेशी नागरिक किसी मानव तस्करी के प्रयास में शामिल तो नहीं है?

▶10 पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 79,441.45
-34.74 -0.04% ↓

एनएसई :24,123.85
-18.10 (-0.07%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30⁰
न्यूनतम : 21⁰

आतंकवाद के खात्मे में आखिरी कील ठोकेगी सीआरपीएफ

जम्मू, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में अगले तीन वर्षों के दौरान आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के प्लान पर काम शुरू हो गया है। विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य की एजेंसियां, इस टारगेट को पूरा करने में जुट गई हैं। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ को बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने की बात कही जा रही है। सूत्रों का कहना है कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद के खात्मे में आखिरी कील सीआरपीएफ ठोकेगी। इसके लिए एक दर्जन से अधिक जगहों पर सीआरपीएफ की बटालियन कैंपिंग साइट बीसीएस स्थापित की जा रही हैं। इसके लिए जम्मू कश्मीर प्रशासन द्वारा सीआरपीएफ को जमीन अलॉट करने की प्रकिया शुरू हो गई है। फिलहाल, सीआरपीएफ की 43 बटालियन और 53 बटालियन सहित कुछ यूनिटों को बीसीएस के लिए जमीन दे दी गई है।

विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक, पिछले कई वर्षों से जम्मू कश्मीर में आतंकियों के खात्मे की लड़ाई में सीआरपीएफ की बड़ी भूमिका रही है। इस बल की वेली क्यूएटी ने आतंकवाद की कमर तोड़ने में खास योगदान दिया है। गत वर्ष राज्य में सेना की राष्ट्रीय राइफल आरआर की तर्ज पर बल की तैनाती व्यवस्था को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। यह भी कहा गया था कि जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशनों में भारतीय सेना की राष्ट्रीय राइफल्स आरआर की संख्या में कुछ कटौती की जा सकती है। वहां राष्ट्रीय राइफल की मारक क्षमता में सीआरपीएफ को लाने के बारे में गंभीरता से विचार किया जा रहा है। इसके लिए सीआरपीएफ को सेना के ऑपरेशन पैटर्न पर आगे बढ़ाया जा रहा है।

देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ को सीएसआरवी और जेसीबी जैसे बुलेट प्रूफ वाहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। व्हील्ड आर्मर्ड एंफीबियस (डब्ल्यूएचएपी) भी सीआरपीएफ को मुहैया कराया गया है। यह एक लंबी प्रक्रिया है। भारतीय सेना की राष्ट्रीय राइफल को धीरे-धीरे आतंकरोधी अभियानों से हटाया जाएगा। ऐसा संभव है कि शुरुआत में राष्ट्रीय राइफल की एक बटालियन को कुछ कंपनियों तक सीमित कर दिया जाए। इसके लिए सीआरपीएफ के मूलभूत ढांचे और पॉलिसी में भी कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। जंगल वॉरफेयर में एक्सपर्ट सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन भी

▶10 पर

एक दर्जन से अधिक जगहों पर स्थापित की जा रही हैं सीआरपीएफ की बटालियन कैंपिंग साइट

कार्टून कॉर्नर

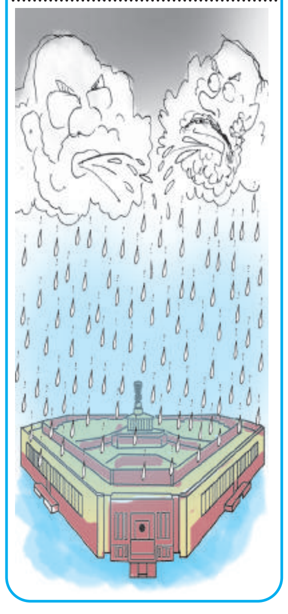

विवाह परिचय सम्मेलन 2.0 का सफल आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के लालबाग रोड स्थित गोडवाड भवन में मारवाड़ी सम्मेलन कर्नाटक, बेंगलूरु शाखा एवं मारवाड़ी युवा मंच, बेंगलूरु शाखा के सामूहिक प्रयास से विवाह परिचय सम्मेलन 2.0 का सफल आयोजन किया गया। जिसमे पूरे भारत से मारवाड़ी समाज के 150 युवक युवतियों ने प्रतिभागी बनकर हिस्सा लिया एवं उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना एवं शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी चंदू भाई, मारवाड़ी सम्मेलन कर्नाटक बेंगलूरु शाखा अध्यक्ष अरुण खेमका एवं मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू एवं अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

सचिव पंकज जलान ने पधारे हुए सभी प्रतिभागियों, अतिथिगण एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत किया।

साथ ही मंच की गतिविधियों का संचालन मारवाड़ी युवा मंच, कर्नाटक के प्रांतीय उपाध्यक्ष गोपाल कुमार ने किया। पिछले साल भी ऐसा ही कार्यक्रम इन दोनों संस्थाओं द्वारा किया गया था। जिसमें पूरे भारत से प्रतिभागी आए थे। अनेकों के संबंध भी हुए। उसी सफलता को देखते हुए इस साल भी दोनों संस्था ने मिल कर विवाह परिचय सम्मेलन 2.0 का आगाज किया।

कार्यक्रम में बेंगलूरु समाज के अनेक संस्थाओं के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। जिसमें मारवाड़ी सम्मेलन, कर्नाटका प्रांत के अध्यक्ष रमाकांत सराफ, सचिव शिव टेकड़ीवाल और महेश अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल, शाखा कोषाध्यक्ष प्रिंस जैन, शाखा सदस्य संजय जाजोदिया उपस्थिति रहे। उनके साथ में मारवाड़ी युवा मंच, कर्नाटका प्रांत के अध्यक्ष नितेश टिबरीवाल, सचिव मोहित शर्मा, रवि सिंघानिया, मायुम बेंगलूरु शाखा के पूर्व अध्यक्ष बिकास पोद्दार, अंकित मोदी, उपाध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल और सुशील सैनी उपस्थित रहे।

सभागार में प्रतिभागियों एवं उनके रिश्तेदारों के बैठने की व्यवस्था मायूम बेंगलूरु के सचिव शुभम लोहिया एवं उनके खान-पान की व्यवस्था मायुम बेंगलूरु के कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने संभाली। कार्यक्रम में पंजीकरण की व्यवस्था मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा के सभी सदस्यों ने संभाली और बहुत ही सुंदर तरीके से इस व्यवस्था को सुचारू ढंग से चलाया। इस कार्यक्रम में मारवाड़ी समाज के युवक युवतियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपने लिए एक योग्य जीवनसाथी ढूंढने का प्रयास किया। गायक संदीप बराडिया एवं अन्य कलाकार ने मारवाड़ी विवाह में होने वाले रीति-रिवाज एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सभी अतिथिगण का मनोरंजन किया एवं कार्यक्रम के सुंदरता, भव्यता एवं विशालता में चार चांद लगा दिया।

बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रैड शो में शहर के अनेक गणमान्यों को आमंत्रण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा शनिवार और रविवार को आयोजित होने वाले बेंगलूरु एक्स्पो एंड ट्रैड शो में शहर के अनेक गणमान्यों को आमन्त्रित किया गया है।

युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि इस एक्सपो की समस्त एक सौ दस स्टालें बुक हो चुकी है और भी अनेक उद्यमियों द्वारा इसकी जानकारी प्राप्त की जा रही है। एक्सपो के उद्घाटन सत्र में शहर के जाने माने उद्यमी उपस्थित रहेंगे।

इस शो में अनेकों प्रकार की वेरायटी के साथ कपड़ा, ज्वेलरी, इलैक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रिक 2 पहिया गाडियां, कॉस्मेटिक्स, रियल एस्टेट, फैशन सामग्री उत्तम ब्राण्ड में उपलब्धता के साथ टेस्टी खाने का भी आगन्तुक लुत्फ उठा सकेंगे। दोपहर के सत्र में एक्स्पो के लिए विशेषकर आ रहे जाने माने मोटिवेशनल स्पीकर संतोष वडेर भी अपनी स्पीच प्रदान करेंगे, जिसका मुख्य विषय अपने पारिवारिक व्यवसाय को कैसे आगे बढ़ाया जाए रहेगा। इसके साथ शिक्षा और नौकरी के क्षेत्र में आगे बढ़ने वालों के लिए करियर चुनने में किन चीजों का ख्याल रखा जाए इस पर स्पीच शनिवार को दोपहर में रहेगी। महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि उद्यमियों में इस एक्स्पो के लिए अपार उत्साह है जिसमें अनेक वस्तुओं की स्टाल्स आकर्षण का केंद्र रहेगी। एक्सपो के मुख्य प्रायोजक दिलीप कुमार आनन्द कुमार सुराणा (माइक्रो लैब्स लिमिटेड), सह प्रायोजक तनसुख राज जवेरीलाल गुलेच्छा (कुशल्स फैशन ज्वैलरी) और गिफ्ट प्रायोजक रतनचंद श्रीश्रीमाल (मयन डायमंड्स) हैं। एक्सपो के संयोजक प्रतीक गादिया, अरिहन्त छाजेड़, कुनाल मरलेचा, सुनील भण्डारी, तकनीकी टीम के महावीर गुगलिया, भरत कोठारी, हर्ष कोठारी के साथ युवा शाखा की कार्यकारिणी तैयारियों में जुटी हुई है।

वार्षिक साधारण सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल टी.दासरहल्ली के तत्वावधान में 7वीं वार्षिक साधारण सभा अध्यक्ष नेहा चावत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। नमस्कार महामंत्र एवं मंगलाचरण से बैठक का शुभारंभ हुआ। मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया।

अध्यक्ष नेहा चावत ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत अभिनंदन किया एवं गत साधारण सभा की कार्यवाही का वाचन किया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। उपाध्यक्ष दीपिका गांधी ने संविधान का वाचन किया।

मंत्री नम्रता पितलिया द्वारा साल भर का मंत्री प्रतिवेदन का वाचन किया। कोषाध्यक्ष हम्सा बाबेल ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत कर सदन में पास करवाया। उपाध्यक्ष संगीता बोहरा ने एबीटीएमएम की योजना एवं अन्य योजनाओं के अंतर्गत कार्यों की जानकारी दी। संगठन मंत्री सरोज मारू ने नए सदस्यों की जानकारी दी एवं टी. दासरहल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में की गई संगठन यात्रा की जानकारी प्रस्तुत की। कन्या मंडल प्रभारी पूर्णिमा कठोंतिया ने कन्या मंडल की वार्षिक रिपोर्ट पारित करवाया। निवर्तमान अध्यक्ष रेखा मेहर ने मंडल को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। साधारण सभा के कार्यक्रम के प्रायोजक प्रकाशचंद, प्रमोद कुमार, विपुल गादिया, रेखा, वर्षा, रक्षा, आस्था, रुचीका गादिया रहे। सभा का कुशल संचालन सह-मंत्री श्वेता बोहरा ने किया तथा आभार ज्ञापन मंत्री नम्रता पितलिया ने व्यक्त किया।

प्रज्वल रेवन्ना मामला

हासन के कार्यकर्ताओं का प्रतिनिधिमंडल सीएम से मिला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हासन में जन-समर्थक संगठनों के एक मंच, हासन जिला जनपरा चालावलीगाला ओक्कुटा का प्रतिनिधित्व करने वाले कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने बेंगलूरु में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात की और उनसे पूर्व जेडी(एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा कथित रूप से किए गए यौन शोषण मामले के पीड़ितों के लिए न्याय की अपील की। लेखिका रूपा हासन, पत्रकार आर.पी. वेंकटेशमूर्ति, सीपीएम नेता धर्मेश, के.एस. विमला, मडिगा डंडोरा होराटा समिति के विजय कुमार, कार्यकर्ता ममता शिवू ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि यह यौन शोषण का एक दुर्लभ और जटिल मामला है। पीड़ित महिलाओं को मानसिक आघात पहुंचा है और उन्हें परिवार के अंदर और बाहर भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। राज्य सरकार को इस तरह से कानूनी प्रक्रिया सुनिश्चित करनी चाहिए कि पीड़ितों की पहचान प्रकाशित न हो। कुछ पीड़ित आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों से थे, वे सरकार से अतिरिक्त सहायता के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को पीड़ितों के लिए परामर्श, कानूनी सलाह और आवश्यक सहायता की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार से उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का भी आग्रह किया जिन्होंने आपत्तिजनक वीडियो लीक किए और इसे वायरल होने दिया। प्रतिनिधिमंडल ने सिद्धरसमैया से पुलिस को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने की भी अपील की कि इंटरनेट पर सभी प्लेटफॉर्म से वीडियो हटा दिए जाएं। इसके अलावा, उन्होंने मामले की सुनवाई के लिए एक विशेष अदालत स्थापित करने की मांग की।

बाफना कप-2 में केसीसी टीम बनी वीजेता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इंडोर प्रिमियर लीग बेंगलूरु द्वारा आयोजित बाफना कप-2 2024 का फाइनल मुकाबला डायरी सर्कल में आयोजित किया गया।

जिसमें केसीसी टीम वीजेता रही। मुख्य प्रायोजक सोहनलाल शोभाबाई बाफना परिवार एवं शीर्षक प्रायोजक फूड अड्डा बसवनगुड़ी रहे। विजेता टीम को इंडोर क्रिकेट प्रीमियर लीग बेंगलूरु की ओर से ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इंडोर क्रिकेट लीग के मुख्य कार्यकर्ता रौनक ओस्तवाल, हर्ष लुंकड़ आदि ने सहयोग प्रदान किया। फूड अड्डा की मुख्य दीप्ति आशीष बाफना ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** डॉ अंबेडकर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा ऐरोत्सव 2024 का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करते हुए विजेताओं को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** पंचमुखी कन्नडिगा युवाकरा संघ मैसूरु रोड कविका लेआउट द्वारा नगर देवी श्री अण्णम्मादेवी एवं श्री मारम्मादेवी उत्सव मनाया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की पूजा अर्चना कर शोभा यात्रा में भाग लिया। संघ के राजन्ना ने मुणोत को सम्मानित किया।*

पुलिस ने बसों में तेज लाइट और तेज हॉर्न बजाने पर कार्रवाई की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर की पुलिस ने मेंगलूरु यातायात पुलिस के साथ मिलकर बुधवार को लालबाग, मेंगलूर में हाई-बीम लाइट और तेज हॉर्न बजाने के लिए बसों के खिलाफ 96 मामले दर्ज किए। शहर की पुलिस और यातायात पुलिस ने जुलाई भर में इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए दो विशेष अभियान शुरू किए हैं।

अभियान के दौरान, कई बसों को निरीक्षण के लिए रोका गया और तेज हॉर्न बजाने वालों को जब्त कर लिया गया।

इस घटना से पहले, कर्नाटक के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (यातायात और सड़क सुरक्षा) आलोक कुमार ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हम निश्चित रूप से नहीं कह सकते कि हाई-बीम लाइट दुर्घटनाओं का कारण बन रही है या नहीं, क्योंकि इसे दुर्घटनाओं के कारण के रूप में कहीं भी दर्ज नहीं किया गया है।

हालांकि, यह निश्चित रूप से एक संभावना है। उन्होंने कहा कर्नाटक राज्य पुलिस जुलाई से हाई-बीम लाइट और वाहनों की चमकती हेडलाइट के खिलाफ विशेष अभियान शुरू करने जा रही है, जिसके तहत ड्राइवरों पर भारतीय मोटर वाहन अधिनियम की धारा 177 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। यह निर्णय तब लिया गया है जब पुलिस ने पाया कि इस तरह की लाइटों से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है, खासकर रात के समय में।

कुमारस्वामी का मांड्या में जनता दर्शन कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी शुक्रवार को मांड्या में जनता दर्शन करेंगे। उस दिन सुबह 10 बजे से मांड्या के अंबेडकर भवन में जनता दर्शन होगा। कुमारस्वामी, जो मांड्या लोकसभा क्षेत्र से सांसद भी हैं, ने मंत्री के निजी सचिव द्वारा आयोजित किए जाने वाले जनता दर्शन के लिए आवश्यक तैयारी और कार्रवाई करने के लिए मांड्या जिला कलेक्टर को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री के रूप में कुमारस्वामी द्वारा आयोजित जनता दर्शन लोकप्रिय था। मांड्या निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित होने के बाद यह पहला जनता दर्शन है। जेडीएस सूत्रों ने बताया कि जनता दर्शन के दौरान कुमारस्वामी को जिले के लोगों की समस्याओं से जुड़ी याचिकाएं मिलेंगी।

अदालत ने सूरज रेवन्ना को 18 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु की एक अदालत ने दो लोगों के यौन उत्पीड़न के आरोपी जेडीएस एमएलसी सूरज रेवन्ना को बुधवार को 18 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

एक जुलाई को 42वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने उन्हें बुधवार तक के लिए आपराधिक जांच विभाग की हिरासत में भेज दिया, जो उनके खिलाफ मामलों की जांच कर रहा है। सीआईडी ने पिछले सप्ताह उनकी मेडिकल जांच कराई थी। उनके डीएनए नमूने भी एकत्र किए गए थे। 23 जून को गिरफ्तार किए गए रेवन्ना का पोटेंसी टेस्ट भी कराया गया था। सीआईडी ने उन दो पीड़ितों के डीएनए नमूने भी एकत्र किए हैं, जिन्होंने आरोप लगाया है कि विधायक ने उनका यौन शोषण किया था। पहले मामले में हासन जिले के एक युवक ने आरोप लगाया कि रेवन्ना ने 16 जून को गन्निकाडा में अपने फार्महाउस पर उसका यौन शोषण किया और उसे जान से मारने की धमकी दी। दूसरे मामले में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि 36 वर्षीय आरोपी ने तीन साल पहले कोविड-19 महामारी के दौरान उसका यौन शोषण किया था। रेवन्ना पर भारतीय दंड संहिता की धारा 377 (अप्राकृतिक अपराध), 342 (गलत तरीके से बंधक बनाना), 506 (आपराधिक धमकी) और 34 (साझा इरादे से कई लोगों द्वारा किए गए कृत्य) के तहत आरोप हैं। वह जेडी(एस) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के बड़े भाई हैं, जिनके खिलाफ यौन शोषण के चार मामले दर्ज हैं। बेंगलूरु की अदालत ने जेडी(एस) एमएलसी सूरज रेवन्ना को 18 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मुख्यमंत्री आवास पर विरोध प्रदर्शन से पहले भाजपा नेताओं को हिरासत में लिया

गरीबों के लिए बनी जगहों को कुछ चुनिंदा लोगों को वितरित किया जा रहा : विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र और विपक्ष के नेता (एलओपी) आर अशोक समेत भाजपा नेताओं को बुधवार को मुख्यमंत्री आवास तक मार्च निकालने की तैयारी के दौरान बेंगलूरु के कुमार कृपा गेस्ट हाउस में कर्नाटक पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वे आदिवासी विकास बोर्ड और मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

पुलिस ने मुख्यमंत्री आवास की घेराबंदी करने की भाजपा की योजना को विफल कर दिया और नेताओं को हिरासत में ले लिया। कुछ वरिष्ठ नेताओं को बसों में घसीटकर ले जाया गया। भाजपा नेताओं ने विरोध प्रदर्शन की अनुमति न देने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की और दावा किया कि उन्हें विरोध प्रदर्शन की अनुमति न देकर कांग्रेस सरकार ने घोटालों में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की भूमिका की पुष्टि की है। हिरासत में लिए जाने के दौरान नेताओं ने कहा कि मुडा घोटाले में, जिन भूस्वामियों को 15 साइटें मिलनी थीं, उन्हें 20 साइटें दे दी गईं, और कुछ मामलों में, जिन भूस्वामियों की जमीन चली गई और जिन्हें 20 साइटें मिलनी थीं, उन्हें अधिकारियों द्वारा 60 साइटें आवंटित कर दी गईं। उन्होंने इसे सरकार द्वारा खुली लूट बताया। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) मांड्या शहरी विकास प्राधिकरण मामले की जांच कर रही है और भाजपा मांग कर रही है कि मुडा घोटाले को भी सीबीआई को सौंप दिया जाए। एआईसीसी महासचिव और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कर्नाटक को मॉडल राज्य कहा था, जिसका भाजपा नेता ने मजाक उड़ाते हुए कहा कि यह लूट मॉडल है।

भाजपा ने आदिवासी कल्याण घोटाले में पहले ही एक मंत्री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर दिया है और कांग्रेस सरकार के एक और मंत्री के इस्तीफा देने तक आंदोलन जारी रखने की कसम खा रही है। विजयेंद्र ने कहा कि गरीबों के लिए बनी जगहों को कुछ चुनिंदा लोगों को वितरित किया जा रहा है, जिससे गरीबों को 10 से 13 साल तक इंतजार करना पड़ रहा है। भाजपा राज्य विधानसभा के अंदर और बाहर दोनों जगह विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी। विजयेन्द्र ने कहा कि मुख्यमंत्री का मुखौटा उतर गया है इसलिए उनको इस्तीफा दे देना चाहिए।

कांग्रेस सरकार के रंग उजागर हो गए हैं। आए दिन एक घोटाला सामने आ रहा है। वाल्मीकि निगम में सैकड़ों करोड़ का घोटाला हुआ है। उन्होंने पूछा कि मुख्यमंत्री के जिले मैसूरु के मुडा में उनकी जानकारी के बिना इतना बड़ा घोटाला होना कैसे संभव हुआ। मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी को 15 प्लॉट दिये गये हैं। मंत्री बैराती सुरेश ने मैसूरु जाकर अधिकारियों का तबादला कर दिया और घोटाले से जुड़ी फाइलें बेंगलूरु ले आए। उन्होंने आपत्ति जताई कि इस घोटाले पर पर्दा डालने की पूरी कोशिश की गई है। सुरेश फाइलें लेकर आए और आरोप लगाया कि इन्हें सही करने का काम किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि जांच होने तक मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने भाषण दिया था कि वे भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देंगे। उधर, विनय कुलकर्णी ने भी मंत्री पर आरोप लगाया है। बहुत सारे घोटाले हुए हैं। उन्होंने आलोचना की कि राज्य सरकार एक तरफ महंगाई और दूसरी तरफ दिनदहाड़े लूट में व्यस्त है। मैसूरु विकास प्राधिकरण (मुडा) में 4 हजार करोड़ से ज्यादा का घोटाला सामने आया है। मंत्री बैराती सुरेश ने अधिकारियों को सस्पेंड किए बिना ही फाइलों का ट्रांसफर कर दिया है। छह माह पहले जिला कलक्टर ने हजारों करोड़ के घोटाले की रिपोर्ट दी थी। विजयेंद्र ने चुनौती दी कि घोटाले की जानकारी होने के बावजूद उन्होंने इसे दबाए रखा और अगर आपमें दम है तो आपको अधिकारियों को निलंबित करना चाहिए। भाजपा विधायक अरविंद बेलाड ने सवाल किया कि सीएम सिद्धरामैया शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन की अनुमति क्यों नहीं दे रहे हैं? पूर्व गृह मंत्री अरगा ज्ञानेंद्र ने मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए उन पर दलित विरोधी होने तथा आदिवासी कल्याण बोर्ड में दलितों के लिए निर्धारित धनराशि हड़पने का आरोप लगाया।

पिछली आपातकाल की तरह ही

अब कांग्रेस सरकार ने बेंगलूरु में आपातकाल लगा दिया: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आने के एक साल के भीतर ही लूट के लिए सुरंग खोद ली है। अब मुडा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो गया है और इस सरकार ने लूट का मॉडल दे दिया है। महर्षि वाल्मीकि विकास निगम घोटाले और कांग्रेस सरकार के जनविरोधी रुख के खिलाफ आर अशोक ने बीजेपी विधायकों के साथ मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वाल्मीकि विकास निगम के दलितों का पैसा तेलंगाना में बार और रेस्तरां और सोने की दुकानों में टकाटक के रूप में स्थानांतरित किया गया था। कांग्रेस कह रही है कि मंत्री बी नागेंद्र ने इस्तीफा भले

ही भाजपा के संघर्ष के चलते दिया है, लेकिन स्वेच्छा से दिया है। उन्होंने शिकायत की कि मुडा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। पिछली आपातकाल की तरह ही अब कांग्रेस सरकार ने बेंगलूरु में आपातकाल लगा दिया है। भाजपा विधायकों को सीएम आवास आने से रोकने के लिए सैकड़ों पुलिसकर्मी तैनात किये गये और लोकतंत्र का नरसंहार किया गया। रामेश्वरम कैफे में बम विस्फोट करने वाले आतंकवादियों को पकड़ने के लिए पांच या छह पुलिसकर्मियों को भेजा गया था। लेकिन विधायकों को पकड़ने के लिए सैकड़ों पुलिसकर्मी यहां भेजे गए हैं। मैसूरु मुडा में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। कांग्रेस सरकार को इस समझौता परियोजना को तुरंत रद्द कर देना चाहिए। यदि जांच सीबीआई को सौंपी जाए तो सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने कहा कि हम इस मुद्दे पर सदन में चर्चा करेंगे और सच्चाई सामने लाएंगे।

क्या गृहलक्ष्मी योजना के लाभार्थियों का भुगतान रुका?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकसभा चुनाव के ठीक बाद कथित तौर पर गृहलक्ष्मी योजना के लाभार्थियों का पैसा रोक दिया गया है और लोग बात न करने को लेकर सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। मतदान के बाद के दिनों में गृहलक्ष्मी राशि का भुगतान भी किया गया। परिणामस्वरूप, कांग्रेस पार्टी को अपेक्षित स्तर पर जीत नहीं मिली, इसलिए योजनाओं की व्यापक समीक्षा शुरू हो गई है। लोग भावनात्मक मुद्दों के आगे झुक गये हैं। ऐसा कहा जाता है कि विकास और सरकारी सुविधाओं के लाभार्थियों ने भी कांग्रेस पार्टी का समर्थन नहीं किया है। तो क्या योजनाएं जारी रहनी चाहिए? इसको लेकर गंभीर चर्चा चल रही है। कांग्रेस के कुछ विधायक इस बात पर दबाव बना रहे हैं कि पंचखत्री योजनाएं बंद कर दी जाएं और पैसे का

इस्तेमाल विकास कार्यों में किया जाए। लेकिन मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार और सरकार के अन्य नेताओं का कहना है कि चुनाव या मतदान के कारण योजनाओं को लागू नहीं किया है। पंचखत्री योजनाएं लोगों के जीवन में सुधार, आर्थिक विकास और सामाजिक स्थिरता के लिए बनाई गई हैं। वे कह रहे हैं कि उन्हें किसी भी वजह से रोका नहीं जाएगा। लेकिन आलोचनाएं हो रही हैं कि सरकार अपने वादों पर खरी नहीं उतर रही है। सवाल हैं कि चुनाव के दौरान सरकार ने आचार संहिता से परे जाकर गृहलक्ष्मी को 2 हजार रुपये का भुगतान क्यों किया और नतीजों के बाद इसे क्यों बंद कर दिया। बहुप्रतीक्षित गृह लक्षी योजना के तहत लाभार्थियों को सरकार को अपने खजाने से भुगतान करना है। बताया जा रहा है कि 2 महीने से प्रोजेक्ट की फंडिंग रोक दी गई है। शेष दो योजनाओं, गृह ज्योति और गृह लक्ष्मी योजना के तहत, सरकार लाभार्थी के हिस्से की लागत का भुगतान अपने स्वयं के सहयोगियों को कर रही है। इसलिए भले ही भुगतान में देरी हो, लेकिन इसका आम आदमी पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है। ये दोनों प्रोजेक्ट बदस्तूर जारी रहे। सूत्रों के अनुसार गृहलक्ष्मी योजना कुछ लोगों को अनावश्यक लग सकती है, लेकिन आर्थिक रूप से अक्षम परिवारों के लिए यह एक वरदान है। यह बढ़ती कीमतों से जूझ रहे एक परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान करने में सफल रहा। विशेषकर वरिष्ठ महिलाओं के लिए यह योजना आजीविका का साधन थी। अब इसका भुगतान न होने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। क्या सरकार परियोजनाएं बंद करेगी या जारी रखेगी? सवाल सता रहे हैं। यदि कांग्रेस को वोट न देने के गुस्से के कारण यह परियोजना बंद हो जाती है, तो यह उन असहाय महिलाओं के लिए बहुत बड़ी निराशा होगी जो इस पर विश्वास करके बैठी हैं।

कर्नाटक में दूध उत्पादन का दैनिक आंकड़ा 1 करोड़ लीटर को पार करने पर सरकार ने मनाया जश्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने बेंगलूरु में गाय (गौमाता) और उसके बछड़े के लिए विशेष पूजा समारोह आयोजित करके प्रतिदिन 1 करोड़ लीटर दूध उत्पादन की उपलब्धि का जश्न मनाया। पूजा करने वाले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि यह कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री ने कहा पिछले जून में हमारा दैनिक दूध उत्पादन 90 लाख लीटर था। अब हम 1 करोड़ लीटर प्रतिदिन तक पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि केएमएफ

को प्रतिदिन 1 करोड़ लीटर दूध मिल रहा है, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। मुख्यमंत्री ने कहा पूर्व पशुपालन मंत्री के रूप में मैंने दुग्ध संघों को डेयरी किसानों को सौंपने के लिए कदम उठाए थे। केएमएफ किसानों का संगठन है। उन्होंने कहा कि राज्य में 16,000 समितियां और 15 संघ हैं, जो दूध बेचते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा प्रतिदिन 1 करोड़ लीटर उत्पादन की उपलब्धि के उपलक्ष्य में, बेचे जाने वाले नंदिनी दूध के प्रत्येक पैकेट में ग्राहकों को 50 मिलीलीटर अतिरिक्त दूध दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों से दूध खरीदने से इनकार नहीं कर सकती है, और बढ़ी हुई मात्रा का उद्देश्य उनका समर्थन करना है। मुख्यमंत्री ने कहा विपक्ष, इसे समझे बिना दावा करता है कि दूध की कीमतें बढ़ाई जा रही हैं। मेरा मानना है कि वे किसानों के हितों के लिए खड़े नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हर लीटर दूध पर 5 रुपये की सब्सिडी देती है, जो रोजाना 5 करोड़ रुपये, महीने में 150 करोड़ रुपये और सालाना 1,800 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री ने कहा किसानों की मदद के लिए मेरे कार्यकाल में यह सब्सिडी 2 रुपये से बढ़ाकर 5 रुपये कर दी गई थी। अगर दूध की कीमतें बढ़ाई जाती हैं, तो इससे किसानों को फायदा होगा। कर्नाटक में दूध की कीमतें सभी राज्यों से कम हैं और हम सस्ती कीमत पर दूध उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पिछली भाजपा सरकार पर किसानों के लिए 700 करोड़ रुपये की दूध सब्सिडी लंबित थी और अब वह कांग्रेस सरकार पर आरोप लगा रही है।

इंदिरा गांधी ने देश में आंतरिक अशांति को दबाने के लिए आपातकाल लागया: हरिप्रसाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता बी.के. हरिप्रसाद ने दावा किया है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आंतरिक अशांति को दबाने के लिए आपातकाल लागू किया था। यह असंवैधानिक नहीं है।

उन्होंने इसे सही ठहराया। पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि नई सरकार के गठन के दौरान राष्ट्रपति द्वारा संसद के संयुक्त सत्र में अपनी भविष्य की योजनाओं का प्रस्ताव रखना और बताना आम बात है। लेकिन इस बार नरेंद्र मोदी की सरकार ने राष्ट्रपति के भाषण में आपातकाल का जिक्र किया है। संविधान में देश के अंदर और बाहर राष्ट्रविरोधी ताकतों के पनपने पर सुरक्षा कारणों से आपातकाल लगाने का प्रावधान है। इस प्रकार इंदिरा गांधी द्वारा लागू किया गया आपातकाल असंवैधानिक नहीं था। आपातकाल के दौरान भी, कांग्रेस सरकार ने असामाजिक ताकतों, तस्करों और देश के संविधान को नष्ट करने की कोशिश करने वालों को जेल में डाल दिया। लेकिन वर्तमान केंद्र सरकार ने विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों को जेल भेज दिया है। आपातकाल के दौरान विपक्ष के नेता रहे वाजपेयी को घर में नजरबंद रखा गया था। लेकिन वर्तमान केंद्र सरकार जिस तरह से शासन कर रही है वह सबके सामने है। लोकतंत्र विरोधी और संविधान विरोधी ताकतों को दबाने के लिए आपातकाल लगाने में कुछ भी गलत नहीं है। चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इंदिरा गांधी के खिलाफ फैसला सुनाया। जज ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने के लिए 7 हफ्ते का समय दिया। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बने रहने की अनुमति देगा। जयप्रकाश नारायण ने सेना और अन्य सशस्त्र बलों से इंदिरा गांधी के खिलाफ लोकतांत्रिक संघर्ष छेड़ने के बजाय विद्रोह करने का आह्वान किया। इसलिए आपातकालीन स्थिति अनिवार्य रूप से लागू करनी होगी। आपातकाल लागू करने में संविधान का कोई उल्लंघन नहीं हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस ने कभी भी संविधान के खिलाफ काम नहीं किया है।

सीमा लाटकर मैसूरु शहर पुलिस की नई आयुक्त

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आईपीएस अधिकारी सीमा लाटकर को मैसूरु शहर पुलिस का नया आयुक्त नियुक्त किया गया है।

लाटकर, जो मैसूरु जिला पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत थीं, मैसूरु शहर पुलिस आयुक्त के रूप में रमेश बी. का स्थान लेंगी।

रमेश को दावणगेरे के पूर्वी रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक के पद पर स्थानांतरित किया गया है। इस बीच एन. विष्णुवर्धन को मैसूरु जिला पुलिस का नया अधीक्षक नियुक्त किया गया है। विष्णुवर्धन, जो उत्तर कन्नड़ जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत थे, लाटकर का स्थान लेंगे।

सांसद राघवेंद्र ने भूपेंद्र यादव से मुलाकात की

एमपीएम को वन भूमि के पट्टे के नवीनीकरण पर आपत्ति वापस लेने की अपील

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। शिवमोग्गा के लोकसभा सदस्य बी.वाई. राघवेंद्र ने बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वानिकी और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की। उन्होंने मंत्री से कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले के भद्रावती में मैसूरु पेपर मिल्स (एमपीएम) को वन भूमि के पट्टे के नवीनीकरण पर आपत्ति वापस लेने की अपील की। सांसद ने एक पत्र प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया कि एमपीएम, जिसका 20,005.42 हेक्टेयर वन भूमि का पट्टा 2020 में नवीनीकृत किया गया था, केंद्र सरकार की आपत्तियों के कारण लुगदी की कटाई नहीं कर पाया था। इससे कंपनी और उस पर निर्भर लोगों पर असर पड़ा है। राघवेंद्र ने लिखा कि कंपनी को 1980 से कैप्टिव पल्पवुड प्लांटेशन के लिए

वन भूमि पट्टे पर दी गई थी। 8 मार्च, 2001 को लिखे पत्र में भारत सरकार ने कर्नाटक सरकार को स्पष्ट किया कि एमपीएम, एक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी होने के नाते, वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 के तहत केंद्र सरकार से पूर्व अनुमोदन प्राप्त किए बिना वन भूमि या पट्टा प्राप्त करने के लिए योग्य है। सांसद ने कहा स्पष्टीकरण के आधार पर, राज्य सरकार ने भारत सरकार की मंजूरी के बिना 11 अगस्त, 2020 से 40 साल की अवधि के लिए पट्टे का नवीनीकरण किया। हालांकि, भारत सरकार ने पट्टे के नवीनीकरण को अधिनियम का उल्लंघन माना था, और कैप्टिव पल्पवुड बागानों के कामकाज के लिए प्रबंधन योजना को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से आपत्तियों को छोड़ने और कंपनी को पल्पवुड की कटाई करने की अनुमति देने का अनुरोध किया। 25 जून को कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात कर आपत्तियों को वापस लेने का अनुरोध किया था। हालांकि, शिवमोग्गा के पर्यावरणविद और कार्यकर्ता एमपीएम को वन भूमि के पट्टे के नवीनीकरण का विरोध कर रहे हैं। वे एमपीएम से वन भूमि वापस लेना चाहते हैं। इससे पहले राघवेंद्र ने मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की और अपने निर्वाचन क्षेत्र में रेलवे परियोजनाओं के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें सिरसी और ताड़ासा के माध्यम से तलगुप्पा और हुब्बल्ली को जोड़ने वाली एक नई रेलवे लाइन भी शामिल है। अपने ज्ञापन में, राघवेंद्र ने कहा कि रेलवे बोर्ड ने नई रेलवे लाइन के सर्वेक्षण को मंजूरी दे दी है। दक्षिण पश्चिम रेलवे द्वारा सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया था, और रिपोर्ट बोर्ड को सौंप दी गई थी। उन्होंने मंत्री से आगामी बजट में काम को मंजूरी देने का अनुरोध किया, ताकि नई रेलवे लाइन के साथ मलनाड और उत्तरी कर्नाटक क्षेत्र के बीच संपर्क में सुधार हो सके। लंबे समय से लंबित शिवमोग्गा-बिरूरू दोहरीकरण कार्य के बारे में, सांसद ने कहा कि परियोजना को बहुत पहले मंजूरी दी गई थी, लेकिन यह शुरू नहीं हुई। हालांकि, उन्होंने इस काम को जल्द से जल्द शुरू करने की जरूरत पर जोर दिया, क्योंकि शिवमोग्गा-शिकारीपुर-राणेबेन्नूर नई रेलवे लाइन के निर्माण से इस मार्ग पर यातायात बढ़ने की उम्मीद है।

राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों का मानसून सत्र 15 जुलाई से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों का मानसून सत्र 15 जुलाई से शुरू होगा। 9 दिवसीय मानसून सत्र 15 जुलाई से 26 जुलाई तक आयोजित होने वाला है। विधानसभा सचिव एमके विशालाक्षी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि राज्यपाल ने 15 जुलाई को सुबह 11 बजे विधानसभा सत्र बुलाने का आदेश दिया है। 26 जुलाई के बाद सत्र को आगे बढ़ाने या समाप्त करने पर सदन की सलाहकार समिति की बैठक में चर्चा और निर्णय लिया जाएगा।

पिछली कैबिनेट बैठक में दोनों सदनों के सत्र आयोजित करने की तारीख तय करने का अधिकार मुख्यमंत्री को दिया गया था। तदनुसार, सत्र आयोजित करने की तारीख तय की गई और अनुमोदन के लिए राज्यपाल को भेजा गया, जिन्होंने अनुमति दे दी। नतीजे घोषित होने के बाद लोकसभा चुनाव का यह पहला सत्र है। इस चुनाव में जीत के उत्साह में भाजपा और जेडीएस दोनों ही सरकार को चुनौती देने के लिए कमर कस रहे हैं। ऐसे में इस बार का सत्र प्रशासन और विपक्ष के बीच जुबानी जंग का मंच बनेगा। किसानों की आत्महत्या, पिछले मानसून सीजन के लिए सूखा राहत राशि के वितरण में देरी, पेट्रोल, डीजल और दूध सहित आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के मुद्दे को हर पार्टी सरकार के खिलाफ प्रमुख हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की तैयारी कर चुकी है। दोनों पार्टियां एकजुट होकर सरकार को संकट में डालने और सदन के अंदर-बाहर जूझ रही जनता की दिन-ब-दिन ज्वलंत समस्याओं को सामने रखकर समस्याओं का समाधान कराने के लिए संघर्ष करने जा रही हैं।

मुडा साइट घोटाला

जांच के बाद सत्ता के कथित दुरुपयोग पर होगी कार्रवाई: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मंगलवार को कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में सत्ता के कथित दुरुपयोग पर जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच रिपोर्ट आने तक मुडा द्वारा वितरित साइटों को निलंबित रखा गया है। उन्होंने कहा सरकार या मुडा को कोई नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को पूरे घोटाले की जांच करने के लिए कहा गया है। सिद्धरामैया ने कहा कि भूखंड वितरित करने वाले मुडा अधिकारियों को निलंबित रखा गया है। विपक्षी भाजपा की सीबीआई जांच की मांग पर एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी मुद्दों पर सीबीआई जांच की मांग करना भाजपा की आदत बन गई है। उन्होंने पूछा भाजपा बताए कि

उनकी सरकार ने कितनी बार और किन मुद्दों पर सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि भाजपा सरकार ने उन लोगों को वैकल्पिक भूखंड देने के लिए कानून बनाया है जिनकी जमीन अधिग्रहित की गई है। भाजपा नेता आर अशोक द्वारा इस मुद्दे पर उनके इस्तीफे की मांग पर उन्होंने कहा कि उनके इस्तीफे की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि मुडा द्वारा भूखंडों के वितरण में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने पूछा जब भाजपा सत्ता में थी और अशोक पर अक्रमा-सक्रमा मुद्दे में अनियमितताओं का आरोप लगा था, तो उन्होंने अदालत से जमानत हासिल की थी। क्या उन्होंने इस्तीफा दिया? क्या कोई सिर्फ भाजपा की मांग के कारण इस्तीफा दे सकता है।

महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित 187 करोड़ रुपये के घोटाले पर भाजपा द्वारा किए जा रहे विरोध-प्रदर्शनों पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे मामले की जांच एसआईटी को सौंपी गई है और संबंधित मंत्री नागेंद्र पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं। मंत्री को इस्तीफा देने के लिए इसलिए कहा गया क्योंकि निगम के अधीक्षक ने आत्महत्या करने से पहले एक नोट लिखा था कि मंत्री ने प्रबंध निदेशक को धन हस्तांतरित करने के लिए मौखिक निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा धन के दुरुपयोग में कथित अनियमितताओं की जांच सीबीआई कर रही है।

दूषित पानी की त्रासदी दोबारा हुई तो अधिकारी जिम्मेदार: सीएम

मुख्यमंत्री ने किया पौधारोपण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने चेतावनी दी है कि अगर दूषित पानी के मामले दोबारा सामने आए तो संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

शहर के कांतिरवा स्टेडियम के अंदर आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस समारोह में भूमि रूपांतरण और शुष्क भूमि प्रबंधन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि दूषित पानी और खाद्य विषाक्तता के मामलों में हालिया वृद्धि चिंताजनक है। सरकार ने ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया है।

अधिकारी सावधान रहें। उन्होंने कहा कि अगर डेंगू का बुखार बढ़ रहा है तो कोई भी मामला सामने आने पर अधिकारी जिम्मेदार होंगे। इस पर नियंत्रण के लिए बीमारी फैलाने वाले मच्छरों को नष्ट करने के लिए जनता का

सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनता को स्वास्थ्य विभाग, बीबीएमपी, स्थानीय प्रशासन का सहयोग करना चाहिए।

कचरे को ऐसे ही फेंकने के बजाय वैज्ञानिक तरीके से निपटान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि वर्षा जल संचयन प्रणाली अपना ली जाये तो कई समस्याओं का समाधान हो जायेगा। पेड़ों की खेती करनी चाहिए।

यदि एक पेड़ काटा जाता है तो उसके स्थान पर दूसरा पेड़ लगाना चाहिए। पिछले 20 वर्षों से राज्य में सूखे की स्थिति बनी हुई है। इन पर नियंत्रण के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान सही रास्ते पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुसंधान केंद्र कहां खोले जाएं, इस पर ध्यान देना वन विभाग की जिम्मेदारी है। बच्चों को पर्यावरण जागरूकता के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। वैश्विक असंतुलन के बारे में जागरूकता दी जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि हमें एक दिन कार्यक्रम मनाकर भूलने की बजाय हर दिन पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखना चाहिए।

पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाना चाहिए था। लेकिन चुनाव आचार संहिता के कारण बुधवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। बच्चों ने पर्यावरण चिंता विषय पर भाषण दिया।

मुख्यमंत्री ने कांतिरवा स्टेडियम के बाहर पौधारोपण किया और पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए परियोजनाओं और मशीनरी के प्रदर्शन को देखा। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री रहमान खान, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष मारी गौड़ा, वन, पर्यावरण एवं जीवविज्ञान विभाग के उप मुख्य सचिव मंजूनाथ प्रसाद समेत अन्य मौजूद थे।

ग्राम पंचायत द्वारा कचरा प्रबंधन में गड़बड़ी के खिलाफ लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के थेनकनिडियूर के निवासियों ने कचरा निपटान में गड़बड़ी के कारण जमीन और जल प्रदूषण के लिए ग्राम पंचायत के खिलाफ बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। थेनकनिडियूर में एसएलआरएम इकाई पर हानिकारक रसायनों और अन्य कचरे को जमीन में डंप करने और उसे मिट्टी से ढकने का आरोप लगाया गया। बरसात के मौसम में, यह कचरा आस-पास के जल स्रोतों को दूषित करता है, जिससे स्थानीय लोगों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं। थेनकनिडियूर ग्राम पंचायत की अध्यक्ष शोभा डी नाइक ने कहा एसएलआरएम इकाई में कचरा छह साल से जमा हो रहा है, और मैं छह महीने से भी कम समय से पद पर हूं। प्रदूषित पानी आवासीय क्षेत्रों में बहने के कारण, मैंने कचरे को जमीन में दफना दिया। पास के बोरवेल की पानी की आपूर्ति एक महीने से बंद है, और हम अब कुएं का पानी उपलब्ध करा रहे हैं। इसलिए यह विरोध राजनीति से प्रेरित है।

वे मुझे हटाना चाहते हैं क्योंकि मैं एसटी श्रेणी का अध्यक्ष हूं। स्थानीय निवासी राजा नाइक ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कचरे के कारण जलभराव हो गया है, यह रुके हुए पानी में मिल गया है और आवासीय जल स्रोतों को दूषित कर रहा है। ग्राम पंचायत का पीने का पानी प्रभावित हो रहा है, और अधिकारियों को लोगों के कल्याण

के लिए काम करना चाहिए, उनके साथ परामर्श करना चाहिए और उनकी जरूरतों को पूरा करना चाहिए। एक अन्य निवासी सुष्मिता ने अपनी दुर्दशा बताते हुए कहा पिछले चार दिनों से हमारा पीने का पानी दूषित हो गया है। पंचायत ने जल स्रोत के पास 50 टन कचरा डाला है, जिससे दुर्गंध आ रही है। अध्यक्ष का दावा है कि उन्होंने स्थानीय लोगों से सलाह ली है, लेकिन हमसे नहीं पूछा गया। उन्हें पहले यह प्रदूषित पानी पीना चाहिए।

दलीलों को नजरअंदाज कर दिया गया

एसएलआरएम इकाई को गैर-आवासीय क्षेत्र में ले जाया जाना चाहिए। हमने भविष्य में संभावित खतरों के कारण यह अनुरोध किया है, लेकिन हमारी दलीलों को नजरअंदाज कर दिया गया है। निवासियों ने पंचायत अध्यक्ष के अचानक निर्णय से एसएलआरएम इकाई के सतही कचरे को दफनाए जाने की शिकायत की। यह कचरा भूमिगत जल को दूषित कर रहा है, जिससे आस-पास के कुएं और बोरवेल प्रभावित हो रहे हैं। इस प्रदूषित पानी को पीने से बुजुर्गों और बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा हो रही हैं और यह स्थल मच्छरों के प्रजनन का स्थान बन गया है। अधिकारियों की ला-परवाही स्पष्ट है। उग्र विरोध के बाद, पुलिस निरीक्षक और ईओ विजया ने स्थल का दौरा किया और समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

केआरएस के पास प्रस्तावित ट्रायल ब्लास्ट के खिलाफ किसानों ने किया विरोध प्रदर्शन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य रायता संघ (केआरआरएस) के किसानों ने बांध के पास प्रस्तावित परीक्षण विस्फोट के खिलाफ बुधवार को कृष्णराज सागर (केआरएस) जलाशय के पास विरोध प्रदर्शन किया। बडागलपुरा नागेंद्र के नेतृत्व वाले केआरआरएस गुट ने कहा कि जलाशय डाउनस्ट्रीम में रहने वाले लाखों लोगों की जीवन रेखा है और बांध के 20 किलोमीटर के दायरे में सभी उत्खनन गतिविधियों और विस्फोटों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना जरूरी है। नागेंद्र ने कहा कि हालांकि जिला प्रशासन कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार परीक्षण विस्फोट का

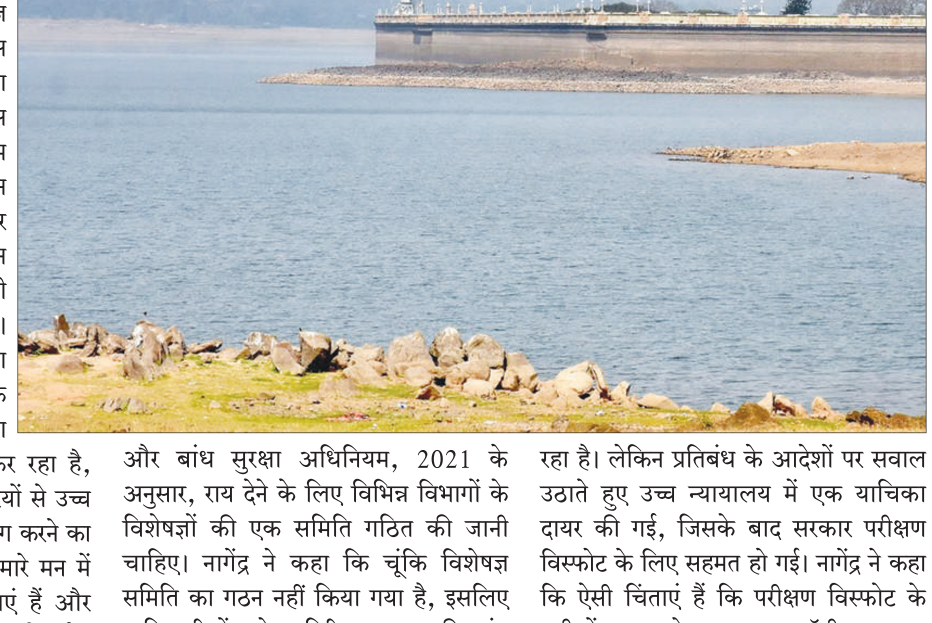

मार्ग प्रशस्त करने की कवायद कर रहा है, लेकिन केआरआरएस ने अधिकारियों से उच्च न्यायालय से अतिरिक्त समय की मांग करने का आग्रह किया है। नागेंद्र ने कहा हमारे मन में बहुत सारे संदेह और अनिश्चितताएं हैं और हितधारकों के रूप में उन्हें परीक्षण विस्फोट शुरू करने से पहले स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। इसके अलावा, यह कौन सुनिश्चित करेगा कि परीक्षण विस्फोट स्वयं सुरक्षित था और इससे बांध को कोई खतरा नहीं था। विभिन्न दस्तावेजों का हवाला देते हुए नागेंद्र ने कहा कि कावेरी नीरावरी निगम लिमिटेड सहित प्रशासनिक मशीनरी यह तय करने में सक्षम नहीं है कि ट्रायल ब्लास्ट सुरक्षित है या नहीं और बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 के अनुसार, राय देने के लिए विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जानी चाहिए। नागेंद्र ने कहा कि चूंकि विशेषज्ञ समिति का गठन नहीं किया गया है, इसलिए अधिकारियों को अतिरिक्त समय की मांग करनी चाहिए। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने केआरएस बांध की सुरक्षा को खतरे के मद्देनजर बांध से 20 किलोमीटर के दायरे में उत्खनन समेत सभी खनन और संबद्ध गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। लेकिन सरकार ने बांध की सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए परीक्षण विस्फोट करने की प्रतिबद्धता जताई है, जिसका केआरआरएस विरोध कर रहा है। लेकिन प्रतिबंध के आदेशों पर सवाल उठाते हुए उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई, जिसके बाद सरकार परीक्षण विस्फोट के लिए सहमत हो गई। नागेंद्र ने कहा कि ऐसी चिंताएं हैं कि परीक्षण विस्फोट के नतीजों का इस्तेमाल खनन लॉबी द्वारा यह दावा करने के लिए किया जा सकता है कि खनन प्रतिबंध हटाने के उनके प्रयास में बांध की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है। इस बीच, किसानों के एक अन्य समूह ने अधिकारियों से परीक्षण विस्फोट करने का आग्रह करते हुए प्रदर्शन किया और सवाल किया कि क्या अभ्यास किए जाने से पहले ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचना चाहिए।

भ्रष्टाचारियों के खिलाफ ईमानदार कार्रवाई के लिए जांच एजेन्सियों को खुली छूट : मोदी

- शराब घोटाला करें आपा, पानी घोटाला करें आपा , शिकायत करे कांग्रेस और कार्रवाई हो तो गाली खाए मोदी
- कांग्रेस न केवल संविधान विरोधी है बल्कि एससी-एसटी और पिछड़ा वर्ग की भी विरोधी है

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई तथा आर्थिक और सामाजिक विकास को सरकार का मिशन बताते हुए बुधवार को राज्यसभा में कहा कि देश के मतदाता कांग्रेस की भ्रमित करने और झूठी कहानी गढने वाली नकारात्मक राजनीति को पहचान चुके हैं तथा उन्होंने भारत को विकास की राह पर आगे ले जाने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को लगातार तीसरी बार जनादेश दिया है।

श्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राज्यसभा में 21 घंटे से भी अधिक समय तक चली चर्चा का जवाब देते हुए संविधान पर संकट , जांच एजेन्सियों के दुरूपयोग, पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ हिंसा पर विपक्ष की अवसरवादी चुप्पी, मणिपुर हिंसा और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर सरकार का खुलकर पक्ष रखा। प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। प्रधानमंत्री के जवाब के बाद विपक्षी सदस्यों की गैर मौजूदगी में ही सदन ने धन्यवाद प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

लोकसभा चुनाव में संविधान की रक्षा को कांग्रेस द्वारा बड़ा मुद्दा बनाये जाने का जवाब देते हुए श्री मोदी ने कांग्रेस को संविधान का सबसे बड़ा विरोधी बताते हुये कहा कि यदि यह वास्तव में चुनाव का मुद्दा था तो जनता ने संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी हमें दी है। उन्होंने देश में कांग्रेस की सरकारों के दौरान आपातकाल की ज्यादतियों , प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक पद के उपर राष्ट्रीय सलाहकार परिषद बैठाने , कांग्रेस के नेता (राहुल गांधी) द्वारा मनमोहन मंत्रिमंडल के फैसले की प्रति फाडे जाने और सरकारी प्रोटोकोल में एक परिवार के सदस्यों को अनुचित प्राथमिकता दिये जाने जैसे मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान की रक्षा उसके आधार पर आचरण करने से होती है न कि संविधान की पुस्तक लहराने से। उन्होंने कहा कि 1975 में संविधान पर बुलडोजर चलाते हुए इंदिरा इज इंडिया एंड इंडिया इस इंदिरा का नारा दिया गया था लेकिन कांग्रेस इस पर कभी कोई चर्चा नहीं चाहती।

श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस न केवल संविधान विरोधी है बल्कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग की भी विरोधी है। प्रधानमंत्री का कहना था कि कांग्रेस के प्रथम परिवार को जहां हार सुनिश्चित दिखती है वहां इन वर्गों के लोगों को आगे कर दिया जाता है । इसी संदर्भ में उन्होंने इस बार के लोकसभा अध्यक्ष के पद के चुनाव में केरल के दलित सांसद के सुरेश को आगे करने, इससे पहले राष्ट्रपति चुनाव में मीरा कुमार तथा उप राष्ट्रपति के लिए सुशील कुमार शिंदे को चुनाव मैदान में उतारने जैसे उदाहरण दिये। उन्होंने कहा कि इस चुनाव के नतीजों पर कांग्रेस जश्न मना रही है, न जाने यह खुशी हार की है या नर्वस नाइंटीज की या तीसरी बार के (राहुल गांधी के) लांच के असफल होने की है। उन्होंने कहा कि दलित नेता और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे इस चुनाव में दीवार बनकर खड़े हो गये और परिवार को हार के ठीकरे से बचा लिया ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने 2014 में जब देश की बागडोर संभाली तो सबसे उनकी बड़ी प्राथमिकता गरीबों का कल्याण तथा भ्रष्टाचार और कालेधन पर वार करना था। भ्रष्टाचार से मुक्ति को सरकार का मिशन बताते हुए उन्होंने कहा, हमने जांच एजेन्सियों को खुली छूट दे रखी है। सरकार कहीं टांग नहीं अड़ायेगी। एजेन्सियां ईमानदारी से काम करें और यह मेरी गारंटी है कि कोई भी भ्रष्टाचारी कानून से बचकर नहीं निकल पायेगा। श्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस इस मामले में दोहरा मापदंड अपनाती है । दिल्ली में आपा के नेताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ आंदोलन को कांग्रेस के समर्थन की तीखी आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठी कहानियों तथा फर्जी वीडियो के जरिये कारनामे करती रहती है और भ्रष्टाचारी बचाओ आंदोलन चलाया जा रहा है।

केन्द्रीय जांच एजेन्सियों के दुरूपयोग के आरोपों पर उन्होंने कहा, शराब घोटाला करें आपा, पानी घोटाला करें आपा , शिकायत करे कांग्रेस और कार्रवाई हो तो गाली खाये मोदी। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस में हिम्मत है तो वह आपा से सदन में जवाब मांगे। उन्होंने 2013 में मुलायम सिंह यादव और माकपा नेता प्रकाश कारत के कांग्रेस पर जांच एजेन्सियों और आयकर विभाग के दुरूपयोग के बारे में दिये गये बयानों और सीबीआई को उच्चतम न्यायालय द्वारा पिंजरे में बंद तोता कहे जाने के उदाहरण देते हुए कहा कि असल में इस तरह का काम कांग्रेस के जमाने में होता रहा है। उन्होंने कहा कि आज भी कांग्रेस एक तरफ एजेन्सियों के दुरूपयोग के आरोप लगाती है दूसरी तरफ केरल के मुख्यमंत्री की सीबीआई से गिरफ्तारी की मांग कर रही है।

श्री मोदी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई पंचायत से लेकर जिला परिषद तथा नगर निगमों तक ले जाने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि इसमें सभी राज्य सरकारों को आगे आना होगा ताकि सामान्य नागरिक का जीवन आसान हो सके। पश्चिम बंगाल में एक महिला की सरेआम सड़क पर पिटाई के वायरल वीडियो का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह के संवेदनशील मुद्दों पर भी राजनीति की जाती है । पश्चिम बंगाल की घटना की पीड़ा शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती लेकिन इस पर प्रगतिशील नारी नेताओं के मुंह पर ताले लग गये हैं दिग्गज नेताओं की इस चुप्पी पर माताओं तथा बहनों की पीड़ा और बढ जाती है। यह चिंता का विषय है। प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर और जम्मू कश्मीर में माहौल में बदलाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि धारा 370 हटने के बाद के चुनाव में घाटी में रिकार्ड मतदान हुआ है और जम्मू कश्मीर के लोग संविधान तथा लोकतंत्र के समर्थन में आगे आये है। वहां के लोगों के सहयोग से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई अंतिम चरण में है और आतंकवाद के बचे खुचे नेटवर्क को भी नेस्तनाबूद कर दिया जायेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मतदाताओं ने इस चुनाव में उनकी सरकार को लगातार तीसरी बार मौका देकर दुनिया को उत्साहजनक संदेश भेजा है। उन्होंने कहा कि इस समय आपूर्ति श्रंखला के विविधिकरण के अवसर खोज रही दुनिया के लिए भारत अपनी पारदर्शी व्यवस्था के कारण निवेशकों के लिए विशेष आकर्षण की जगह है। उन्होंने राज्य सरकारों से इस अवसर का लाभ उठाने तथा सुधारों के माध्यम से विदेशी निवेश को आकर्षित करने का आह्वान किया।

मंत्रिमंडलीय समितियों का गठन नियुक्ति समिति में मोदी और शाह

एनडीए के सहयोगी दलों के मंत्रियों को भी मिली तरजीह

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए आठ मंत्रिमंडलीय समितियों का बुधवार को गठन कर दिया जिसमें महत्वपूर्ण नियुक्ति संबंधी समिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा गृह मंत्री अमित शाह को रखा गया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय की विज्ञप्ति के अनुसार राजनीतिक मामलों की समिति प्रधानमंत्री मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, सूक्ष्म लघु एवं मझोले उद्यम विभाग के मंत्री जीतन राम मांझी, बंदरगाह जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू, पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव, महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू एवं कोयला तथा खान मंत्री जी किशन रेड्डी शामिल किये गये हैं। सुरक्षा संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति में श्री मोदी के अलावा, श्री सिंह, श्री शाह, श्रीमती सीतारमण और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर शामिल हैं।

आर्थिक मामलों की समिति में प्रधानमंत्री के साथ श्री सिंह, श्री शाह, श्री गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, श्रीमती सीतारमण , डॉ. जयशंकर, एच डी कुमारस्वामी, पीयूष गोयल, धर्मेन्द्र प्रधान और राजीव रंजन सिंह को रखा गया है। संसदीय कार्य संबंधी समिति में श्री सिंह के साथ श्री शाह, श्री नड्डा, श्रीमती सीतारमण, राजीव रंजन सिंह, डॉ. वीरेन्द्र कुमार, श्री नायडू , जुएल ओरांव, श्री रिजिजू और सी आर पाटिल शामिल हैं। इस समिति में अर्जुन राम मेघवाल और डॉ. एल मुरूगन को विशेष आमंत्रित सदस्य रखा गया है। निवेश और आर्थिक वृद्धि संबंधी समिति में प्रधानमंत्री के साथ श्री सिंह, श्री शाह, श्री गडकरी, श्रीमती सीतारमण, श्री गोयल, प्रह्लाद जोशी, गिरिराज सिंह, अश्विनी वैष्णव, ज्योतिरादित्य सिंधिया, हरदीप सिंह पुरी और चिराग पासवान शामिल किये गये हैं। राव इंद्रजीत सिंह और प्रताप राव जाधव को समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य का दर्जा दिया गया है।

सरकार ने श्री शाह की अध्यक्षता में आवास समिति का गठन किया है जिसमें श्री गडकरी, श्रीमती सीतारमण, मनोहर लाल खट्टर और श्री गोयल को शामिल किया गया है। डा. जितेन्द्र सिंह इस समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाये गये हैं। आर्थिक मामलों की कौशल, रोजगार एवं आजीविका समिति में प्रधानमंत्री के साथ राजनाथ सिंह, श्री शाह, श्री गडकरी, श्रीमती सीतारमण, श्री गोयल, श्री प्रधान, श्री वैष्णव, श्री यादव, गजेन्द्र सिंह शेखावत, श्री पुरी और डा.. मनसुख मांडविया शामिल हैं। जयंत चौधरी को विशेष आमंत्रित सदस्य का दर्जा दिया गया है।

एनआईए को सुप्रीम फटकार, कोर्ट ने दी नसीहत, कहा

कृपया न्याय का मजाक न उड़ाएं

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को एक आपराधिक मामले में सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को फटकार लगाई और कहा कि आरोप की गंभीरता के कारण त्वरित सुनवाई के अधिकार का उल्लंघन नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति उज्जल भुयान की अवकाशकालीन पीठ ने यह टिप्पणी जाली मुद्रा से संबंधित एक मामले के आरोपी याचिकाकर्ता जावेद गुलाम नबी शेख की बॉम्बे उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए की, जिसमें उसे (जावेद को) जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। पीठ ने बिना सुनवाई के पिछले चार वर्षों से जेल में बंद शेख के खिलाफ मुकदमे पर आगे की सुनवाई में देरी के लिए एनआईए को फटकार लगाई और आरोपी की जमानत दे दी। शेख पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम समेत अन्य संगीन धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है।

पीठ ने सुनवाई में देरी पर नाराजगी जताई और कहा, आप एनआईए हैं। कृपया न्याय का मजाक न उड़ाएं। चार साल हो गए हैं और मुकदमे पर सुनवाई शुरू नहीं हुई है। ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि त्वरित सुनवाई का संवैधानिक अधिकार कथित अपराध की गंभीरता पर निर्भर नहीं हो सकता। अदालत ने कहा कि आरोपी ने जो भी अपराध किया हो, उसे त्वरित सुनवाई का अधिकार है। पीठ ने कहा, अपराध चाहे कितना भी गंभीर क्यों न हो, आरोपी को संविधान के तहत त्वरित सुनवाई का अधिकार है। हम आश्वस्त हैं कि जिस तरह से अदालत और अभियोजन एजेंसी ने इस मामले में कार्यवाही की, उससे त्वरित सुनवाई के अधिकार को झटका लगा है। इस मामले में संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन हुआ है। मुंबई पुलिस ने शेख को 2020 में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद कथित तौर पर उसे पास से पाकिस्तान से आए नकली नोट बरामद हुए थे। इसके बाद एनआईए ने मामले को अपने हाथ में ले लिया था। शीर्ष अदालत ने शेख की अपील पर विचार करने के दौरान पाया कि उसके दो सह-आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है, जिनमें से एक जमानत आदेश को वर्तमान में शीर्ष अदालत में चुनौती दी जा रही, लेकिन जमानत पर कोई रोक नहीं है।

संसद को बाधित करने की इजाज़त नहीं दी जायेगी: सरकार

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार ने बुधवार को दो टूक शब्दों में कहा कि विपक्ष को विधिसम्मत ढंग से हर मुद्दे पर चर्चा करने का पूरा पूरा मौका दिया जायेगा लेकिन उसे किसी भी बहाने से संसद को ठप करने की इजाज़त नहीं दी जा सकती।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल एवं एल. मुरुगन के साथ यहां संसद भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र में सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच टकराव के बारे में एक सवाल के जवाब में श्री रिजिजू ने कहा कि हमने पहले भी कहा है कि हम संविधान, नियमों एवं परंपराओं से बंधे हैं और इन्हीं के आधार पर संसद के दोनों सदन और देश चलायेंगे। उन्होंने कहा, विपक्ष अगर सकारात्मक भूमिका निभाता है, तो अच्छी बात है। एक दूसरे की बात की आलोचना होती है, तो अच्छी बात है। पर सदन नहीं चलने देंगे, यह नहीं हो सकता। क्योंकि देश की सेवा करनी है, तो संसद को बंद नहीं कर सकते हैं।

जबरदस्ती रोकने की कोशिश हो नहीं सकती है। श्री रिजिजू ने कहा, आपको विपक्ष में हमने नहीं, देश की जनता ने बिठाया है। यह हमारी मर्ज़ी से नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि इसलिये आप हमारे साथ अपनी भावना के लिये जनता की मर्ज़ी के विरुद्ध नहीं जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह नियमों एवं परंपराओं के मुताबिक काम करने के लिये किसी के साथ भी मिलने और बात करने के लिये तैयार हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि किसी भी को भी उसके परिवार के आधार पर विशेष तरजीह नहीं दी जा सकती है, संसद में हर सदस्य बराबर है।

यह पूछे जाने पर कि संसद के शांतिपूर्ण संचालन के लिये क्या वह राहुल गांधी से भी मिलेंगे, श्री रिजिजू ने कहा कि निजी तौर पर सत्तापक्ष में किसी को विपक्ष के किसी नेता से कोई समस्या या दिक्कत नहीं है, लेकिन जो परंपरा एवं प्रथा को तोड़ने का काम किया गया है, उसी की निंदा की गयी है। संसद के सुचारु रूप से संचालन के लिये जो भी लोग चुन कर आये हैं, उन सभी से मिलना और बात करना उनका कर्तव्य है।

एक सवाल पर श्री मेघवाल ने कहा कि विपक्ष में संसद को बाधित करने के मुद्दे पर मतभेद हैं, मंगलवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री के जवाब के दौरान कांग्रेस के सदस्य आसन के इर्दगिर्द आ गये थे, लेकिन तृणमूल कांग्रेस एवं समाजवादी पार्टी के सदस्य नहीं आये थे। सदन में श्री गांधी के कथन के सत्यापन एवं कार्रवाई के नियम के बारे में पूछे जाने पर श्री रिजीजू ने कहा कि नियम संख्या 115 के अनुसार श्री गांधी को एक नोटिस देकर पूछा जायेगा कि किन परिस्थितियों में उन्होंने सदन को गुमराह किया है। यदि वह जवाब देने में विफल रहते हैं तो अध्यक्ष इस मामले को विशेषाधिकार समिति के पास विचारार्थ भेज देंगे। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) परीक्षा के बारे में विपक्ष की चर्चा की मांग के बारे में पूछे जाने पर श्री रिजिजू ने कहा कि राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस को चार घंटे 45 मिनट का समय मिला था। जब समय दिया तब कांग्रेस के सदस्यों ने इस पर चर्चा नहीं की। प्रधानमंत्री ने दोनों सदनों में जोर देकर कहा है कि सरकार बहुत कठोर कदम उठा रही है और आगे भी कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि जो लोग सुबह से लेकर रात तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गाली देते हैं, वही कहते हैं कि देश में बोलने की आज़ादी नहीं है।

उन्होंने कहा कि नये सांसद आये हैं और वे सदन में चर्चा को सुनना और भाग लेना चाहते हैं। नये सांसद एक दो सत्रों में पुराने सदस्यों को देख कर सीखते हैं, लेकिन कांग्रेस उन्हें हंगामा करना सिखा रही है।

बजट में युवा, गरीब, महिला, किसान सहित सभी वर्गों का रखा गया है ध्यान: यादव

भोपाल, 03 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2024-25 के बजट के लिए प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश में पहली बार 03 लाख 60 हजार करोड़ से अधिक की राशि का बजट प्रस्तुत किया गया है। बजट की यह विशेषता है कि इसमें किसी प्रकार का कोई टैक्स नहीं लगाया गया है।

डॉ. यादव वर्ष 2024-25 के बजट के संबंध में विधानसभा स्थित मीडिया सेंटर में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग की अपेक्षित राशि को कम नहीं किया गया, अपितु सभी विभागों के आवंटन में वृद्धि की गई है। विकसित भारत-विकसित मध्यप्रदेश की थीम पर प्रस्तुत बजट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपेक्षा अनुसार जीडीपी की ग्रोथ को सुनिश्चित करते हुए आगामी पाँच वर्षों में बजट का आकार दोगुना किया जाएगा। बजट में सभी वर्गों विशेषकर युवा, गरीब, महिला, किसान आदि का ध्यान रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आईटी सहित नवीन तकनीक के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए प्रशासनिक सेवाओं में प्रदेश के युवा अधिक से अधिक संख्या में आए, इस उद्देश्य से उन्हें प्रोत्साहन व प्रशिक्षण उपलब्ध कराने तथा प्रदेश में उनका योगदान बढ़ाने के लिए दीर्घगामी योजना पर कार्य होगा। डॉ.यादव ने कहा कि जो विद्यार्थी छात्रावासों में अध्ययनरत हैं, उनके लिए भी बजट में विशेष व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन के प्रोत्साहन के लिए बजट में पर्याप्त धन राशि की व्यवस्था की गई है। गौ-शालाओं के लिए भी पर्याप्त राशि का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक विकास के लिए बजट प्रावधान में 40 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। भारी उद्योग, एमएसएमई और कुटीर उद्योग सहित स्व-सहायता समूह के लिए भी बड़ी राशि का प्रावधान किया गया है। स्थायी प्रकृति के निर्माण कार्य जैसे स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, सड़क, एक्सप्रेस-वे पर विशेष ध्यान होगा। महाकौशल, चंबल, विंध्य, मालवा, आदि की सीधी कनेक्टिविटी राजधानी से जुड़े, इस उद्देश्य से पर्याप्त व्यवस्था करते हुए वित्तीय तरलता का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सिंहस्थ का वृहद स्तर पर आयोजन होने वाला है।

उज्जैन में होने वाला सिंहस्थ भव्य और दिव्य होता है। सिंहस्थ के लिए इंदौर एवं उज्जैन संभाग के 13 जिलों के देव-स्थानों पर पर्याप्त व्यवस्था के उद्देश्य से टोकन राशि के रूप में 500 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक प्रदेश की थाती हैं, उनके लिए विशेष योजना आरंभ की जा रही है। अन्य प्रदेशों या विदेशों में कार्यरत युवाओं के माता-पिता की देखरेख के लिए नगरीय क्षेत्र में ऐसी सोसायटियों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जहाँ वरिष्ठ नागरिकों के लिए चिकित्सा सुविधा सहित सभी आवश्यक व्यवस्था हो। इस दिशा में आगे आने वाले प्रायवेट सेक्टर को राज्य शासन की ओर से सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। डॉ यादव ने कहा कि प्रदेश में रिकार्ड संख्या में पर्यटक पधारे हैं। धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ हैरिटेज टूरिज्म, वन पर्यटन में पर्याप्त गतिविधियां हैं। इसके साथ-साथ एजुकेशन व हेल्थ टूरिज्म को प्रोत्साहित करने के लिए राशि का प्रावधान किया गया है।

जीका वायरस पर केंद्र ने राज्यों को जारी किया परामर्श

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने महाराष्ट्र में जीका वायरस के मामलों को देखते हुए सभी राज्यों को सतर्कता बरतने को कहा है।

मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. अतुल गोयल ने बुधवार को महाराष्ट्र में जीका वायरस के कुछ दर्ज मामलों को देखते हुए राज्यों को एक परामर्श जारी किया । इसमें देश में जीका वायरस की स्थिति पर निरंतर सतर्कता बनाए रखने को कहा गया है। जीका संक्रमित गर्भवती महिला के भ्रूण में माइक्रोसेफली और न्यूरोलॉजिकल प्रभाव आ जाता है, इसलिए राज्यों को सलाह दी गई है कि वे चिकित्सकों को कड़ी निगरानी के लिए सचेत करें। राज्यों से आग्रह किया गया है कि वे संक्रमित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं या प्रभावित क्षेत्रों से आने वाले मामलों की देखभाल करने वाले लोगों को निर्देश दें कि वे गर्भवती महिलाओं की जीका वायरस संक्रमण के लिए जांच करें, जीका से संक्रमित पाई गईं गर्भवती माताओं के भ्रूण के विकास की निगरानी करें और केंद्र सरकार के दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करें। राज्यों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे स्वास्थ्य सुविधाओं और अस्पतालों को एक नोडल अधिकारी को नियुक्त किया जाना चाहिए। वह अस्पताल परिसर को एडीज मच्छर से मुक्त रखने के लिए निगरानी और कार्य करने के लिए जिम्मेदार होगा।

मंत्रालय ने कहा कि जीका वायरस किसी भी अन्य वायरल संक्रमण की तरह ही है, जिसके अधिकांश मामले लक्षणहीन और हल्के होते हैं। वर्ष 2016 के बाद से देश में जीका से जुड़े माइक्रोसेफली की कोई रिपोर्ट नहीं आई है।

हाथरस में हादसा : हाथरस पहुंचकर सीएम योगी ने संभाला मोर्चा

- 121 की मौत, 113 महिलाएं, 6 बच्चे और 2 पुरुष
- मृतकों में यूपी के 17 जिलों के 106, बाहर के छह
- तीन मंत्री, मुख्य सचिव और डीजीपी भी हाथरस में हैं
- घायलों से मिले सीएम योगी, इलाज का जायजा लिया

हाथरस/लखनऊ, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

हाथरस हादसे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद हाथरस पहुंचे और उन्होंने अधिकारियों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। सीएम योगी फिर हाथरस जिला अस्पताल पहुंच गए, जहां उन्होंने हादसे में घायल हुए लोगों का हाल चाल जाना और डॉक्टरों को सभी घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। बारिश के बीच सीएम ने घटनास्थल का भी मुआयना किया। वहां अधिकारियों ने उन्हें पूरा घटना का ब्यौरा दिया। सीएम योगी ने कुछ चश्मदीद नागरिकों और पुलिसकर्मियों से बातचीत की। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को हाथरस के सिकंदराराऊ में भोले बाबा के सत्संग कार्यक्रम में मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की जान चली गई थी। सीएम योगी ने तुरंत एक्शन लेते हुए तीन मंत्रियों की टीम और मुख्य सचिव व डीजीपी को तत्काल हाथरस के लिए रवाना किया था। सीएम ने घटना की जांच के लिए कल ही आगरा के एडिशनल डीजी और आगरा के मंडलायुक्त को आदेश दे दिया था और 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट सौंपने को कहा। सीएम योगी ने

मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि देने का भी ऐलान किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाहरी राज्यों के छह मृतकों के परिजनों को भी समान मुआवजा देने की घोषणा की है।

उल्लेखनीय है कि हाथरस हादसे में कुल 121 लोग मारे गए जिनमें 113 महिलाएं, छह बच्चे और दो पुरुष हैं। श्रद्धालुओं में उत्तर प्रदेश के साथ-साथ 3 अन्य राज्यों के श्रद्धालु भी शामिल हैं। इनमें मध्य प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के श्रद्धालु शामिल हैं। वहीं, प्रदेश के अंदर 17 जनपदों के श्रद्धालुओं की भी मृत्यु हुई है। इन सभी मृतकों के परिजनों को योगी सरकार सहायता राशि प्रदान करेगी।

जिला प्रशासन द्वारा जारी मृतकों की सूची में 6 मृतक अन्य राज्यों से है।

इनमें मध्य प्रदेश के ग्वालियर से एक, हरियाणा के पलवल से एक और फरीदाबाद से 3, जबकि राजस्थान के डीग से 1 श्रद्धालु शामिल है। इसी तरह उत्तर प्रदेश के मृतकों में सर्वाधिक 22 मृतक हाथरस से हैं, जबकि आगरा से 17, अलीगढ़ से 15, एटा से 10, कासगंज और मथुरा से 8-8, बदायूं से 6, शाहजहांपुर और बुलंदशहर से 5-5, औरैया और संभल से 2-2, जबकि ललितपुर, फिरोजाबाद, गौतमबुद्धनगर, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी और उन्नाव से एक-एक श्रद्धालु की मृत्यु हुई है। कुल मिलाकर उत्तर प्रदेश से बाहर के 6 और उत्तर प्रदेश के 106 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। कुल 121 में से अब तक 112 की शिनाख्त हुई है। इन 121 मृतकों में से 113 महिलाएं, 6 बच्चे (5 बच्चे और 1 बच्ची) और 2 पुरुष शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को हाथरस पहुंचे। यहां उन्होंने सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ पूरे घटनाक्रम की विस्तार से जानकारी हासिल की और महत्वपूर्ण दिशा निर्देश भी प्रदान किए। इसके बाद सीएम योगी हाथरस जिला अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने घायलों और उनके परिजनों से बात की। वो हर एक बेड पर जाकर घायलों से मिले और पूरी घटना के बारे में जानकारी ली। उन्होंने घायलों से उनकी तबीयत के बारे में पूछा और इलाज के संबंध में भी चर्चा की। सीएम ने घायलों के परिजनों से भी विस्तार से बात की। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों से भी घायलों की स्थिति के विषय में जाना और समुचित उपचार के निर्देश प्रदान किए। इस दौरान सीएम योगी मृतकों के परिजनों से भी मिले और उनके साथ हुए हादसे के बारे में जानकारी ली और साथ ही अपनी ओर से सांत्वना और संवेदना भी प्रकट की।

इससे पूर्व सीएम योगी ने पुलिस लाइन में घटना के प्रत्यक्षदर्शियों से भी मुलाकात कर हादसे के विषय में जानकारी ली।

घटना की प्रत्यक्षदर्शी और ड्यूटी पर तैनात महिला कांस्टेबल ने सीएम को पूरी घटना के बारे में बताया। उसने बताया कि भगदड़ मचने के बाद लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरते चले गए।

खासतौर पर बड़ी संख्या में महिलाएं भगदड़ का शिकार बनीं। वो उठना चाह रही थीं, लेकिन उठ नहीं सकीं, क्योंकि एक के बाद एक महिलाएं उनके ऊपर गिरती चली गईं। सीएम योगी के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, सरकार में मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, असीम अरुण और संदीप सिंह के साथ ही स्थानीय विधायक, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद भी मौजूद रहे।

घायलों से मिलने के बाद सीएम योगी हाथरस के सिकंदराराऊ में उस स्थान पर भी पहुंचे, जहां मंगलवार को भगदड़ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौत हुई थी। सीएम योगी के साथ तीनों मंत्री, मुख्य सचिव, डीजीपी व स्थानीय विधायक भी मौजूद थे। अलीगढ़ की मंडलायुक्त ने सीएम योगी को हादसे से जुड़ी एक-एक घटना के विषय में विस्तार से जानकारी दी। बरसते पानी के बीच सीएम योगी ने भगदड़ वाले स्थल का भी जायजा लिया और आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

एसडीएम ने डीएम हाथरस को सौंपी अपनी रिपोर्ट

इस बीच, हाथरस हादसे पर एसडीएम सिकंदराराऊ ने हाथरस के डीएम को अपनी जांच रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सत्संग के दौरान पांडाल में 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ मौजूद थी। सत्संग खत्म होने के बाद नारायण साकार हरि (भोले बाबा) के दर्शन व चरण स्पर्श एवं आशीर्वाद स्वरूप उनकी चरण रज अपने माथे पर लगाने के लिए लोग आगे बढ़े। श्रद्धालु उनके वाहन की ओर दौड़ने लगे तो बाबा के साथ उनके निजी सुरक्षाकर्मी (ब्लैक कमांडो) एवं सेवादारों ने भीड़ के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी। इससे कुछ लोग नीचे गिर गए। यहां से भीड़ कार्यक्रम स्थल के सामने खुले खेत की तरफ भागी जहां सड़क से खेत की ओर उतरने के दौरान ढालनुमा जगह होने के कारण लोग फिसलकर गिर पड़े। इसके बाद वो पुनः उठ नहीं सके और भीड़ उनके ऊपर से होकर इधर-उधर भागने लगी। इसमें कई महिलाएं व पुरुष और बच्चे हताहत व गंभीर रूप से घायल हो गए। तत्काल पुलिस सुरक्षा कर्मियों द्वारा हताहत लोगों को एंबुलेंस व अन्य उपस्थित साधनों से घटनास्थल के आसपास स्थित अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भिजवाया गया।

कोई भी दोषी हो, बचेगा नहीं: सीएम योगी

हाथरस, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को स्पष्ट कर दिया कि हाथरस हादसे में जो भी लोग जिम्मेदार हैं उन्हें उनकी सजा दिलाई जाएगी। कोई भी दोषी बच नहीं पाएगा। इसके लिए सीएम योगी ने हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक जांच के भी आदेश दे दिए हैं। हाथरस में घटनास्थल का मुआयना और समीक्षा करने के साथ-साथ घायलों से मिलने के बाद सीएम योगी ने प्रेस वार्ता के माध्यम से इस पूरी घटना की तह में जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस पूरे आयोजन में अंदर की व्यवस्था आयोजन से जुड़े सेवादारों की थी, जबकि प्रशासन द्वारा बाहर पुलिस की व्यवस्था की गई थी, लेकिन हादसा होने के तुरंत बाद सेवादार वहां से भाग निकले। यहां तक कि उन्होंने हादसे के बाद लोगों को अस्पताल पहुंचाने के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं की। सीएम योगी ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम के लिए हमने एडीजी आगरा की अध्यक्षता में एक एसआईटी गठित की है, जिसने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट दी है। उन्हें इस घटना के तह में जाने के लिए कहा गया है। बहुत सारे ऐसे पहलू हैं, जिन पर जांच होना बहुत आवश्यक है। भोले बाबा के विरुद्ध एफआईआर नहीं होने के प्रश्न पर सीएम योगी ने कहा कि प्रथम द्रष्टया एफआईआर उन पर होती है जिन्होंने एप्लीकेशन की परमीशन मांगी थी। इसके बाद इसका दायरा बढ़ता है। निश्चित रूप से जो लोग भी इस घटना के जिम्मेदार होंगे वो सभी इसके दायरे में आएंगे। प्रेस वार्ता के दौरान सीएम योगी ने कहा कि मंगलवार को हाथरस जनपद के सिकंदराराऊ तहसील के एक गांव में दुखद और दर्दनाक घटना घटित हुई थी। इस पूरी घटना के तह तक जाने के लिए शासन स्तर पर हम लोगों ने मंगलवार को ही कदम उठाए थे। इस हादसे में 121 श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई जो उत्तर प्रदेश के साथ-साथ हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश से भी जुड़े हुए हैं। उत्तर प्रदेश में हाथरस, बदायूं, कासगंज, अलीगढ़, एटा, ललितपुर, आगरा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्धनगर, मथुरा, औरैया, बुलंदशहर, पीलीभीत, संभल और लखीमपुर खीरी समेत 16 जनपदों के भी कुछ श्रद्धालुजन हैं जो इस हादसे का शिकार हुए हैं। 121 में से 6 मृतक ऐसे थे जो अन्य राज्यों से थे, जिनमें ग्वालियर (मध्य प्रदेश) से एक, हरियाणा से 4 और राजस्थान से एक थे। जो घायल हैं उनमें 31 ऐसे हैं जिनका हाथरस, अलीगढ़, एटा और आगरा के हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है और सभी आउट ऑफ डेंजर हैं।

सीएम योगी ने कहा कि गंभीर रूप से घायल लोगों ने बातचीत में बताया कि हादसा उस समय हुआ जब कार्यक्रम के उपरांत कथावाचक का काफिला जीटी रोड पर आया तो उन्हें छूने के लिए महिलाओं का एक दल उधर बढ़ गया। उनके पीछे-पीछे भीड़ गई और इसी के बाद वो एक-दूसरे के ऊपर चढ़ते गए। सेवादार भी लोगों को धक्का देते गए, जिसके चलते जीटी रोड के दोनों ओर ये हादसा घटित हुआ। इसका सबसे दुखद पहलू ये था कि इस तरह के कार्यक्रम के दौरान जो सेवादार प्रशासन को अंदर घुसने नहीं देते, दुर्घटना होने के तत्काल बाद उन्होंने मामले को दबाने का प्रयास किया। लेकिन जब प्रशासन ने घायलों को अस्पताल ले जाने की कार्यवाही शुरू की तो उनमें से ज्यादातर सेवादार वहां से भाग गए। सीएम योगी ने बताया कि अब तक प्रथम दृष्टया हमारी कार्रवाई ये थी कि राहत और बचाव के कार्य को आगे बढ़ाने के बाद आयोजकों को पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। घटना के कारणों के बारे में उनसे बात की जाएगी और घटना में लापरवाही और जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की जाएगी। हम इस बात को खारिज नहीं कर सकते कि इस प्रकार की घटना केवल एक हादसा है। अगर हादसा भी है तो उसके पीछे कौन जिम्मेदार है और अगर हादसा नहीं तो साजिश किसकी है। इन सभी पहलुओं को देखते हुए राज्य सरकार ने तय किया है हम इस पर एक न्यायिक जांच भी करवाएंगे। न्यायिक जांच हाईकोर्ट के एक रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में होगी, जिसमें प्रशासन और पुलिस के भी रिटायर्ड सीनियर अधिकारियों को रखा जाएगा और इस पूरी घटना के तह में जाकर जो भी इसके लिए दोषी होगा उन्हें इसकी सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि ज्यूडिशियल इंक्वायरी का नोटिफिकेशन आज ही जारी हो जाएगा। साथ ही इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए उनके माध्यम से एक सुझाव और एसओपी बनाई जाएगी, जिसे आगे इस प्रकार के आयोजनों में लागू किया जाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि आज स्वयं हाथरस में और सिकंदराराऊ के घटनास्थल का भी दौरा किया। यद्यपि वहां काफी बारिश थी, लेकिन इसके बावजूद वहां जाकर के हादसे के कारणों की प्रारंभिक व्यवस्था को देखने का प्रयास किया। हमारे तीन मंत्री और मुख्य सचिव व डीजीपी यहां हादसे के बाद से ही कैंप कर रहे हैं। पुलिस और प्रशासन के सीनियर अधिकारीगण भी यहां पर कैंप करते हुए इस घटना के लिए जिम्मेदारों की जवाबदेही तय करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसके लिए कुछ विशेष दल बनाए गए हैं,जिनके माध्यम से अलग-अलग जनपदों में कार्यवाही प्रारंभ होगी। प्रारंभिक जांच के बाद आगे की कार्यवाही को हम आगे बढ़ाने का काम करेंगे।

विपक्षी नेताओं द्वारा हादसे पर की जा रही राजनीति को लेकर सीएम योगी ने कहा कि कुछ लोगों की यह प्रवृत्ति होती है कि इस प्रकार की दुखद और दर्दनाक घटनाओं में भी वो राजनीति ढूढ़ते हैं। ऐसे लोगों की फितरत है चोरी भी और सीनाजोरी भी। यह हर व्यक्ति जानता है कि कथावाचक सज्जन के फोटो किसके साथ हैं। उनके राजनीतिक संबंध किसके साथ जुड़े हुए हैं। आपने देखा होगा कि पिछले दिनों रैलियों के दौरान इस तरह की भगदड़ कहां मचती थी और कौन उसके पीछे थे। मुझे लगता है कि इन सबकी तह में जाना आवश्यक है। जो लोग निर्दोष लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ करते हैं उनकी जवाबदेही भी तय होगी।

सीएम योगी ने घटना को लेकर की समीक्षा बैठक

प्रेस वार्ता से पहले सीएम योगी ने हाथरस पुलिस मुख्यालय में पूरे घटनाक्रम को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान स्थानीय अधिकारियों ने उन्हें घटना से जुड़ी एक-एक महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्हें पूरे क्षेत्र के विषय में विस्तार से बताया गया। उन्होंने पूरी घटना को लेकर पुलिस की ओर से प्रस्तुतिकरण को भी देखा और उचित कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान सीएम योगी के साथ प्रदेश सरकार में मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, असीम अरुण, संदीप सिंह,भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार समेत अन्य अधिकारीगण और स्थानीय विधायक शामिल रहे।

प्रयागराज महाकुंभ : अस्थायी बस स्टेशनों के लिए भूमि अधिग्रहण शुरू

प्रयागराज, 03 जुलाई (एजेंसिया)।

प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी के तट पर लगने जा रहे महाकुंभ-2025 के आयोजन को लेकर योगी सरकार युद्ध स्तर पर तैयारियां कर रही है। यूपी रोडवेज महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को कुम्भ नगरी तक लाने और उनकी वापसी की राह आसान करने के लिए वृहद स्तर पर तैयारियां कर रहा है। इसमें नई बसों का संचालन, शटल बसों की सेवा और स्थायी और अस्थाई बस स्टेशन का निर्माण शामिल है।

कुम्भ मेला प्रशासन के मुताबिक संगम नगरी प्रयागराज में इस बार कुम्भ में 3.50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के रोडवेज बसों से पहुंचने का अनुमान है। यूपी रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक एम के त्रिवेदी बताते हैं कि इन श्रद्धालुओं को कुंभ नगरी तक लाने और वापस घर पहुंचाने के लिए रोडवेज 7550 बसों का संचालन करेगा। प्रदेश के 19 रोडवेज परिक्षेत्र के 112 डिपो के 75 जिला मुख्यालयों से ये बसें चलाई जाएंगी। इनके लिए 9 अस्थाई बस स्टेशन का निर्माण शहर में किया जा रहा है ताकि शहर के अंदर जाम की स्थिति न बने और भीड़ की वजह से बसों का संचालन भी प्रभावित न हो। जिन स्थानों में ये अस्थाई बस स्टेशन बनाए जाएंगे उसमें नेहरू पार्क, राजर्षि टंडन आवासीय परिसर, सरस्वती हाइटेक सिटी, अंध विद्यालय लेप्रोसी चौराहा, सरस्वती गेट, कटका, झूसी और दुर्जनपुर शामिल हैं।

इनके निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अस्थाई बस स्टेशन के अलावा नगरीय परिवहन सेवा की 200 इलेक्ट्रिक बसों के चार्जिंग पॉइंट बनाने के लिए तीन स्थानों पर भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। जिन तीन स्थानों को इसके लिए चुना गया है उसमें फाफामऊ, त्रिवेणीपुरम गेट और नेहरू पार्क शामिल हैं। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की यातायात परिवहन के लिए रोडवेज मेला क्षेत्र के बाहर और अंदर जाने के व्यवस्था कर रहा है। यूपी रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी बताते हैं कि महाकुंभ में कुंभ मेला क्षेत्र में 550 शटल बसों का भी संचालन होगा जो शहर और मेला क्षेत्र में संचालित होंगी। शहर के 18 स्थानों से इनका संचालन होगा। मेला क्षेत्र में चलने वाली इन बसों में अगर कोई समस्या आती है तो उनके मेंटनेंस के लिए बाइकर्स ग्रुप की तैनाती की जाएगी। बाइकर्स मेला क्षेत्र में अपनी स्मार्ट बाइक्स के साथ मौजूद रहेंगे। किसी भी शटल बस में कोई समस्या आती है तो यह बाइकर्स ग्रुप मौके पर जाकर बस में आई समस्या का समाधान करेगा।

26 दिन में 3749 मरीजों को मिली 78.31 करोड़ की आर्थिक सहायता

सीएम योगी का निर्देश : धन के कारण नहीं रुकेगा किसी का इलाज

लखनऊ, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

सबका साथ, सबका विकास को चरितार्थ करते हुए आचार संहिता हटने के तत्काल बाद से ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनसमस्याओं के समाधान में जुट गए। आचार संहिता हटते ही सीएम योगी आदित्यनाथ ने छह जून को लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर जनता दर्शन किया। उनकी मंशा के अनुरूप पीड़ितों की समस्याओं का समाधान तत्काल शुरू हुआ। वहीं इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर आए पीड़ितों को भी राहत देते हुए समय सीमा के भीतर अस्पताल के लिए राशि जारी कर दी गई। महज 26 दिन के भीतर 3749 मरीजों को इलाज के लिए 78.31 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दर्शन के साथ ही जनप्रतिनिधियों के पत्र पर भी पीड़ित लोगों को रिपोर्ट के आधार पर धनराशि जारी की गई है। छह जून से पहली जुलाई के मध्य 3749 पीड़ितों को 78 करोड़, 31 लाख, 54 हजार 134 रुपये जारी किए गए। महज 26 दिन में यह राशि जारी होने से सभी वर्गों के पीड़ितों को किडनी, कैंसर, ब्रेन हैमरेज, ऑपरेशन समेत कई जटिल बीमारियों के इलाज में मदद मिली।

जनता दर्शन सीएम योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता में है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रतिदिन सुबह 9 से दोपहर दो बजे तक उनके सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम चलता है। समय-समय पर सीएम खुद भी लखनऊ और गोरखपुर में जनता दर्शन करते हैं। जून माह में सीएम ने अपने लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर छह जून, आठ जून, 20 जून और 30 जून को स्वयं आमजन की समस्याओं को सुनकर समयसीमा के भीतर निस्तारण कराने का निर्देश दिया।

संपादकीय

तीन नई संहिताएं

जुलाई के आरंभ से ही तीन ऐतिहासिक कानूनी परिवर्तन किए गए हैं। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ऐसे ही परिवर्तन हैं, जो औपनिवेशिक अवशेषों को भी खत्म कर देंगे। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी, 1860) और इंडियन एविडेंस एक्ट, 1872 ब्रिटिश राज की कानूनी व्यवस्थाएं थीं, जिन्हें हम आज भी ढो रहे थे। ये 'उपनिवेश की गुलामी' की याद दिलाती थीं। अब उनके स्थान पर पूर्णतः भारतीय संहिताएं होंगी। आपराधिक प्रक्रिया संहिता भी 1898 की विधिक व्यवस्था थी, लेकिन अब 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' ने उसका स्थान लिया है। ये कानून राज्य के साथ नागरिक के संबंधों और समझौतों को परिभाषित करते थे। कानून का राज स्थापित करने के मद्देनजर बलपूर्वक भी व्यवस्था कार्रवाई करती थी। अर्थात कानूनों का दुरुपयोग होता था। खासकर हमारे आपराधिक न्याय को लेकर कई सवाल और ढेरों आपत्तियां की जाती रही हैं। कानून और दृष्टि अप्रासंगिक हो चुके थे। जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या असीमित हो गई है। पीड़ित पक्ष को इंसाफ के लिए जिंदगी भर जूतियां घिसनी पड़ती हैं, तब भी इंसाफ की उम्मीद अधूरी है। अदालतों में करोड़ों मामलों की भरमार है। यह बोझ बढ़ता जा रहा है। सब कुछ अनिश्चित और अपरिमित है, लिहाजा इन व्यवस्थाओं में सुधार की गुंजाइश लंबे अंतराल से महसूस की जा रही थी। इन तीनों नए कानूनों पर संसद की स्थायी समितियों में विमर्श किया गया होगा! केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जुलाई, 2020 में विशेषज्ञों की एक समिति गठित की थी। उसने देश के नागरिकों के लिए एक विस्तृत प्रश्नावली तैयार की थी और उसे जारी भी किया गया। उस सूची में आपराधिक वैवाहिक बलात्कार, यौन अपराधों को लैंगिक तौर पर निरपेक्ष बनाना, इच्छा-मृत्यु और राजद्रोह सरीखे अपराधों पर नागरिकों के अभिमत लिए जाने थे। अभिमत कितनी संख्या में आए, कितने राज्यों के किन-किन वर्गों के लोगों ने अपने अभिमत दिए, भारत सरकार ने उनका कोई खुलासा नहीं किया है। दरअसल संसद में ये विधेयक तब पारित किए गए, जब 146 सांसद निलंबित थे और सदनों में एकतरफा बहुमत था, लिहाजा ध्वनि-मत से विधेयक पारित किए गए। बाद में राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से वे कानून बन गए, लेकिन इस संदर्भ में अब भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। इन तीनों संहिताओं और अधिनियम पर देश का जनमत सामने आना भी शेष है, क्योंकि एक जुलाई से ही ये ऐतिहासिक परिवर्तन लागू किए गए हैं। अब 'प्राथमिकी' का नामकरण तक बदल दिया गया है। सजा के वैकल्पिक स्वरूप के तौर पर सामुदायिक सेवा का प्रावधान भी किया गया है। छोटे अपराधों के लिए 'समरी ट्रायल' को अनिवार्य किया गया है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए ट्रायल अब सुनिश्चित होगा। भीड़-हत्या और हिंसा, बाल विवाह बलात्कार ऐसे अपराध हैं, जिनका समयबद्ध और गतिमय ट्रायल अनिवार्य होगा। अधिकतर सलाह-मशविरा, विमर्श कोरोना महामारी के दौरान किए गए, लिहाजा संहिताओं में कुछ बड़े परिवर्तन नहीं जोड़ पाए होंगे। कुछ राज्यों ने भी आपत्तियां की हैं और मांगें भी की हैं। मसलन-कानूनों के नाम अंग्रेजी में नहीं होने चाहिए। क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने में काफी वक्त लगता है। कर्नाटक सरकार ने आपत्ति की है कि प्राथमिकी दर्ज करने से पहले प्राथमिक जांच के लिए पुलिस अफसर को 14 दिन का वक्त क्यों दिया जाना चाहिए? धारा 377 को बिल्कुल हटा देने पर भी सवाल किए गए हैं। उप्र कैबिनेट ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि अंतरिम जमानत के प्रावधानों में कुछ अपवाद रखे जाएं और इस पर एक अध्यादेश लाया जाए। बहरहाल कुछ राज्यों के आग्रह तार्किक हैं और महत्वपूर्ण भी हैं। इन कानूनों की अभी समीक्षा की जानी चाहिए। नई लोकसभा में जो स्थायी समितियां बनेंगी, उनके सांसद-सदस्यों को पुनरावलोकन के लिए ये संहिताएं दी जाएं।

आपराधिक प्रक्रिया संहिता भी 1898 की विधिक व्यवस्था थी, लेकिन अब 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' ने उसका स्थान लिया है। ये कानून राज्य के साथ नागरिक के संबंधों और समझौतों को परिभाषित करते थे। कानून का राज स्थापित करने के मद्देनजर बलपूर्वक भी व्यवस्था कार्रवाई करती थी। अर्थात कानूनों का दुरुपयोग होता था। खासकर हमारे आपराधिक न्याय को लेकर कई सवाल और ढेरों आपत्तियां की जाती रही हैं। कानून और दृष्टि अप्रासंगिक हो चुके थे। जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या असीमित हो गई है। पीड़ित पक्ष को इंसाफ के लिए जिंदगी भर जूतियां घिसनी पड़ती हैं, तब भी इंसाफ की उम्मीद अधूरी है। अदालतों में करोड़ों मामलों की भरमार है। यह बोझ बढ़ता जा रहा है। सब कुछ अनिश्चित और अपरिमित है, लिहाजा इन व्यवस्थाओं में सुधार की गुंजाइश लंबे अंतराल से महसूस की जा रही थी। इन तीनों नए कानूनों पर संसद की स्थायी समितियों में विमर्श किया गया होगा! केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जुलाई, 2020 में विशेषज्ञों की एक समिति गठित की थी। उसने देश के नागरिकों के लिए एक विस्तृत प्रश्नावली तैयार की थी और उसे जारी भी किया गया।

आलसीपन एवं उदासीनता का कारण बढ़ते उपभोक्तावाद एवं शहरीकरण से उपजी सुविधावादी एवं आरामदायक जीवनशैली है

भारत में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

भारत में बढ़ती शारीरिक अकर्मण्यता एवं आलसीपन एक समस्या के रूप में सामने आ रहा है, लोगों की सक्रियता एवं क्रियाशीलता में कमी आना एवं वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिन्ता का सबब है। इस दृष्टि से प्रतिष्ठित लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की वह हालिया रिपोर्ट आईना दिखाने वाली है जिसमें पचास फीसदी भारतीयों के शारीरिक श्रम न करने का उल्लेख है। महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। इस अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर वर्तमान में तेजी से पसर रहा आलसीपन एवं शारीरिक निष्क्रियता इसी तरह जारी रहा तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़कर साठ प्रतिशत तक पहुंच जायेगी, जो चिन्ताजनक है। लैंसेट ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आधी वयस्क आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शारीरिक गतिविधि संबंधी मानदंडों को पूरा नहीं कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के वयस्कों में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता का पैमाना 2000 में 22.3 फीसदी से बढ़कर 2022 में 49.4 फीसदी हो गई है, साथ ही इसमें बताया गया है कि देश में महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा शारीरिक रूप से ज्यादा निष्क्रिय हुई हैं। इस निष्क्रियता, आलसीपन एवं उदासीनता का कारण बढ़ते उपभोक्तावाद एवं शहरीकरण से उपजी सुविधावादी एवं आरामदायक जीवनशैली है। इसके कारण बीमारियां भी बढ़ रही है। क्योंकि जब व्यक्ति को सुस्त, निढ़ाल एवं निस्तेज देखा जाता है तो इसका सीधा अर्थ यही लगाया जाता है कि शायद उसकी तबीयत ठीक नहीं है। विडम्बना यह भी है कि समय के साथ विस्तृत होने दायरे के बीच ज्यादातर लोगों की व्यस्तता तो बढ़ी है, मगर उनकी शारीरिक सक्रियता, उत्साह एवं जोश में तेजी से कमी आई है, जो नये बनते भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प के सामने एक बड़ी चुनौती है। भविष्य के भारत को लेकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की साठ प्रतिशत आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे तो आने वाले वक्त में यहां की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी। जिस देश की अधिकांश आबादी के सामने रोजी-रोटी की समस्या जटिल एवं अहम है, वहां के लोगों को जीवन चलाने के लिये शारीरिक रूप से जरूरत से ज्यादा सक्रिय

रहते हुए श्रम करना पड़ता है। इन स्थितियों में बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि भारत में ऐसे हालात कैसे पैदा हो रहे हैं कि यहां इतनी बड़ी आबादी सुस्त एवं आलसी होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित शोधकर्ताओं का मानना है कि भारत एशिया प्रशांत में उच्च आय वर्ग वाले देशों में निष्क्रियता के क्रम में दूसरे स्थान पर है। निस्संदेह, लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया रिपोर्ट आंख खोलने वाली है, रिपोर्ट गंभीर चिन्तन-मंथन की आवश्यकता को भी उजागर कर रही है।। यह जानते हुए भी कि भारत लगातार मधुमेह और हृदय रोग जैसी बीमारियों में जकड़ता हुआ बीमार राष्ट्र बनता जा रहा है। इन असाध्य बीमारियों का कारण कहीं-न-कहीं श्रम की कमी एवं सुविधावादी जीवनशैली ही है। दरअसल, आजादी के बाद देश में आर्थिक विकास को गति मिली है। अब हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। औसत भारतीय के जीवन स्तर में सुधार जरूर आया है तो आम नागरिक का जीवन सुविधावादी भी बना है। इस संकट की वजह शहरीकरण और जीवन के लिये जरूरी सुविधाओं का घर के आस-पास उपलब्ध हो जाना भी है, आनलाइन प्रचलन भी बड़ा कारण बन रहा है। पहले देश की साठ फीसदी से अधिक आबादी कृषि व उससे जुड़े श्रमसाध्य कार्यों में सक्रिय थी। लेकिन अब मेहनतकश किसान को कोई शारीरिक श्रम करने की जरूरत नहीं पड़ती है, कृषि की ही तरह अन्य श्रम से जुड़े कार्यों में भी मेहनत एवं श्रम पहले ही तुलना में कम करना पड़ता है क्योंकि धीरे-धीरे कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में आधुनिक यंत्रों व तकनीकों ने शारीरिक श्रम की महत्ता को कम किया है। कृषि-क्रांति से बड़ी संख्या में निकले लोगों ने शहरों को अपना ठिकाना बनाया, लेकिन वे शारीरिक सक्रियता को बरकरार नहीं रख पाये। इन स्थितियों ने भी व्यक्ति को आलसी, अकर्मण्य एवं सुस्त बनाया है।

इस शारीरिक निष्क्रियता के मूल में भारतीय पारिवारिक संरचना व सांस्कृतिक कारण भी हैं। घर-परिवार संभालने वाली महिलाओं में भी बढ़ते सुविधा के साधनों के कारण श्रमशीलता कम हुई है। कुछ दूर पर सब्जी-फल लेने जाने पर भी हम वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा भी नहीं है कि शहरों में स्वास्थ्य चेतना का विकास नहीं हुआ, लेकिन इसके बावजूद शहरों के पार्कों में सुबह गिने-चुने लोग ही नजर आते हैं। व्यक्तियों में प्रातः भ्रमण, योग, ध्यान, व्यायाम की गतिविधियों में भी कमी देखने को मिल रही है। इस जटिल से जटिलतर होती समस्या से मुक्ति के लिये हर व्यक्ति को जागरूक होना होगा। खुद को छोटी-मोटी असुविधाओं के लिए तैयार करना होगा। कभी-कभार थोड़ा कम नींद लेने, कम खाने या फिर ज्यादा देर काम कर लेने की मानसिकता को बल देना होगा। जरा सी चुनौती सामने आने पर बेचैन न हों, उसे नया सीखने के मौके व नए अनुभव के रूप में देखना होगा। अक्सर जब कुछ नया करने के लिए कदम बढ़ाते हैं, तो पुरानी आदतें एवं आराम की मानसिकता तुरंत परीक्षा लेने आ जाती हैं। हमें ललचाती हैं या फिर खुद को थोड़ा ढील देने के लिए कहती हैं। मन भी खुद को बड़ी आसानी से समझाने लगता है कि कुछ देर और सो जाने, और मीठा खा लेने, फोन पर बात करने या काम को कल पर टालने से कुछ गड़बड नहीं होगा। कुल मिलाकर हम मन के बहकावे में आने लगते हैं और खुद को छूट देने लगते हैं जो हमें सुस्त, आलसी एवं निस्तेज बनाता है। विचित्र स्थिति यह भी है कि लोगों में व्यस्तता में एक अजीब किस्म की बढ़ोतरी हुई, जीवन व्यस्त से ज्यादा अस्त-व्यस्त हुआ है। जरूरी कामों को छोड़कर तमाम लोग रोजाना पांच से सात घंटे या इससे भी ज्यादा समय अपने स्मार्टफोन या अन्य तकनीकी संसाधनों, सोशल मीडिया एवं अन्य आभासी मंचों पर समय बर्बाद करते हैं। कोरोना महामारी के दौरान वर्क फरोम हॉम का प्रचलन बढ़ा, उसने भी लोगों को ज्यादा शिथिल होने में भूमिका निभाई है। देर राज तक जगना एवं सुबह देर तक सोना, इस तरह बिगड़ती दिनचर्या एवं शरीर की प्राकृतिक घड़ी का चक्र बिगड़ने से दिन भर आलस्य बना रहता है। ताजा अध्ययन में पता चला कि 195 देशों में भारत अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता के मामले में 12वें स्थान पर है। इसके अलावा, लैंसेट की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर एक तिहाई वयस्क लगभग 1.8 बिलियन लोग 2022 में अनुशंसित शारीरिक सक्रियता को पूरा करने में विफल रहे।

महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। इस अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर वर्तमान में तेजी से पसर रहा आलसीपन एवं शारीरिक निष्क्रियता इसी तरह जारी रहा तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़कर साठ प्रतिशत तक पहुंच जायेगी, जो चिन्ताजनक है। लैंसेट ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आधी वयस्क आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शारीरिक गतिविधि संबंधी मानदंडों को पूरा नहीं कर रही है।

दृष्टि कोण

जनांदोलन की जरूरत क्यों?

लोकतांत्रिक पद्धति में चुनाव बेहद अहम भूमिका निभाते हैं, लेकिन क्या हाल के आम चुनाव ने बदलाव की कोई दस्तक दी है? राजनीतिक जमातों और कारपोरेट हितों के गठबंधन ने क्या हमारे लोकतंत्र में आम नागरिकों के लिए कोई गुंजाइश छोड़ी है, इस आलेख में इसी विषय को खंगालने की कोशिश करेंगे। कभी किसी ने सोचा नहीं होगा कि आजादी के पचहत्तर साल होते-होते भारत अपनी सांस्कृतिक, वैचारिक विरासत छोडक़र बिल्कुल विपरीत दिशा में जाने लगेगा। आज सत्ता प्राप्त करने और बनाए रखने के लिए खुले तौर पर छल, कपट की नीतियां अपनाई जा रही हैं। धार्मिक सिद्धांतों के विरुद्ध अनीति को धर्म साबित करने की कोशिश हो रही है। सत्य और अहिंसा का मार्ग छोडक़र झूठ और हिंसा के रास्ते देश चलाया जा रहा है। संवैधानिक भावना के विरुद्ध सभी संवैधानिक संस्थाओं और पदों का दुरुपयोग किया जा रहा है। यह देश का दुर्भाग्य है कि इन सभी बुराइयों को श्रीराम, श्रीकृष्ण और हिंदू धर्म के नाम पर खपाया जा रहा है। देश में धर्म, जाति और आर्थिक आधार पर भेदभाव बढ़ाने वाली नीतियां लागू की जा रही हैं, जिससे धर्म, जाति, वर्ग में शत्रुता की भावना पैदा हो रही है। धार्मिक ध्रुवीकरण करके हिंदू-मुसलमानों के बीच टकराव पैदाकर धार्मिक विद्वेष फैलाने का काम किया जा रहा है। जाति प्रथाओं के पुराने जख्मों को कुरेदकर टकराव पैदा करके समाज को तोडऩे का काम किया जा रहा है। कारपोरेट परस्त नीतियां बनाकर और देश की संपत्ति को कारपोरेट्स के हवाले कर जनता की लूट और अमीरों को छूट का काम किया जा रहा है। राज्यसत्ता प्राप्त करने के लिए सरकार समाज में फूट डालने का काम करती दिख रही है और चाणक्य की साम, दाम, दंड, भेद नीति और सावरकर की गुरिल्ला नीति का खुलकर उपयोग कर रही है। केंद्र सरकार ने मान लिया है कि देश की विरोधी पार्टियां और राजनीतिक विरोधी उनके शत्रु हैं और उन्हें समाप्त करने के लिए चाणक्य और सावरकर नीति का इस्तेमाल कर विरोधियों को धोखे से मारना उसका कर्तव्य है। सरकार ने इसका लोकतांत्रिक तरीका ढूंढ निकाला है और उसके लिए संवैधानिक संस्थाओं और पदों का हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। अब आम जनता भी मानने लगी है कि सरकार सत्ता के लिए विधायिका, चुनाव आयोग, न्यायपालिका जैसी संवैधानिक संस्थाओं और पदों का हथियार के रूप में उपयोग कर रही है। विरोधी पार्टियों की सरकारें अस्थिर करने, गिराने के लिए विधायकों, सांसदों की खरीद-फरोख्त हो रही है। संसद और विधायिका के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप करके राज्यपाल, विधायिका के अध्यक्ष या सभापति के अधिकारों का दुरुपयोग किया जा रहा है। चुनाव आयोग और न्यायपालिका सरकार को लाभ पहुंचाने के निर्णय कर रही है। ईडी, सीबीआई, आईटी आदि विभागों का इस्तेमाल कर विरोधियों को डराया जा रहा है। विरोधी पार्टियों को तोडक़र राज्य सरकारों को अस्थिर किया या गिराया जा रहा है। विरोधी पार्टियों की सरकारों के सामने आर्थिक संकट पैदा करने के लिए उनके हक का धन न देना, विकास के लिए डबल इंजन की सरकार जरूरी बताना, सरकार बदलने पर योजनाओं की घोषणाएं करना आदि से केवल विरोधी पार्टियों की सरकारें ही नहीं, उन्हें वोट देने वाले मतदाताओं को भी प्रताड़ित किया जा रहा है। सरकार की योजनाओं, सुविधाओं का क्रियान्वयन और गैस, पेट्रोल की कीमतें, किसानों की मदद, सब्सिडी आदि में सरकार पक्षपात कर रही है। विरोधी पार्टियों की सरकार को अस्थिर करने के लिए ये कुटिल तरीके अपनाए जा रहे हैं। भले ही राजनीतिक पार्टियां मानती हैं कि वे देश चला रही हैं, लेकिन यह सच नहीं है। देश कारपोरेट घराने चला रहे हैं। वे राजनीति में सीधा हस्तक्षेप करके कारपोरेट परस्त नीतियों को लागू करने वाली पार्टियों का खुला समर्थन कर रहे हैं। देश में कौनसी पार्टी सत्ता में आए और कौन प्रधानमंत्री बने, यह कारपोरेट घराने ही तय करते हैं। सरकार जब तक इन घरानों को लाभ पहुंचाने के लिए कारपोरेट परस्त नीतियां बनाती रहेगी, तब तक वह सत्ता में बनी रहेगी। जिस दिन सरकार कारपोरेट्स को लाभ नहीं पहुंचा पाएगी, उस दिन उसे हटा दिया जाएगा। कारपोरेट घराने उन्हें लाभ पहुंचाने वाली राजनीतिक पार्टियों को कानूनी और गैर-कानूनी तरीके से बड़े पैमाने पर चंदा देते हैं और बदले में कारपोरेटी लूट के लिए जनविरोधी और कारपोरेट परस्त नीतियां बनवाते हैं। सरकारें बनाने और गिराने में धन का दुरुपयोग करते हैं। कारपोरेट घरानों द्वारा मीडिया पर कब्जा किया गया है। ये घराने सरकार के पक्ष में प्रपोगंडा चलाने और विरोधियों के विरुद्ध वातावरण बनाने के लिए मीडिया का खुलकर इस्तेमाल कर रहे हैं। केवल गैर-कानूनी पद्धति से लिया गया धन ही भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि कारपोरेट परस्त नीतियां बनवाने के बदले कानूनी पद्धति से लिया गया धन भी भ्रष्टाचार होता है।

कुछ अलग

विकास सो रहा है...

कई महीने बाद झुन्नू लाल मुझे सुबह-सवेरे उस वक्त बस में मिले जब मैं दिल्ली से रोहतक जा रहा था। वह रोहतक में किसी कारखाने में नौकरी करते थे। हर रोज सुबह-सवेरे मुंह अंधेरे निकल जाना और देर शाम घर पहुंचना उनकी ऐसी दिनचर्या का हिस्सा बन चुके थे, जिसे वह चाहकर भी छोड़ नहीं सकते थे। जब उनसे बच्चों के बारे में पूछा कि कितने बड़े हो गए हैं तो दोनों हाथों से इस तरह बताने लगे मानो बच्चे ऊंचाई में नहीं, लम्बाई में बढ़ रहे हों। उन्होंने हाथों को फैलाते हुए कहा, 'विकास इतना हो गया है और प्रगति उससे थोड़ी छोटी है।' मैंने चकित होते हुए पूछा, 'इतना हो गया है। क्या मतलब?' वह हंसते हुए बोले, 'दरअसल मैं सुबह जब भी निकलता हूं, दोनों बच्चे सोए होते हैं। रात को जब आता हूं तब तक उनकी मां उन्हें सुला चुकी होती है। मैं हर रोज उन्हें बिस्तर पर सोए देखता हूं। उसी अंदाजे से आपको हाथ से बता रहा हूं कि एक इतना लम्बा है और दूसरा उससे थोड़ा छोटा।' मैं हंसते हुए बोला, 'इधर प्रधानमंत्री दावा करते हैं कि देश में जितना विकास पिछले दस सालों में हुआ है, वह आजादी के बाद सत्तर सालों में भी नहीं हुआ। उधर आप कह रहे हैं कि आप जब भी विकास और प्रगति को देखते हैं, दोनों सोए मिलते हैं।' इतने में बस में जोर का झटका लगने पर झुन्नू हंसते हुए बोले, 'मैं देश में हो रहे विकास को हर रोज बड़े नजदीक से देखता हूं। आज आप भी हाईवे पर देश में हो रहे विकास का भरपूर मजा लीजिए। आप तो सेन्ट्रल सेक्रेटेरिएट में सरकार से चिपके बैठे हैं। आप तो विकास को बड़े नजदीक से देख रहे होंगे।' उनके इस सवाल से मेरे चेहरे पर वैसी गंभीरता छा गई जैसे प्रधानमंत्री के मुखमंडल पर उस वक्त छाती है, जब कोई अमरीकी पत्रकार उनसे विदेशी दौरे के दौरान पत्रकार वार्ता में असहज करने वाला सवाल पूछ लेता है। मैंने प्रधानमंत्री की तरह सवाल चने, जवाब गंदम तो नहीं किया, पर उन्हें घूरते हुए बोला, 'हां, देश में विकास तो बहुत हो रहा है। मिसाल के लिए अयोध्या के राम मन्दिर में भगवान का सूर्य तिलक और वृष्टि तिलक (बारिश) दोनों साथ-साथ हो रहे हैं। मन्दिर की छत से पानी सत्ताई अहंकार की तरह टपक रहा है। राम पथ हमारे चरित्र की तरह धंस रहा है और चारदीवारी नैतिकता की तरह गिर रही है। अयोध्या में लोगों को रोजगार के अवसर मुहैया करवाने के लिए बारिश के मौसम में जल भराव की समुचित व्यवस्था की गई है। सडक़ों को जमीन से बेईमानी की तरह इतना उठा दिया गया है कि लोग जमा पानी में जल तोरी (मछली) पैदा कर सकते हैं। गर्मियों में देश की राजधानी में पानी की गंभीर कमी हो गई थी। इसलिए बारिशों में पानी जमा किया जा रहा है। लाल किले के पास दो दिन पहले लोग कमर तक डूबे हुए काम पर जा रहे थे। प्रगति मैदान टनल में साल भर का पानी जमा किया जा रहा है। मुम्बई, बैंगलोर और चेन्नई की तरह दिल्ली भी पानी-पानी हो रही है। शर्म से डूबने के लिए एक चुल्लू पानी ही काफी होता है। पर लगता है कि विकास के नए आयाम गढने वाले नेताओं के लिए समन्दर भी कम पड़ेगा। ऐसा ही विकास देश के आम आदमी का भी हो रहा है। उसे मुफ्त राशन भी दिया जा रहा है और उसके खरीदने की शक्ति भी समाप्त की जा रही है। यह सरकार द्वारा छात्रों के समान विकास के लिए विकसित किए गए मॉडल का ही नमूना है कि अब तक करीब सात दर्जन परीक्षाओं के पेपर लीक करवाए जा चुके हैं। जो छात्र बुद्धिमान और मेहनती हैं, वे तो परीक्षा पास कर ही लेंगे। बाकियों के लिए 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर पेपर बेचे जा रहे हैं। हो सकता है सरकार शीघ्र ही लीक पेपर खरीदने के लिए छात्रों को बैंकों से कम ब्याज दर पर कर्ज की सुविधा मुहैया करवा दे।'

देश दुनिया से

गलवान के चार साल और चीन की अमानवीयता

गलवा घाटी संघर्ष की चौथी वर्षगांठ हाल में मनाई गई। यह घटना चीन के साथ भारत के संबंधों में 45 साल के अध्याय के अंत का प्रतीक है, जिसमें वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जीवन के नुकसान से कोई सशस्त्र टकराव नहीं देखा गया था। हिंसक झड़प तब हुई जब चीनी पक्ष एलएसी का सम्मान करने के लिए आम सहमति से हट गया और एकतरफा रूप से यथास्थिति को बदलने का प्रयास किया। यह सैन्य शक्ति के साथ एक राजनीतिक लक्ष्य प्राप्त करने का चीनी पक्ष का तरीका है। गलवान घाटी संघर्ष एक महत्वपूर्ण क्षण जो भारतीय सेना की व्यावसायिकता और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के अमानवीय शासन के बीच स्पष्ट विरोधाभासों का प्रतीक बन गया है। डोकलाम गतिरोध और गलवान घाटी संघर्ष के दौरान भारतीय सेना का आचरण राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा के लिए उसके अनुशासन, व्यावसायिकता और समर्पण का एक प्रतीक बन गया है। दुनिया ने भारतीय सैनिकों की वीरता और रणनीतिक क्षमता देखी, जो उकसावे के खिलाफ मजबूती से खड़े रहे और भारत की क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा सुनिश्चित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारत वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभरा है। गलवान और डोकलाम की घटनाओं ने न केवल भारत के सशस्त्र बलों की बहादुरी और अनुशासन को उजागर किया है, बल्कि सीसीपी की दमनकारी और विस्तारवादी प्रवृत्तियों को भी उजागर किया है। गलवान संघर्ष के साथ-साथ पहले के डोकलाम गतिरोध ने भारतीय सेना की अत्यधिक व्यावसायिकता को उजागर किया है। हमारे सैनिकों ने अकारण आक्रमण के खिलाफ राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा करने में अटूट साहस और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन किया। दुनिया ने देखा कि भारत मजबूती से खड़ा है, सम्मान और कत्र्तव्य में निहित सैन्य लोकाचार का प्रदर्शन कर रहा है। इसके विपरीत गलवान के बाद, दुनिया ने चीनी रंगरूटों के दुःखद वीडियो भी देखे, जिनमें से कई को सीसीपी के दमनकारी शासन के तहत जबरन भर्ती किया गया है। ये युवक अक्सर आंसू बहाते और अनिच्छुक भर्ती किए होते हैं। चीनी नागरिकों की दुर्दशा को अपनी सरकार की सत्तावादी सनक के अधीन करते हैं। भारतीय सैनिकों की स्वैच्छिक वीरता और चीनी रंगरूटों की जबरन सेवा के बीच यह अंतर दोनों देशों के बीच शासन और मानवाधिकारों में मूलभूत अंतर के बारे में बताता है। गलवान संघर्ष के जवाब में, भारत ने अपनी रणनीतिक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू की हैं। सभी मौसम की सडक़ों, उन्नत रसद सुविधाओं के विकास और दौलत बेग ओल्डी हवाई पट्टी जैसी रणनीतिक संपत्तियों की वसूली ने हमारी रक्षा मुद्रा को मजबूत किया है। ये पहलें हमारे सशस्त्र बलों के लिए तेजी से समर्थन सुनिश्चित करती हैं, जिससे भविष्य के किसी भी खतरे का मुकाबला करने के लिए हमारी तत्परता को मजबूती मिलती है। सीसीपी की अमानवीय प्रथाएं उसकी सैन्य नीतियों से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। दुनिया ने शिनजियांग में उइगर मुस्लिम आबादी के व्यवस्थित उत्पीडऩ को बढ़ते आतंक के साथ देखा है। सामूहिक हिरासत, जबरन श्रम और गंभीर मानवाधिकारों के हनन की रिपोर्ट एक तत्काल अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया की मांग करती है। ये कार्रवाइयां मानवता और न्याय के सिद्धांतों के विपरीत हैं। अपनी सीमाओं के भीतर असंतोष के दमन और वियतनाम, फिलीपींस, जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान और मंगोलिया जैसे पड़ोसी देशों के साथ कुख्यात रणनीति देखी है। चीन की कुख्यात रणनीति इसकी सीमाओं से परे फैली हुई है, जो पड़ोसी देशों के साथ अपने संबंधों को प्रभावित करती है। वियतनाम, फिलीपींस, जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान, ये राष्ट्र लगातार चीन के आक्रामक क्षेत्रीय दावों और सैन्य रुख का सामना करते हैं। दक्षिण चीन सागर विवाद अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के लिए चीन की अवहेलना का उदाहरण है। मंगोलिया पर चीन की सीसीपी द्वारा अपने पड़ोसियों पर हावी होने के लिए नियोजित आर्थिक जबरदस्ती की व्यापक रणनीति को रेखांकित करता है। वुहान वायरोलॉजी लैब के विवादास्पद संचालन से लेकर अपने ही नागरिकों पर चल रही क्रूरता और दमन शामिल है। यह वर्षगांठ चीन की आंतरिक और बाहरी आक्रामकता पर व्यापक प्रवचन का आह्वान करती है, जो इस तरह की प्रथाओं के खिलाफ वैश्विक एकजुटता की आवश्यकता को उजागर करती है। वुहान वायरोलॉजी लैब के आसपास की हालिया घटनाओं और पीएलए के शीर्ष स्तर के अधिकारियों, और बिजनेस टाइकून की आंतरिक क्रूरता से शासन की निरंकुश और दमनकारी प्रकृति को उजागर किया है। आंतरिक रूप से सत्ता पर सीसीपी की पकड़ असंतोष के दमन और राजनीतिक विरोधियों के उत्पीडऩ के माध्यम से बनी हुई है। उच्च स्तरीय मंत्रियों, पीएलए के शीर्ष अधिकारियों और उद्योगपतियों को शासन को चुनौती देने के लिए गंभीर नतीजों का सामना करना पड़ता है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के बजाय भय और नियंत्रण में निहित शासन मॉडल को दर्शाता है।

हिंसक झड़प तब हुई जब चीनी पक्ष एलएसी का सम्मान करने के लिए आम सहमति से हट गया और एकतरफा रूप से यथास्थिति को बदलने का प्रयास किया। यह सैन्य शक्ति के साथ एक राजनीतिक लक्ष्य प्राप्त करने का चीनी पक्ष का तरीका है। गलवान घाटी संघर्ष एक महत्वपूर्ण क्षण जो भारतीय सेना की व्यावसायिकता और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के अमानवीय शासन के बीच स्पष्ट विरोधाभासों का प्रतीक बन गया है। डोकलाम गतिरोध और गलवान घाटी संघर्ष के दौरान भारतीय सेना का आचरण राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा के लिए उसके अनुशासन, व्यावसायिकता और समर्पण का एक प्रतीक बन गया है।

आप का नजरिया

मई-जून को लूटने की जिद्द

बेशक सोलन के टैक्सी चालक के कातिल पुलिस की पकड़ में आ गए, लेकिन इस तरह के घटनाक्रम से सीखने और हिमाचल में परिवहन के जरिए घूम रहे अपराध पर नकेल कसने की जरूरत है। जिन हालात में टैक्सी चालक हरिकृष्ण को जान गंवानी पड़ी, वहां पर्यटन, परिवहन, पुलिस पैट्रोलिंग और व्यवस्था की खामियां उजागर होती हैं। यह इसलिए भी कि पर्यटन के मई-जून महीने को लूटने की जिद्द ने हमें आवारा बना दिया। ऐसी मानसिकता उतर कर सडक़, होटल, रेस्तरां और शराब की दुकानों तक पहुंच गई है। कहना न होगा कि ये दो महीने पूरे साल और हिमाचल के आत्मीय वातावरण पर भारी पड़ रहे हैं। इन दो महीनों में हमारी सडक़ें खूंखार, पार्किंग बीमार, बाजार में आग, वातावरण में हाहाकार और थक के किनारे हो जाती है पूरी व्यवस्था। जलापूर्ति ठप होती है, तो जलशक्ति महकमा मुंह छुपाते घूमने लगता है। बिजली पर बढ़ता आपूर्ति का अतिरिक्त बोझ विभाग के बहाने बढ़ा देता है। यह एक मात्र ऐसा विभाग है जो दिन में बार-बार कट और हफ्ते में एक दिन मरम्मत के नाम पर जनता को अंधेरे में रखने का अभ्यस्त है। पुलिस और प्रशासन कहीं वीआईपी ड्यूटी, तो कहीं चुनावों की बागडोर थाम कर यह नहीं सोच पाते कि सडक़ पर शांति कैसे बनाएं और अपराध के पंजों से हिमाचल को कैसे बचाएं। ये दो महीने हाय तौबा के बन जाते हैं, क्योंकि कोई खाका नहीं कि अटल टनल की भीतरी दीवारें वाहन प्रदूषण से मटमैली न हों या इसके उत्तर-दक्षिण छोर पर वाहन संख्या का शोर विध्वंस के दैत्य को न जगा दे। सडक़ों के बीच बाजार, व्यापार, प्राकृतिक नजारों पर खतरनाक सेल्फी प्वाइंट और किसी नदी या खड्ड के किनारों पर खतरनाक डुबकियां हमारी छवि से भिड़ंत कर रही हैं। आश्चर्य यह कि पर्यटकों के बीच हुड़दंगियों की टोलियां कहीं अधिक पहुंच रही हैं। सोशल मीडिया के जमाने में जब पर्यटन वीडियो या सेल्फी बन रहा, तो यह मनोरंजन नहीं खुद को दिखाने का एक मौसम है। हम यह इसलिए लिख रहे हैं कि ऐसे पर्यटन के बीच राज्य की छवि, राज्य का अमन चैन, राज्य का व्यापार, राज्य के पर्यटन केंद्र और इससे जुड़ा रोजगार भ्रमित हो रहा है। टैक्सी चालक के लिए हर यात्री पर्यटक या हर पर्यटक यात्री नहीं हो सकता। इसी तरह होटल के लिए हर रुकने वाला पर्यटक नहीं हो सकता, लेकिन यह फैसला सिर्फ एक संपूर्ण व्यवस्था और चौकसी ही कर सकती है। पूरे ट्रैवल और टूरिज्म उद्योग को संगठित व राज्य के संपूर्ण प्रबंधन के तहत अपनी व्याख्या करनी चाहिए, लेकिन इसके विपरीत हिमाचल में टैक्सी संसार अलग-अलग साम्राज्यों में विभक्त है। मनाली से रोहतांग या अटल टनल के साम्राज्य में हिमाचल के अन्य क्षेत्रों की ही टैक्सियां अछूत हो जाती हैं। गगल एयरपोर्ट की मिलकीयत में एक अलग टैक्सी यूनियन है जो वहां की बादशाह है। इसी तरह मकलोडगंज, डलहौजी, शिमला और कमोबेश हर शहर-धार्मिक स्थल और हर चौक-चौराहे की अपनी-अपनी भूमिका में टैक्सियां दौड़ रही हैं। अगर सारी टैक्सियों को समाहित करके इनका इस्तेमाल एक ऐप के माध्यम से हो तथा इन्हें जीपीएस की निगरानी में चलाया जाए, तो उपभोक्ता को उचित दरों पर तथा सारे प्रदेश को एक समान व्यवस्था के तहत टैक्सी मिलेगी।

क्या क्यूबा के जरिए अमेरिका की जासूसी करने की तैयारी कर रहा चीन:थिंक टैंक का बड़ा दावा

वॉशिंगटन, 03 जुलई (एजेंसियां)। अमेरिका के ग्वांतानामो बे नौसैन्य अड्डे के नजदीक क्यूबा एक नई सर्विलांस इमारत का निर्माण कर रहा है। वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक का कहना है कि इस रडार साइट का इस्तेमाल अमेरिका की जासूसी करने के लिए किया जा सकता है। थिंक टैंक का दावा है कि क्यूबा के सर्विलांस के पीछे चीन हो सकता है। अमेरिका के थिंक टैंक सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि क्यूबा का यह रडार स्थल सैंटियागो डे क्यूबा शहर के पूर्व में स्थित है। क्यूबा का यह बेस साल 2021 से निर्माणाधीन है, पहले इसके बारे में सार्वजनिक जानकारी नहीं थी।

थिंक टैंक ने किए ये दावे – गौरतलब है कि क्यूबा, अमेरिका के नजदीक है और यही वजह है कि अमेरिका और उसके दक्षिणी सैन्य ठिकानों की जासूसी के लिए क्यूबा एक आदर्श जगह हो सकती है। क्यूबा स्थित नई इमारत का निर्माण पूरा होने के बाद यहां से अमेरिका की सेना की हवाई और समुद्री गतिविधि की निगरानी करना आसान होगा। सीएसआईएस ने यह भी कहा कि मार्च 2024 की सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि हवाना के पास पहाड़ियों में स्थित बेजुकल में क्यूबा की सबसे बड़ी सक्रिय सिग्नल इंटेलिजेंस साइट, जो वर्षों से संदिग्ध चीनी खुफिया गतिविधि से जुड़ी हुई है, पिछले एक दशक में उसे काफी अपडेट किया गया है। सीएसआईएस ने कहा इस साइट की मदद से चीन को अमेरिका के सैन्य अभ्यास, मिसाइल परीक्षण, रॉकेट लॉन्च और पनडुब्बी युद्धाभ्यास जैसी गतिविधियों का डेटा और तस्वीरें इकट्ठा करने में मदद मिलेगी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने भी इसे लेकर एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। हालांकि क्यूबा के उप विदेश मंत्री कार्लोस फर्नांडीज डी कोसियो ने इस बात से इनकार किया कि क्यूबा द्वीप पर चीनी सैन्य हितों को पनाह दे रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि द वॉल स्ट्रीट जर्नल बिना किसी सबूत और तथ्यों के क्यूबा के खिलाफ अभियान शुरू करने में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि चीनी सैन्य ठिकानों के बारे में जो कहानियां बनाई जा रही हैं, उससे जनता को डराने की कोशिश की जा रही है। कोसियो ने क्यूबा स्थित अमेरिकी दूतावास के भी इसमें शामिल होने का आरोप लगाया। क्यूबा में अपनी क्षमता बढ़ा रहा चीन सीएसआईएस के अनुसार, शीत युद्ध के दौरान इस तरह के जासूसी स्थलों का काफी इस्तेमाल किया गया था, लेकिन अब तकनीक के उन्नत हो जाने के चलते रूस और अमेरिका दोनों ही देशों ने ऐसी जासूसी साइटों का इस्तेमाल बंद कर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

बाइडन ने शुरुआती बहस में खराब प्रदर्शन का ठीकरा विदेश यात्रा पर फोड़ा, कहा- मैं मंच पर सो गया था

वॉशिंगटन। अमेरिका में पांच नवंबर को चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे पर हमलावर हैं। हाल ही में दोनों के बीच प्राथमिक बहस हुई थी, जिसमें कहा जा रहा कि बाइडन का प्रदर्शन काफी खराब रहा। अब यह बात खुद राष्ट्रपति ने मान ली है। हालांकि, अब खराब बहस का ठीकरा वह अपनी विदेश यात्रा पर फोड़ रहे हैं। राष्ट्रपति बाइडन ने अपने खराब बहस प्रदर्शन के लिए विदेश यात्रा को दोषी ठहराते हुए कहा कि वह पिछले सप्ताह मंच पर लगभग सो गए थे। मैं बहुत ज्यादा होशियार नहीं था उन्होंने वर्जीनिया में अपने अभियान को दान देने वालों से कहा, मैं बहुत ज्यादा होशियार नहीं था। बहस से कुछ समय पहले, मैंने दुनिया भर के देशों की दो बार यात्रा करने का फैसला किया। मैंने अपने कर्मचारियों की बात नहीं सुनी और फिर मैं लगभग मंच पर सो गया। इन-इन देशों की यात्रा की बहस की तैयारी के लिए राष्ट्रपति पूरे एक सप्ताह कैंप डेविड में थे। वह वहां 20 जून को गए पहुंचे थे। बाद में 27 जून की सुबह वह अटलांटा की यात्रा के लिए निकले। उसके बाद 14 जून को जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए इटली की यात्रा से लौटे थे। इससे छह दिन पहले वह कैंप में थे। इटली की यात्रा से पहले, उन्होंने डी-डे की सालगिरह के लिए फ्रांस की यात्रा की, जो छह जून को थी। बाइडन ने कहा कि यह कोई बहाना नहीं है, बल्कि सिर्फ स्पष्टीकरण है। उन्होंने अपने दानदाताओं से खराब प्रदर्शन के लिए खेद जताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि चुनाव जीतना महत्वपूर्ण है। रात बहुत अच्छी नहीं रही व्हाइट हाउस ने स्वीकार किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए रात बहुत अच्छी नहीं रही, लेकिन वह जानते हैं कि चीजों को कैसे अंजाम दिया जाए और वह अगले चार साल तक देश को चलाने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रपति को जुकाम था व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह कुछ ऐसा है जिसे राष्ट्रपति ने पिछले कई बार खुद बोला है।

चुनाव से पहले अपने ही बाइडन के साथ नहीं, अब डेमोक्रेट सांसद ने राष्ट्रपति पद की दौड़ से पीछे हटने को कहा

वॉशिंगटन। अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर है। चुनाव से पहले बाइडन के ही पार्टी के सांसद उन्हें राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर अपना नाम वापस लेने का आग्रह कर रहे हैं। हाउस डेमोक्रेटिक सांसद लॉयड डोगेट ने राष्ट्रपति जो बाइडन को सार्वजनिक तौर पर अपना नाम वापस लेने के लिए कहा। उन्होंने जारी एक बयान में कहा कि जो बाइडन को अपना नाम वापस लेने का कठिन निर्णय लेना चाहिए। डोगेट ने कहा कि वह बाइडन से ऐसा करने के लिए आग्रह कर रहे हैं। लॉयड डोगेट ने कहा, मेरे आपत्तियों को सार्वजनिक करने का निर्णय हल्के में नहीं लिया गया और न ही यह राष्ट्रपति बाइडन द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों के प्रति मेरे सम्मान को कम करता है। उन्होंने आगे कहा, पूर्व रष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विपरीत बाइडन ने खुद को पहले न रखकर देश को पहले रखा। मैं आशा कर रहा हूं कि वह अपने नाम को वापस लेने का कठिन निर्णय लेंगे। व्हाइट हाउस के अलावा दोनों सदनों का नियंत्रण अधर पर लटका हुआ है।

ऑनलाइन एडल्ट वेबसाइटों पर उम्र सत्यापन के कानून को चुनौती याचिका में तर्क- यह संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन

वॉशिंगटन। अमेरिकी राज्य टेक्सास में एडल्ट वेबसाइट्स पर उम्र सत्यापन की अनिवार्यता को खत्म करने की मांग की गई है। इसे लेकर अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका स्वीकार कर ली है और कोर्ट 7 अक्तूबर से इस याचिका पर सुनवाई शुरू करेगा। अमेरिका में बीते साल ही ऐसा कानून लागू किया गया था, जिसके तहत व्यस्क वेबसाइटों पर जाने से पहले यूजर्स को अपनी उम्र का सत्यापन देना जरूरी था। यह कानून बच्चों के लिए व्यस्क वेबसाइटों के इस्तेमाल को रोकने के लिए बनाया गया था। याचिका में दिया गया है ये तर्क अब इस कानून को चुनौती देते हुए जो याचिका दायर हुई है, उसमें तर्क दिया गया है कि यह कानून अमेरिकी संविधान के पहले संशोधन बोलने की आजादी के अधिकार का उल्लंघन करता है। टेक्सास के फ्री स्पीच नामक व्यापार संघ ने मार्च में निचली अदालत में कानून के खिलाफ याचिका दायर की थी, लेकिन निचली अदालत ने कानून को बरकार रखा।

भारत के दखल के बाद इटली प्रशासन जागा, भारतीय मजदूर सतनाम की मौत का जिम्मेदार मालिक गिरफ्तार

पेरिस, 03 जुलई (एजेंसियां)।

इटली के रोम के पास लाजियो में सब्जी के खेत में काम करते समय मजदूरी करने वाले 31 साल के भारतीय अस्थाई कर्मचारी का हाथ भारी मशीनरी की चपेट में आ गया था। खेत के मालिक ने कटे हुए हाथ को फलों के डिब्ब पर रख दिया था। इटली में भारतीय मजदूर सतनाम सिंह की मौत पर विवाद बना हुआ है। हालांकि, भारत के दखल के बाद अब पुलिस ने कृषि कंपनी के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। सतनाम सिंह की कैसे हुई मौत गौरतलब है, इटली के रोम के पास लाजियो में सब्जी के खेत में काम करते समय मजदूरी करने वाले 31 साल के भारतीय अस्थाई कर्मचारी का हाथ भारी मशीनरी की चपेट में आ गया और उनका हाथ काट गया था। सिंह को अस्पताल में भर्ती करवाने के बजाए उसके मालिक के आदेश पर उसे उसके घर के बाहर सड़क पर फेंक दिया गया था। लगातार खून बहने की वजह से उसकी हालत अधमरी हो गई थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, खेत के मालिक ने सतनाम सिंह के कटे हुए हाथ को फलों के डिब्ब पर रख दिया था और करीब डेढ़ घंटे तक उन्हें मेडिकल सुविधा मुहैया नहीं करवाई गई। बाद में उन्हें रोम के अस्पताल में भर्ती करवाया गया, लेकिन उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना ने इटली में सनसनी फैला दी है। खेत के मालिक एंटोनेलो लोवेटो पर अब आपराधिक लापरवाही और हत्या का आरोप लगाया गया।

मालिक के पिता ने दी थी सफाई

लोवेटो के पिता ने मीडिया को बताया था, मेरे बेटे ने सतनाम सिंह से कहा था, कि वह मशीनरी के पास न जाए, लेकिन उसने मेरी बात नहीं मानी। दुर्भाग्य से यह सरासर लापरवाही थी।

अब हुआ गिरफ्तार

अब एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पुलिस ने सिंह की हत्या के संदेह के आरोप में लोवेटो को गिरफ्तार किया है।

अभियोजकों का कहना है कि अगर किसान को जल्द अस्पताल पहुंचाया जाता तो उसे बचाया जा सकता था। वहीं, लाजियो भारतीय समुदाय के अध्यक्ष गुरमुख सिंह ने कहा कि हमें मालिक के गिरफ्तार होने की खबर का इंतजार था। हम घटना से गुस्से में हैं। सबसे बुरी बात जो है वो यही कि अगर लोवेटो किसान को घर के बाहर छोड़ने की बजाय उन्हें अस्पताल ले जाता तो आज वह जिंदा होते।

उन्होंने आगे कहा, हादसा हो सकता है। मगर मजदूरों की सहायता नहीं करना स्वीकार्य नहीं किया जा सकता।

भारत ने की थी बातचीत

भारतीय अधिकारी मुक्तेश परदेशी ने इटली की अधिकारी लुइगी मारिया से 26 जून को सतनाम सिंह की मौत पर बातचीत की थी। उन्होंने भारतीय मजदूर की मौत पर भारत की गहरी चिंता से उन्हें अवगत कराया था। वहीं, इटली की प्रधानमंत्री जॉयोर्जिया मेलोनी ने भी सतनाम सिंह की मौत पर गहरी चिंता जताई थी।

मजदूरों का होता है शोषण

इटली की खेतों में मजदूरों का शोषण इटली में, खासकर दक्षिणी देशों की खेतों में प्रवासी मजदूरों का खतरनाक शोषण किया जाता है और उनका सामूहिक शोषण अकसर हिंसक घटनाओं में बदल जाती है। ये एक पुरानी समस्या है, जिसका अभी तक इलाज नहीं किया गया है। लैटिना में हजारों अप्रवासी मजदूर रहते हैं, जिनमें से कई सिख हैं, जो स्थानीय कृषि-माफिया के लिए फल और सब्जियों के खेतों में काम करते हैं।

भारतीय मूल के हरदम त्रिपाठी चुने गए रिपब्लिकन के वैकल्पिक प्रतिनिधि राष्ट्रपति चुनाव में होगी अहम भूमिका

वॉशिंगटन, 03 जुलई (एजेंसियां)। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेता और अटॉर्नी हरदम त्रिपाठी को रिपब्लिकन पार्टी का वैकल्पिक प्रतिनिधि चुना गया है। उन्हें जुलाई में मिल्वौकी में होने वाले रिपब्लिकन नेशनल कन्वेन्शन के लिए के लिए वैकल्पिक प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। बता दें कि इस सम्मेलन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए औपचारिक रूप से नामित किया जाएगा।

जुलाई में इस दिन होगा आरएनसी

78 वर्षीय ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी की ओर से मैदान में हैं। उनका मुकाबला डेमोक्रेटिक पार्टी के 81 वर्षीय मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन से है। विस्कोन्सिन के मिल्वौकी में चार दिवसीय रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप को पार्टी का उम्मीदवार घोषित करेगा। नामांकन प्रक्रिया देश भर से रिपब्लिकन प्रतिनिधियों द्वारा पूरी की जाएगी।

कौन चुने गए प्रतिनिधि

बता दें, रिपब्लिकन पार्टी की आजीवन सदस्य और रिपब्लिकन इंडियन काउंसिल व रिपब्लिकन इंडियन नेशनल काउंसिल की संस्थापक सदस्य डॉ. शिवांगी को लगातार छह बार आरएनसी प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। वहीं, 14 जुलाई से 18 जुलाई तक मिल्वौकी में होने वाले आगामी रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में हरदम त्रिपाठी को एक वैकल्पिक प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है।

मेरे लिए सम्मान की बात

रिपब्लिकन पार्टी से लंबे समय से जुड़े त्रिपाठी ने कहा, आरएनसी में राष्ट्रीय प्रतिनिधि के तौर पर मैं पहली बार काम कर रहा हूं और अमेरिका में होने वाले ऐतिहासिक चुनाव में फ्लोरिडा के 15वें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। त्रिपाठी एक अमेरिकी इमिग्रेशन अटॉर्नी और ट्रिप लॉ में मैनेजिंग अटॉर्नी हैं, जो फ्लोरिडा में मुख्यालय वाली एक प्रमुख इमिग्रेशन लॉ फर्म है। उन्होंने अफगान अनुवादकों की सहायता की है, जिन्होंने राष्ट्रपति बाइडन के कार्यकाल के दौरान अफगानिस्तान से वापसी के दौरान अपने विशेष अप्रवासी वीजा प्राप्त करने और तालिबान से बचने के प्रयास में अमेरिकी सैन्य सेवा सदस्यों के साथ काम किया था।

आव्रजन कानून एवं नीति का उपयोग करना...

उन्होंने कहा, अमेरिकी सशस्त्र बलों के साथ काम कर चुके प्रवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और आव्रजन कानून एवं नीति का उपयोग दुनिया भर में ऐसे अन्य लोगों को लाने के लिए आव्रजन कानून एवं नीति का उपयोग करना हमारी लॉ फर्म की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को जल्द भारत लाने की बंधी उम्मीद, अमेरिकी वकील का दावा

वॉशिंगटन, 03 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा को भारत लाने की उम्मीद बढ़ गई है। दरअसल अमेरिका के सहायक अटॉर्नी ब्रैम एल्डेन ने अमेरिका के अपीलीय न्यायालय को बताया है कि भारत-अमेरिका की प्रत्यर्पण संधि के प्रावधानों के तहत तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। तहव्वुर राणा पर साल 2008 में हुए मुंबई हमले में शामिल होने का आरोप है। तहव्वुर राणा ने कैलिफोर्निया की एक जिला अदालत में प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील की है।

अमेरिका ने राणा के प्रत्यर्पण की याचिका को मंजूर कर लिया था

तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित करने के भारत सरकार के अनुरोध को अमेरिकी सरकार ने मंजूर कर लिया था, लेकिन इसके खिलाफ तहव्वुर राणा ने अमेरिका की जिला अदालत में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर दी, जिससे राणा का भारत प्रत्यर्पण अटक गया था। अब याचिका पर सुनवाई के दौरान अमेरिकी वकील एल्डेन ने कोर्ट को बताया कि राणा को संधि के

प्रावधानों के तहत भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। भारत ने मुंबई हमले में उसकी भूमिका के लिए मुकदमा चलाने का संभावित कारण भी साबित किए हैं।

लॉस एंजिल्स की जेल में बंद है तहव्वुर राणा

वर्तमान में लॉस एंजिल्स की जेल में बंद तहव्वुर राणा पर मुंबई हमलों की साजिश रचने में शामिल होने का आरोप है। हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से तहव्वुर राणा का नाम जुड़ा है। राणा कई बार हेडली से मिला।

ब्रिटेन में आम चुनाव के लिए आज मतदान, ऋषि सुनक समेत बड़े नेताओं के बीच है टक्कर

लंदन,03 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में आज आम चुनाव के लिए मतदान होना है। आम चुनाव में सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी और विपक्षी लेबर पार्टी में टक्कर है। हालांकि चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में लेबर पार्टी को बहुमत मिलने का दावा किया जा रहा है। कंजर्वेटिव पार्टी का नेतृत्व ऋषि सुनक और लेबर पार्टी का नेतृत्व कीर स्टर्मर कर रहे हैं। तो आइए जानते हैं कि ब्रिटेन में होने वाले आम चुनाव में किन बड़े चेहरों पर पूरी दुनिया की निगाहें होंगी।

कीर स्टर्मर

लेबर पार्टी के नेता कीर स्टर्मर एक पूर्व मानवाधिकार वकील और मुख्य जन अभियोजक रह चुके हैं। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में लेबर पार्टी को बहुमत मिलने का दावा किया गया है। ऐसे में बहुत संभावना है कि ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री कीर स्टर्मर बन सकते हैं। लेबर पार्टी के पूर्व नेता जेरेमी कोर्बिन के नेतृत्व में लेबर पार्टी वामपंथी की तरफ झुक गई थी। कीर स्टर्मर को पार्टी को फिर से मध्यमार्गी बनाने का श्रेय दिया जाता है।

ऋषि सुनक

कंजर्वेटिव पार्टी के नेता ऋषि सुनक एक बार फिर देश का पीएम बनने की रेस में हैं। हालांकि सर्वे में बताया गया है कि इस बार उनकी राह बेहद मुश्किल है। अक्तूबर 2022 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने भारतीय मूल के ऋषि सुनक ब्रिटेन में बढ़ती महंगाई पर काबू करने का दावा कर रहे हैं, लेकिन उन पर कई वादों को पूरा न करने का आरोप भी लग रहा है, जिसके चलते उनके खिलाफ लोगों में नाराजगी भी है। सुनक, ब्रिटेन के पहले एशियाई और हिंदू प्रधानमंत्री हैं।

निगेल फरेज

यूरोपीय संसद के पूर्व सांसद 60 वर्षीय निगेल फरेज को ब्रिटेन की राजनीति के सबसे विभाजनकारी नेताओं में गिना जाता है। 2016 में ब्रिटेन के अधिकांश लोगों को यूरोपीय संघ छोड़ने के लिए वोट देने के लिए राजी करने में मदद करने के बाद उन्हें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिस्टर ब्रेग्जिट उपनाम मिला। कल के चुनाव में वह आठवीं बार सांसद बनने की कोशिश कर रहे हैं। वे कट्टर दक्षिणपंथी रिफॉर्म यूके पार्टी के प्रमुख हैं। कई सर्वेक्षणों में दावा किया जा रहा है कि रिफॉर्म यूके पार्टी कई प्रमुख सीटों पर कंजर्वेटिव पार्टी को नुकसान पहुंचा सकती है।

ज्वालामुखी के पास बदमाशों ने की लूट, जान बचाकर भागे तो ड्रोन से किया पीछा, दंपत्ति ने सुनाई आपबीती

कैलिफोर्निया, 03 जुलई (एजेंसियां)। कैलिफोर्निया के एक जोड़े जस्टिना और एलेक्स लुसेरो को हवाई के हेलेकाला ज्वालामुखी के पास लूटे जाने के बाद बाल-बाल बचा लिया गया। सांता क्रूज के संगीतकार जोड़ा काम के लिए माउई जा रहा था। उसके बाद उन्होंने घूमने का मन बनाया। इस यात्रा के दौरान, उन्हें एक नकाबपोश हमलावर ने लूट लिया। उसके बाद करीब एक दिन तक ड्रोन और बंदूकों से उनका पीछा किया।

पैदल भागने को हुए मजबूर – अब जोड़े ने अपनी दर्दनाक कहानी साझा की है। उन्हें पिछले महीने अपनी जान बचान के लिए ज्वालामुखी के पास छिपना पड़ा था। जस्टिना और एलेक्स लुसेरो ने बताया कि जून की शुरुआत में काम के लिए माउई जाते समय बंदूक की नोक पर उनका कीमती सामान और कार लूट ली गई थी। अपनी जान बचाने के लिए उन्हें छिपने और हेलेकाला नेशनल पार्क में पैदल चलने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

जोड़े ने हेलेकाला जाने के लिए किराए की सिल्वर मस्टैंग ली थी। हेलेकाला, माउई द्वीप पर एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है। उनकी परेशानी काली रेत वाले समुद्र तट के घुमने से शुरू हुई।

ऐसे हुए लूटपाट का शिकार – एलेक्स ने बताया, हर कोई अच्छा था। सभी स्थानीय लोग और सभी पर्यटक जिनसे हम मिले, वे बहुत अच्छे थे। एक स्थानीय व्यक्ति ने काली रेत वाले समुद्र को घूमने का सुझाव दिया। जीपीएस की मदद से हम तट देखने निकल गए। हालांकि, जीपीएस ने एक सड़क दिखाई, जिसके किनारे पर बंद सड़क का चिह्न लगा था।

जस्टिना ने कहा, वहां एक आदमी मिला उसने कहा कि आप इसी रास्ते से जा सकते हो। पहले बंद हुआ करता था, लेकिन अब बंद नहीं है। वह शख्स स्थानीय था, इसलिए हमें कोई संदेह नहीं हुआ। उस इंसान ने यह भी बताया था कि स्थानीय लोग इसी सड़क से जाते हैं, तो अगर कोई आपके पीछे आता है, तो बस किनारे पर रुक जाना और उन्हें जाने देना।

उन्होंने आगे बताया, जैसे ही वे साइनबोर्ड के पास से गुजरे तो वहां से एक ट्रक निकला। एलेक्स ने ट्रक को निकलने के लिए अपनी कार सड़क किनारे रोक दी। कुछ मिनट बाद ही ट्रक वापस लौटा और सीधे उनकी ओर बढ़ गया।

नहीं देख पाए चेहरा – जोड़े ने कहा, ट्रक का ड्राइवर उतरकर हमारे पास आ गया। उसके पास बंदूक थी। उसने हमें बीचोंबीच सड़क पर रोक लिया। हालांकि, हमलावर मास्क और स्वेटशर्ट पहने हुए था, जिसकी वजह से उसका चेहरा नहीं देख पाए।

उन्होंने कहा कि ड्राइवर ने उनसे सारी कीमती सामान देने को कहा। बाद में उन्हें एक दिशा में जाने के लिए कहा। जब वह आगे जाने लगे तो उनके पीछे एक कार चलने लगी। कार को पीछा आते देख उन्होंने तेज भागना शुरू कर दिया और एक जंगल में भाग गए।

ड्रोन से ढूंढा – जोड़े ने आगे कहा, बदमाश चिल्ला रहा था कि हां, मैं तुम्हें ढूंढ लूंगा! मैं तुम्हें ढूंढ लूंगा! गिनती गिनने लगा और अंत में, उसने बंदूक से गोली चला दी। सूरज ढलने के साथ ही दो और कारें हमारा पीछा करने लगीं। जैसे-जैसे दिन का उजाला रात में बदल रहा था वैसे-वैसे बदमाश और खतरनाक रूप अपना रहे थे। हमें ढूंढने के लिए उन्होंने फ्लैशलाइट और यहां तक कि एक ड्रोन का भी इस्तेमाल किया।

पूरी रात हम भागते रहे – जस्टिना ने कहा, यह शिकार किए जाने जैसा अहसास था और यह नहीं पता था कि वे हमारे साथ क्या करेंगे। पूरी रात हम भागते रहे, झरने से पानी पीते रहे और ठंड को सहते रहे। सुबह होने पर हमने घोड़ों पर सवार लोगों को कुत्तों के साथ देखा, लेकिन हम यह सुनिश्चित नहीं कर पाए कि वे दोस्त हैं या दुश्मन, इसलिए वे आगे बढ़ते रहे।

उन्होंने कहा कि आखिरकार हमें एक ऐसा शख्स मिला, जो हमारी मदद कर सकता था। एक पार्क रेंजर ने करीब 24 घंटे के कठिन समय के बाद हमारी मदद की।

एक जाना-माना अपराधी – पुलिस ने संदिग्ध की पहचान क्रिस्टोफर हेल्मर के रूप में की, जो कई घटनाओं में शामिल एक जाना-माना अपराधी था। उसे आठ जून को मई में एक किए गए अपहरण और आतंकवादी धमकी के लिए गिरफ्तार किया गया।

5-7 खिलाड़ी रिटेन करना चाहती हैं आईपीएल टीमें : मेगा ऑक्शन इस साल के अंत में, पर्स में हो सकता है 20 करोड़ का इजाफा

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग की टीमों ने अगले तीन सीजन के लिए प्लेयर रिटेंशन की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 10 फ्रेंचाइजी की राय अलग-अलग रही, लेकिन अधिकांश ने पहले की तुलना में अधिक रिटेंशन की मांग की है। ज्यादातर टीमें अपने 5-7 खिलाड़ी रिटेन करना चाहती हैं। इसमें से एक ने आठ का सुझाव भी दिया है। वहीं कुछ टीमों ने कोई भी रिटेंशन नहीं होना चाहिए, ऐसा सुझाव दिया है। मेगा ऑक्शन इस साल के अंत में हो सकता है। वहीं इम्पैक्ट प्लेयर नियम बने रहने की उम्मीद है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2021 में फ्रेंचाइजी को अधिकतम चार खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति दी थी। इसमें तीन से अधिक भारतीय और दो से अधिक विदेशी खिलाड़ी नहीं हो सकते थे। मालिकों की एक मीटिंग में अंतिम होगा फैसला रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई ने रिटेंशन पॉलिसी को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू की है। इस महीने के अंत में मालिकों की एक मीटिंग में अंतिम फैसले के बाद घोषणा होने की उम्मीद है। बैठक तब होने की उम्मीद है जब सभी मालिक हिस्सा लेने के लिए उपलब्ध होंगे।

क्या है खिलाड़ियों को रिटेन करने का नियम

अभी नीलामी के लिए रिटेन के नियम के मुताबिक एक टीम ज्यादा से ज्यादा 4 खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। वहीं एक खिलाड़ी को राइट टु मैच कार्ड के साथ अपने साथ जोड़ा जा सकता था। ऐसे में टीमों को पांच खिलाड़ियों को रिटेन का मौका मिलता है। किसी भी टीम को अधिकतम 2 विदेशी खिलाड़ियों को रिटेन करने की इजाजत है।

टीमें पर्स की रकम भी बढ़ाना चाहती हैं

इसके अलावा टीमें ने ऑक्शन पर्स भी बढ़ाना चाहती हैं। इस बार पर्स में भी 20 करोड़ का इजाफा हो सकता है। अभी मेगा ऑक्शन में प्रत्येक टीम के पास नीलामी के लिए 100 करोड़ रुपए रहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण अफ्रीकी टीम मजबूत वापसी करेगी : मिलर

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर डेविड मिलर टी20 विश्व कप के फाइनल में मिली हार के बाद से ही बेहद निराश हैं।

मिलर ने कहा कि इस प्रकार जीत के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पाने को वह स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं हालांकि उनका मानना है कि टीम इस हार से उबरकर मजबूत वापसी करेगी। मिलर के अनुसार इस टीम में जुनून है और क्षमताएं हैं जिससे उसका स्तर बेहतर होता जाएगा। उनकी टीम ने इस विश्वकप में फाइनल से पहले के सभी मैच जीतकर दिखाया है कि उसे दबाव में भी खेलना आता है। मिलर ने लिखा, 'मैं बहुत निराश हूं, जो हुआ उसे मानना मेरे लिए काफी कठिन है। मेरे पास अपनी भावनाओं को बयां करने के लिए शब्द नहीं है। मुझे हालांकि इस टीम पर बेहद गर्व है। फाइनल से पहले दक्षिण अफ्रीका ने अपने अभियान में कई करीबी मैचों में जीत दर्ज की पर टीम खिताबी मुकाबले में जीत के करीब होने के बाद अंतिम पांच ओवर में बिखर गई थी। मिलर ने कहा, 'इस टूर्नामेंट में हमारा सफर शानदार रहा। हमने पूरे महीने कई उतार-चढ़ाव देखे। हमने कठिन हालातों का सामना किया। मैं हालांकि जानता हूं कि इस टीम में जज्बा है और वह अपना स्तर ऊंचा करती रहेगी। दक्षिण अफ्रीका को अंतिम पांच ओवर में 30 रन चाहिए थे पर इसके बाद जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या की शानदार गेंदबाजी से मैच में भारतीय टीम हावी हो गयी थी। अंतिम ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रनों की जरूरत की और मिलर ने एक बड़ा शॉट खेला था पर सूर्यकुमार ने बेहद कठिन कैच पकड़कर मिलर को पेवेलियन वापस भेज दिया था।

9 साल के अद्वेय अग्रवाल ने नेशनल फेंसिंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

नई दिल्ली। दिल्ली के 9 वर्षीय प्रतिभावान अद्वेय अग्रवाल ने ओडिशा, कटक में जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम पर आयोजित 12वीं मिनी और छठी चाइल्ड नेशनल फेंसिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। इससे पहले अग्रवाल ने दिल्ली राज्य स्तर और दिल्ली जिला चैंपियनशिप में अंडर-10 श्रेणी में जीत दर्ज की थी। फोइल के साथ फेंसिंग करने वाले अद्वेय ने शानदार शैली का प्रदर्शन किया और वो अपराजित रहे। अद्वेय को सेमीफाइनल और फाइनल में कड़ी प्रतिस्पर्धा मिली, लेकिन वो गोल्ड मेडल जीतने में कामयाब रहे। बता दें कि अद्वेय ने ओडिशा के पटेल ओम शंकर को मात दी, जिन्होंने सिल्वर मेडल जीता। पंजाब के सिमरनजीत सिंह ने ब्रॉन्ज जीता, जिन्हें अद्वेय से शिकस्त मिली थी। याद दिला दें कि इस चैंपियनशिप में देशभर से करीब 550 युवा फेंसर्स ने हिस्सा लिया। अद्वेय अग्रवाल ने बताया कि उनका सपना ओलंपिक्स में एक दिन भारत का प्रतिनिधित्व करना है। अद्वेय रोहिनी के दिल्ली पबलिक स्कूल का हिस्सा हैं और उन्हें सुनील सर (पीगासुस रॉयल फेंसिंग क्लब, दिल्ली) कोचिंग दे रहे हैं। अद्वेय अग्रवाल ने कहा, राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतना सपना साकार होने जैसा है। मेरा लक्ष्य लगातार सुधार करना है और उम्मीद है कि ओलंपिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व करूंगा।

पहली बार होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा हॉकी इंडिया, 40 से अधिक उम्र के खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया 40 साल से अधिक उम्र के पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए होने वाले मास्टर्स कप टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा।

यह पहली बार है जब हॉकी इंडिया इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। इस टूर्नामेंट का मकसद अनुभवी हॉकी खिलाड़ियों के जुनून और कौशल का जश्न मनाने का है। टूर्नामेंट की तारीखों और स्थल की घोषणा बाद में की जाएगी। हॉकी इंडिया से संबद्ध सभी राज्य सदस्य इकाइयां इस आयोजन में भाग लेने के लिए पात्र हैं। इस टूर्नामेंट में भाग लेने के इच्छुक 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र खिलाड़ियों को अपनी संबंधित सदस्य इकाइयों से संपर्क करना होगा। इन खिलाड़ियों को हॉकी इंडिया की सदस्य इकाई की वेबसाइट के माध्यम से पंजीकरण करना होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, हम पहली बार हॉकी इंडिया मास्टर्स कप की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। यह ऐसा आयोजन होगा जो हमारे अनुभवी खिलाड़ियों के समर्पण और जुनून को मान्यता देगा। यह टूर्नामेंट खेल के प्रति उनके स्थायी प्रेम के जश्न के साथ हॉकी में उनके अमूल्य योगदान का एक प्रमाण है।

गत चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा उलटफेर का शिकार हुईं, इस गैर वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से मिली हार

लंदन, 03 जुलाई (एजेंसियां)। गत चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा का खिताब का बचाव का अभियान विंबलडन के पहले ही दौर में हार के साथ समाप्त हो गया। महिला सिंगल्स वर्ग में पिछले साल की विजेता 25 वर्षीय वोंद्रोसोवा को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम में गैर वरीयता प्राप्त जेसिका बोउजास मानेरिओ से एक घंटा सात मिनट तक चले मुकाबले में लगातार सेटों में 4-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। महिलाओं के वर्ग में टूर्नामेंट में यह पहला बड़ा उलटफेर है।

जेसिका पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के मुख्य दौर में पहुंची थीं और उन्होंने गत चैंपियन खिलाड़ी को उलटफेर का शिकार बनाकर अपना प्रभाव छोड़ा। 1994 में स्टेफी ग्राफ के पहले दौर में बाहर होने के बाद यह पहली बार है जब विंबलडन की गत चैंपियन टीम का सफर शुरुआती दौर में ही समाप्त हुआ है। वोंद्रोसोवा पहले ही राउंड में संघर्ष करती दिखीं और उन्होंने 28 बेजां भूलें की।

हारने के बाद वोंद्रोसोवा काफी निराश दिखीं और मैच के बाद जेसिका से हाथ मिलाने के दौरान उनके चेहरे पर इस हार का दुख साफ झलक रहा था। दूसरी तरफ जेसिका अपनी इस उपलब्धि का जश्न मनाने से खुद को नहीं रोक सकीं और टेनिस कोर्ट पर ही उछल पड़ीं। वोंद्रोसोवा ने मैच में सात डबल फॉल्ट किए, वहीं जेसिका ने गत चैंपियन खिलाड़ी की पांच बार सर्विस तोड़ी और मुकाबले को एकतरफा बना दिया।

जेसिका ने मैच के बाद कहा, मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि यह मेरे जीवन और करियर के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में से एक है। मैं बस एक बेहतरीन महिला सिंगल्स खिलाड़ी के खिलाफ खेलने के दौरान उस पल का आनंद लेने के बारे में सोच रही थी। उन्होंने पिछले साल यहां खिताब जीता था। मैं सोच रही थी कि मुझ पर कोई दबाव नहीं है और मैं आनंद लेना चाहती हूं। मैं अपने प्रदर्शन से आश्चर्यचकित थी और शुरुआत में थोड़ी नर्वस भी थी, पहले गेम के बाद यहां का माहौल काफी अच्छा लगा और लग रहा था कि मैं घर में खेल रही हूं।

ओसाका-गॉफ भी अगले दौर में पहुंचीं

नाओमी ओसाका ने विंबलडन में छह साल में पहली जीत दर्ज की जब वह डियाने पैरी को हराकर महिला सिंगल्स वर्ग के दूसरे दौर में जगह बनाने में सफल रहीं। आसोका ने पहले दौर के कड़े मुकाबले में पैरी को 6-1, 1-6, 6-4 से हराया। ओसाका पांच साल विंबलडन में खेली भी नहीं। दो बार की यूएस और ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता ओसाका 2019 में पहले दौर में हार के बाद पहली बार विंबलडन में हिस्सा ले रही हैं। गत यूएस ओपन चैंपियन कोको गॉफ और 2021 की यूएस ओपन विजेता ऐमा राडुकानु भी जीत दर्ज करने में सफल रहे।

तीसरा ओलंपिक पदक जीतने के लिए तैयारी कर रही है सिंधु

नई दिल्ली। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतकर तीन ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम करना चाहती हैं। सिंधु ने इससे पहले रियो और टोक्यो में रजत और कांस्य पदक जीते थे। ऐसे में सिंधु इस बार स्वर्ण जीतना चाहेंगी। सिंधु ने एक कार्यक्रम में कहा, ''यह चुनौतीपूर्ण है पर असंभव नहीं है। सिंधु का मानना है कि उन्हें ओलंपिक में तीसरा पदक जीतने के लिए उन्हें अपने कौशल को और निखारते हुए रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, ''तीसरे ओलंपिक में जाने से पहले मुझे और अधिक स्मार्ट होने की जरूरत है। मुझे अनुभव है पर इसके साथ ही स्मार्ट होना भी जरुरी है। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने पदक का रंग बदल सकती हूं और निश्चित रूप से देश के लिए एक और पदक जीत सकती हूं।'' सिंधु अभी जर्मनी के सारब्रूकेन में हरमन-न्यूबर्गर स्पोर्ट्स्क्यूल में ट्रेनिंग कर रही हैं। वह 26 जुलाई को ओलंपिक शुरू होने से पहले सीधे पेरिस जायेंगी। सिंधु ने कहा, ''शारीरिक और मानसिक रूप से मैं फिट हूं, बस मुझे स्मार्ट होना है और मेरे कोच अगुस द्वी सैंटोसो इसपर काम कर रहे हैं। मैं सभी स्ट्रोक्स पर काम कर रही हूं, चाहे वो डिफेंस हो, या अटैक या नेटप्ले। सभी चीजों में पारंगत होना जरुरी है।'' उन्होंने कहा, '' मैं सिर्फ एक स्ट्रोक या तकनीक पर फोकस नहीं कर रही हूं क्योंकि आप नहीं जानते कि क्या होने वाला है, जीत के लिए सभी प्रकार से खेलना आना चाहिये।

भारतीय टीम बारबाडोस से स्पेशल चार्टर्ड फ्लाइट से निकली, नई दिल्ली में इस समय पर पहुंचेगी रोहित ब्रिगेड

नई दिल्ली, 03 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय टीम स्पेशल चार्टर्ड के जरिये बारबाडोस से निकल चुकी है और फ्लाइट नई दिल्ली पर लैंड करेगी। भारतीय टीम बारबाडोस में चक्रवाती तूफान बेरिल के कारण पिछले तीन दिनों से यही फंसी हुई थी। तूफान के कारण एयरपोर्ट बंद किया गया था, लेकिन इसे चालू किया गया। ब्रिजटाउन से भारतीय टीम रवाना हुई है। नई दिल्ली पर लैंड कर जाएगी। बता दें कि ब्रिजटाउन छोड़ने के लिए समय सीमित था, क्योंकि यहां एक और तूफान आने की संभावना जताई गई है।

भारतीय टीम ने खत्म किया सूखा

बता दें कि रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने 11 साल का आईसीसी खिताबी सूखा समाप्त किया। टीम इंडिया ने 17 साल के बाद दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से मात देकर खिताब अपने नाम किया था। रोहित शर्मा भारत को विश्व कप खिताब दिलाने वाले तीसरे कप्तान बने।

तीन दिग्गजों का संन्यास

भारतीय टीम के टी20 वर्ल्ड कप 2024 चैंपियन बनने के बाद तीन दिग्गज खिलाड़ियों ने टी20 इंटरनेशनल प्रारूप को अलविदा किया। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने फटाफट प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ की भी खिताब के साथ विदाई हुई।

भारत में जोरदार तैयारी

भारतीय टीम के स्वागत के लिए देश में जोर-शोर से तैयारी चल रही है। उम्मीद की जा रही है कि भारतीय टीम दिल्ली में पहले प्रधानमंत्री से मुलाकात करेगी और फिर मुंबई रवाना होगी। मुंबई में भारतीय टीम ट्रॉफी के साथ एक ओपन बस परेड करेगी, जहां वो अपने फैंस के साथ खिताब जीतने का जश्न मनाएगी। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर पर्यटन विभाग ने भी भारतीय टीम को आमंत्रण भेजा है।

अर्जेंटीना की ओलंपिक फुटबॉल टीम में मेसी को जगह नहीं, विश्व विजेता टीम के सिर्फ चार खिलाड़ी

ब्यूनस आयर्स, 03 जुलाई (एजेंसियां)। लियोनल मेसी इस महीने के अंत में पेरिस में शुरू होने वाले ओलंपिक में अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम का हिस्सा नहीं होंगे। कोच जेवियर माशेरानो ने घोषित टीम में विश्व कप विजेता टीम के चार सदस्यों को जगह दी जिसमें स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी शामिल हैं।

इस साल चोटों से जूझ रहे 37 वर्षीय मेसी अभी कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। टीम का लक्ष्य 2021 में जीते गए महाद्वीपीय खिताब का बचाव करना है। अर्जेंटीना ने 2021 में कोपा अमेरिका जीतने के बाद 2022 में विश्व कप भी जीता था। मेसी ने अपने एकमात्र ओलंपिक अभियान में 2008 में बीजिंग में टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद की थी।

ओलंपिक पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट अंडर-23 टीम के लिए होता है लेकिन प्रत्येक टीम में तीन अधिक उम्र के खिलाड़ियों को खिलाने की अनुमति दी जाती है। वर्ष 2004 और 2008 में खिलाड़ी के तौर पर ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले माशेरानो कोपा अमेरिका खत्म होने के बाद गोलकीपर गेरोनिमो रूली, ओटामेंडी और अल्वारेज को टीम में शामिल करेंगे।

हाल ही में रिवर प्लेट से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए मिडफील्डर क्लॉडियो एचेवेरी भी टीम में शामिल होंगे। अर्जेंटीना 24 जुलाई को मोरक्को के खिलाफ ओलंपिक फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले मैच से पूर्व फ्रांस में दो मैत्री मैच खेलेगा। अर्जेंटीना और मोरक्को के अलावा इराक और यूक्रेन को ग्रुप बी में जगह मिली है।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष सुमरिवाला ने नीरज को सराहा, ओलंपिक को लेकर कही ये बात

मुंबई, 03 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता और विश्व चैंपियन भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा की सराहना की है। सुमरिवाला ने कहा कि नीरज चोपड़ा शांतचित खिलाड़ी हैं, जो दबाव को कभी हावी नहीं होने देते है और दूसरे भारतीय खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

नीरज इस महीने के आखिरी में पेरिस ओलंपिक में एक बार फिर आकर्षण का केंद्र होंगे। सुमरिवाला ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रदर्शन पहले से बेहतर होगा, लेकिन उन्होंने यह अनुमान लगाने से इनकार कर दिया कि देश कितने पदक जीतेगा। उन्होंने कहा कि नीरज की सबसे बड़ी ताकत दबाव को सोखने की है। वह बड़े मैचों में दबाव को हावी नहीं होने देता है इसलिए थ्रो के साथ भी पदक जीत लेता है। सुमारिवाला ने एक कार्यक्रम में नीरज के बारे में कहा, एक तरफ नीरज है और दूसरी तरफ बाकी सब एथलीट हैं। जहां तक नीरज का सवाल है तो वह काफी शांतचित और एकाग्र है। वह उनमें से एक हैं जो दबाव को हावी नहीं होने देता है। वह न तो अतीत के बारे में सोचता है और ना ही भविष्य की ज्यादा चिंता करता है। वह मौजूदा क्षण के बारे में सोचता है और यही उसका सबसे मजबूत पक्ष है। अगर आप उससे पूछें, क्या आपको डर लगता है तो वह कहेगा, डर तो सबको लगता है, लेकिन तनाव नहीं लेना चाहिए। सुमरिवाला ने कहा, मैं प्रतिस्पर्धा में जाने से पहले हमेशा इन खिलाड़ियों से वार्मअप क्षेत्र में बातचीत करता हूं। वह कहता है कोई तनाव नहीं है, आप तनाव मत लो मैं कर दूंगा। एएफआई अध्यक्ष को उम्मीद है कि नीरज पेरिस ओलंपिक में भी स्वर्ण पदक जीतेंगे। उन्होंने कहा, क्या मैं भविष्यवाणी कर सकता हूं कि वह एक और स्वर्ण जीतेगा ऐसा करना बहुत कठिन है। उनकी ताकत उनकी निरंतरता है। आज दुनिया में कम से कम चार-पांच खिलाड़ी हैं जो 90 मीटर से अधिक थ्रो करते हैं जो नीरज ने कभी नहीं किया है।

वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम में प्रभावित नहीं कर सके सुमित नागल, पहले दौर में हारकर हुए बाहर

लंदन, 03 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के स्टार सिंगल्स टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विबंलडन में प्रभावित नहीं कर सके और उन्हें पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। नागल ने सर्बिया के मियोमिर केकमानोविच के खिलाफ पहले दौर के मुकाबले में 44 सहज गलतियां की और चार सेट तक चले मुकाबले में हारकर बाहर हो गए। पुरुष सिंगल्स वर्ग के मुख्य ड्रॉ में पहली बार हिस्सा ले रहे नागल को दो घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले में 2-6, 6-3, 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया के 53वें नंबर के खिलाड़ी केकमानोविच के खिलाफ नागल ने एक सेट जीता। भारत के 72वीं रैंकिंग वाले 26 वर्षीय खिलाड़ी ने 47 विनर भी लगाए लेकिन कुल मिलाकर उन्हें घास के कोर्ट पर संघर्ष करना पड़ा। अंत में नागल केकमानोविच के 122 अंक के मुकाबले केवल 104 अंक ही जुटा पाए। सर्बियाई खिलाड़ी ने छह ऐस लगाए और केवल दो डबल फॉल्ट किए। यह केकमानोविच की नागल के खिलाफ दो मैच में दूसरी जीत है। उन्होंने चार साल पहले जर्मनी के कोलोन में एटीपी 250 प्रतियोगता में भी नागल को हराया था। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके नागल पांच साल में विंबलडन पुरुष सिंगल्स मुख्य ड्रॉ का मैच खेलने वाले पहले भारतीय हैं। प्रजनेश गुणेश्वरन 2019 में पहले दौर से बाहर हो गए थे। मौजूदा सत्र में शानदार रहा था प्रदर्शन नागल का मौजूदा सत्र शानदार रहा है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ के लिए भी क्वालिफाई किया था। उन्होंने शुरुआती दौर में कजाखस्तान के 31वें वरीय एलेक्जेंडर बुब्लिक को हराया था और 35 साल में किसी ग्रैंडस्लैम में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले पहले भारतीय पुरुष टेनिस खिलाड़ी बने थे। नागल ने एटीपी 1000 प्रतियोगिता इंडियन वेल्स मास्टर्स और मोंटे कार्लो मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ के लिए भी क्वालिफाई किया था।

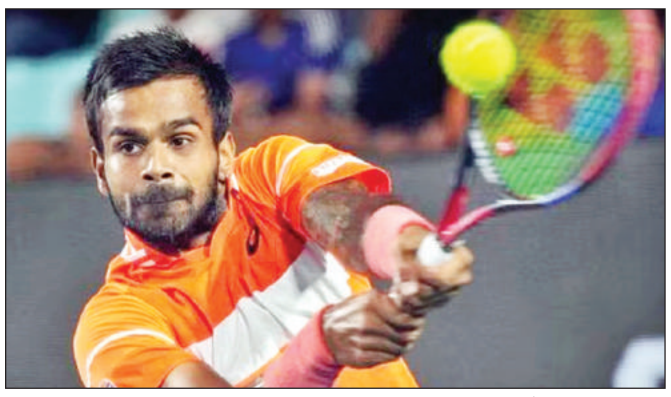

बजरंग ने नाडा पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने आरोप लगाया है कि नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) उनका करियर समाप्त करना चाहती है। इसलिए उन्हें एक ही मामले को लेकर दो-दो बार निलंबित किया गया है। बजरंग के अनुसार नाडा ने सभी तथ्यों को परे रखकर काम किया है। इससे साफ है कि उन्हें परेशान कर खेल छोड़ने के लिए विवश किया जा रहा है। बजरंग को नाडा ने पहले 5 मई और उसके बाद 23 जून को दोबारा निलंबित कर दिया था। इसके साथ ही उन्हें नोटिस देकर 11 जुलाई तक जवाब देने को कहा है। वहीं बजरंग ने कहा कि नाडा नहीं चाहता कि कोई उनके गलत तरीकों पर सवाल उठाए और अगर कोई ऐसा करता है तो उसे निशाना बनाकर बाहर कर दिया जाता है। साथ ही सवाल किया कि नाडा एक्सपायर हो चुकी किट के बारे में जवाब क्यों नहीं देता है। वो इस बात का जवाब क्यों नहीं देते हैं कि कैसे एक गलत किट उन्हें दी गयी। इसके अलावा सैंपल कलेक्शन के लिए मुझपर दबाव बनाया। नाडा इस बात का जवाब क्यों नहीं देता कि दो मैचों के बीच सैंपल कलेक्शन के लिए मुझपर दबाव दिया गया, जबकि उन्हें पता था कि मेरे पास अगली कुश्ती की तैयारी करने के लिए केवल 20 मिनट थे। वहीं नाडा का कहना है कि बजरंग को जांच के लिए सैंपल नहीं देने के लिए निलंबित किया गया था।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नए कारोबार और निर्यात बढ़ने से भारत के सेवा क्षेत्र में मजबूती आई, पीएमआई 60.2 से बढ़कर 60.5 पर पहुंचा

नई दिल्ली,03 जून (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय बिक्री में अभूतपूर्व विस्तार तथा नए ऑर्डरों में जोरदार वृद्धि के बीच देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जून में तेज हुई जो मई में पांच महीने के निचले स्तर पर थी। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स मई के 60.2 से बढ़कर जून में 60.5 पर पहुंच गया।

परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार का मतलब है, जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, भारत के सेवा क्षेत्र में गतिविधि वृद्धि जून में तेज हुई, सूचकांक 0.3 पीपीटी (प्रतिशत अंक) बढ़कर 60.5 हो गया, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों नए ऑर्डरों में वृद्धि हुई। इसने सेवा क्षेत्र के फर्मों को अगस्त 2022 के बाद से सबसे तेज गति से अपने कर्मचारियों के स्तर को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

मांग की ताकत और नए व्यवसाय से विकास को बढ़ावा मिला। भारतीय सेवा प्रदाताओं को मिले नए ऑर्डर जून में लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे विस्तार का मौजूदा क्रम करीब तीन साल का हो गया है। अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर्स में भी रिकॉर्ड विस्तार हुआ। एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व और अमेरिका सभी जगहों से भारतीय सेवा क्षेत्र को काम मिला।

ग्राहकों की सकारात्मकता ने भारत में सेवा प्रदाताओं को पहली वित्तीय तिमाही के अंत में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती के लिए प्रोत्साहित किया। अगस्त 2022 के बाद से सेवा क्षेत्र में रोजगार का स्तर सबसे तेज गति से बढ़ा, क्योंकि नए कार्यों के लिए अल्पकालिक और स्थायी कर्मचारियों को लिया गया था। कीमत के मोर्चे पर देखें तो, उच्च भोजन, ईंधन और श्रम लागत के कारण सेवा प्रदाताओं के औसत खर्चों में मामूली वृद्धि दिखी। मुद्रास्फीति की गति फिर भी चार महीनों में सबसे कमजोर रही। इसके बाद, बिक्री मूल्य भी फरवरी के बाद से सबसे धीमी गति से बढ़े।

न्यूज़ ब्रीफ

ट्रेनों की रफ्तार 130 से बढ़ाकर 160 किमी प्रतिघंटा करने का लक्ष्य,यात्रियों को होगी सुविधा

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेलवे के क्षेत्राधिकार वाले रेलवे ट्रैक के दोनों ओर सुरक्षा बाड़ लगाए जा रहे हैं। इसके तहत बिहार, झारखंड एवं उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार के लगभग 412 किलोमीटर लंबे ग्रैंड कॉर्ड रेलवे ट्रैक को कवर किया जा रहा है। इसमें से अब तक 231 किलोमीटर रेलवे ट्रैक की फेंसिंग का कार्य पूरा हो चुका है। पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि प्रधानखंटा से धनबाद, गोमो, कोडरमा, गया, सोननगर होते हुए पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन तक 412 किलोमीटर रेलखंड में से 231 किलोमीटर रेलवे ट्रैक की फेंसिंग का कार्य पूरा हो चुका है। मिशन रफ्तार के तहत देश में ट्रेनों की गति बढ़ाने के लिए काम हो रहा है। प्रमुख रेलमार्गों पर ट्रेनों की रफ्तार 130 से बढ़ाकर 160 किलोमीटर प्रतिघंटा तक करने का लक्ष्य है। इसी कड़ी में पूर्व मध्य रेल द्वारा प्रस्तावित 160 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति वाले रेलवे ट्रैक के दोनों किनारे सुरक्षा बाड़ लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 200 किलोमीटर में से 110 किलोमीटर रेलवे ट्रैक फेंसिंग का कार्य प्री-फैब्रिकेटेड सीमेंटेड स्लैब लगाकर पूरी की जा चुकी है। शेष 90 किलोमीटर का कार्य क्रैस बैरियर लगाकर शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। इसी तरह, धनबाद मंडल में आने वाले 175 किलोमीटर ग्रैंड कॉर्ड रेलखंड में से 25 किलोमीटर लंबे घाट सेक्शन छोड़कर शेष 150 किलोमीटर रेलवे ट्रैक की फेसिंग की जानी है, जिनमें से अब तक 121 किलोमीटर का कार्य प्री-फैब्रिकेटेड सीमेंटेड स्लैब लगाकर पूरा हो चुका है। प्री-फैब्रिकेटेड सीमेंट के ढलाई किए हुए स्लैब को दो पिलरों के मध्य स्थापित कर दिया जाता है तथा क्रैस बैरियर स्टील के दो पिलरों के मध्य एक सीमित ऊंचाई के अंतराल पर दो स्टील प्लेटों को लगाया जाता है। बताया जाता है कि फेंसिंग कार्य पूरा हो जाने के बाद इन रेलखंडों पर गाड़ियों का आवागमन और सुगम हो जाएगा, जिससे ट्रेनों का समय पालन बनाए रखने में मदद मिलेगी एवं अतिरिक्त ट्रेनों का परिचालन भी हो सकेगा।

पांच बैंकों में एफडी पर मिलेगा अब ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र का एक्सिस बैंक अब तीन करोड़ रुपये के जमा पर 17-18 महीने की अवधि के लिए अपने ग्राहकों को 7.20 फीसदी ब्याज देगा। वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह दर 7.75 फीसदी है। दो साल की अवधि के एफडी पर 7.10 फीसदी ब्याज मिलेगा। बैंक सामान्य नागरिकों को एफडी पर तीन से 7.2 फीसदी के बीच ब्याज दे रहा है। वरिष्ठ नागरिकों के लिएयह दर 3.50 फीसदी से 7.75 फीसदी के बीच है। बैंक एक जुलाई से अपने ग्राहकों को तीन करोड़ रुपये तक की एफडी पर 3.75 से लेकर 6.50 फीसदी तक ब्याज दे रहा है।वरिष्ठ नागरिकों के लिएब्याज दर सर्वाधिक 8.75 फीसदी है, जो 0.50 प्रतिशत ज्यादा है। बैंक की वेबसाइट के मुताबिक, एक जुलाई से उसने भी एफडी पर ब्याज दरों में बदलाव लागू कर दिया है।इसके तहत तीन करोड़ रुपये से कम के जमा पर बैंक अपने ग्राहकों को 15 महीने से दो साल की अवधि के लिए 7.20 फीसदी तक ब्याज देगा। एक साल की अवधि के जमा पर वह 6.7 फीसदी ब्याज दे रहा है। ब्याज की सबसे कम दर 3.50 फीसदी है। वरिष्ठ नागरिकों को बैंक 7.75 फीसदी तक ब्याज देगा। बैंक ऑफ इंडिया दे रहा 7.80 फीसदी तक ब्याज बैंक ऑफ इंडिया की नई दरें 30 जून से लागू हैं।

रुपया पांच पैसे गिरकर 83.53 डॉलर पर

मुंबई । अमेरिकी मुद्रा के मजबूत रुख और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे टूटकर 83.53 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। तेल कंपनियों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा अमेरिकी डॉलर की खरीद ने निवेशकों की धारणा को और प्रभावित किया, जबकि घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत रुख ने निचले स्तर पर रुपये को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.51 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.53 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.48 पर बंद हुआ था।

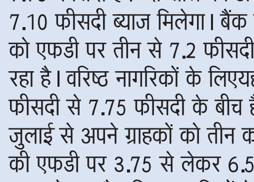

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अभी 10 साल हुए...

और जिनको समझ आया उन्होंने हो-हल्ला कर देश की जनता के इस महत्वपूर्ण निर्णय पर छाया डालने की कोशिश की। लेकिन, मैं पिछले दो दिन से देख रहा हूं कि आखिर पराजय भी स्वीकार हो रही है और दबे मन से विजय भी स्वीकार हो रही है।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं कांग्रेस के कुछ साथियों को दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं। नतीजे आए तब से हमारे एक साथी की ओर से (हालांकि उनकी पार्टी उनका समर्थन नहीं कर रही थी) बार-बार ढोल पीटा गया था कि ये एक तिहाई सरकार है। इससे बड़ा सत्य क्या हो सकता है कि हमारे 10 साल हुए हैं, 20 और बाकी हैं। एक तिहाई हुआ है, दो तिहाई और बाकी है और इसलिए उनकी इस भविष्यवाणी के लिए उनके मुंह में घी शक्कर।

पीएम मोदी ने कहा कि मेरे जैसे अनेक लोग हैं, जिनको बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान के कारण यहां तक आने का अवसर मिला है। जनता-जनार्दन ने मुहर लगाई और तीसरी बार भी आने का अवसर मिला। जब लोकसभा में हमारी सरकार की तरफ से कहा गया कि हम 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाएंगे तो मैं हैरान हूं कि जो आज संविधान की प्रति लेकर घूमते रहते हैं, दुनिया में लहराते रहते हैं, उन्होंने विरोध किया था कि 26 जनवरी तो है, फिर संविधान दिवस क्यों लाएं?

राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनना ऐतिहासिक है। स्वतंत्र भारत के इतिहास और संसदीय यात्रा में कई दशकों के बाद ऐसा हुआ है कि जनता ने लगातार तीसरी बार किसी सरकार को जनादेश दिया है। पीएम मोदी ने कहा, 60 साल के बाद ऐसा हुआ है कि सरकार 10 साल तक सत्ता में रहने के बाद वापस लौटी है। मैं समझता हूं कि यह कोई सामान्य बात नहीं है। कुछ लोगों ने जानबूझकर जनता द्वारा दिए गए इस फैसले को ब्लैकआउट करने की कोशिश की। हमारे देश के लोगों ने हमें अपनी अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्तर पर 5वें से तीसरे स्थान पर लाने का जनादेश दिया है, और मुझे पूरा विश्वास है कि हम भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया में शीर्ष 3 में पहुंचा कर रहेंगे।

उन्होंने कहा कि इन चुनावों में हम देश की जनता की बुद्धिमता पर गर्व महसूस करते हैं। उन्होंने दुष्प्रचार को पराजित किया। उन्होंने प्रदर्शन को प्राथमिकता दी। उन्होंने छल की राजनीति को खारिज किया और विश्वास की राजनीति पर विजय की मुहर लगाई। अगले पांच साल बुनियादी सुविधाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करने और गरीबी के खिलाफ लड़ाई के लिए है। यह देश अगले पांच वर्षों में गरीबी के खिलाफ विजयी होगा और मैं यह पिछले दस वर्षों के अनुभव के आधार पर कह रहा हूं। जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, तो इसका प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र पर होगा।

पीएम मोदी ने कहा कि पहले हमारे देश में छोटे किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से ऋण प्राप्त करने में बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता था, और बहुत कम किसानों तक इसकी पहुंच होती थी। आज हमारी नीतियों के कारण, संख्या में काफी वृद्धि हुई है। हमने किसानों को एक व्यापक भूमिका में देखा है, और किसान क्रेडिट कार्ड के विस्तार और किसानों, पशुपालकों और मछुआरों को इसके लाभों के माध्यम से हमने उनके जीवन को सुविधाजनक बनाया है, इससे कृषि क्षेत्र मजबूत हुआ है और उनके काम के लिए मजबूत समर्थन प्रदान किया गया है।

छात्रों के साथ...

उल्लेखनीय है कि नीट के पेपर लीक होने के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की जाने वाली कई प्रवेश परीक्षायें रद्द की गयी है या टाल दी गयी है। नीट पेपर लीक की जांच अभी सीबीआई कर रही है। इस मामले में कई लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है।

मणिपुर की आग...

उन्होंने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री स्वयं वहां गये थे और कई दिनों तक रहकर स्थिति की निगरानी की है। गृह राज्य मंत्री भी कई दिनों तक मणिपुर में रहे हैं और स्थिति का जायजा लिया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार सभी के साथ बातें कर रही है। इस समय मणिपुर में बाढ़ का भी संकट चल रहा है। केन्द्र सरकार राज्य सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें वहां पहुंची है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजनीति से ऊपर उठकर वहां स्थिति को सामान्य बनाने की कोशिश की जानी चाहिए। जो लोग मणिपुर की आग में घी डालने का काम रहे हैं उन्हें छोड़ा नहीं जायेगा। कांग्रेस को यह पता होना चाहिए कि मणिपुर में 10 बार राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। वर्ष 1993 में भी मणिपुर में इसी तरह की घटनाओं का क्रम चला था और पांच सालों तक चला था। स्थितियों को सामान्य करने का प्रयास करना है। शांति लाने का भारपूर प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर को देश के विकास का सशक्त इंजन बनाने का काम किया जा रहा है। पूर्वोत्तर में पांच वर्ष में जो काम किया गया है जो कांग्रेस को उतना काम करने में 20 वर्ष लगते। पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया गया है। स्थायी शांति के लिए अनेक प्रयास किये गये हैं। सभी को साथ लेकर यह काम किया गया है। उसकी चर्चा बहुत कम हुई है। राज्यों को साथ लेकर सीमा विवाद को समाप्त किया जा रहा है। सहमति से यह काम किया जा रहा है।

श्री मोदी ने आम चुनाव में दौरान जम्मू कश्मीर में हुये मतदान आदि का उल्लेख करते हुये कहा कि राज्य में आतंकवाद की घटनाओं में बहुत कमी आयी है।

उनमें जवाब...

राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मैंने उनसे आग्रह किया कि विपक्ष के नेता को बिना किसी व्यवधान के बोलने के लिए पर्याप्त समय दिया गया तो पीएम को भी ध्यान से सुना जाए। पर, आज उन्होंने सदन को पीछे नहीं छोड़ा, उन्होंने गरिमा को पीछे छोड़ा है। आज उन्होंने मुझे पीठ नहीं दिखाई, उन्होंने भारत के संविधान को पीठ दिखाई है। उन्होंने मेरा या आपका अपमान नहीं किया, उन्होंने संविधान की शपथ का अपमान किया है। भारत के संविधान का इससे बड़ा अपमान और कोई नहीं हो सकता। मैं उनके आचरण की निंदा करता हूं। यह एक ऐसा अवसर है, जहां उन्होंने भारतीय संविधान को चुनौती दी है। उन्होंने भारतीय संविधान की भावना का अपमान किया है, उन्होंने ली गई शपथ का अनादर किया है। भारतीय संविधान आपके हाथों में पकड़ने वाली चीज नहीं है, यह जीवन जीने की पुस्तक है। मुझे उम्मीद है कि वे आत्मनिरीक्षण करेंगे और कर्तव्य के उस मार्ग पर चलेंगे।

इस पर पीएम मोदी ने कहा कि देश देख रहा है झूठ फैलाने वालों की सत्य सुनने की ताकत भी नहीं होती है। सत्य से मुकाबला करना इसके लिए जिनके हौसले नहीं हैं, उनमें बैठकर के इतनी चर्चा के बाद अपने द्वारा ही उठाए हुए सवालों के जवाब सुनने की हिम्मत नहीं है। ये अपर हाउस को अपमानित कर रहे हैं। देश की जनता ने हर प्रकार से उनको इतना पराजित कर दिया है कि अब उनके पास गली-मोहल्ले में चीखने के सिवाय कुछ बचा नहीं है। नारेबाजी, हो-हल्ला और मैदान छोड़कर भाग जाना यही उनके नसीब में लिखा हुआ है।

उन्होंने सभापति से कहा कि आपकी वेदना मैं समझ सकता हूं, 140 करोड़ देशवासियों ने जो निर्णय दिया है, जो जनादेश दिया है, उसे ये पचा नहीं पा रहे हैं। कल उनकी सारी हरकतें फेल हो गईं, तो आज उनका वो लड़ाई लड़ने का हौसला भी नहीं था, इसलिए वो मैदान छोड़कर भाग गए। मैं तो कर्तव्य से बंधा हुआ हूं, मैं यहां डिबेट पर स्कोर करने नहीं आया हूं। मैं तो देश का सेवक हूं, देशवासियों को मेरा हिसाब देने आया हूं। देश की जनता को मेरे पल-पल का हिसाब देना, मैं अपना कर्तव्य मानता हूं।राज्यसभा से विपक्ष के वॉकआउट पर कांग्रेस नेता और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम इसलिए बाहर आ गए, क्योंकि प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सदन को संबोधित कर रहे थे और उन्होंने सदन को कुछ गलत बातें बताईं। झूठ बोलना और सच्चाई से परे बातें कहना उनकी आदत है। मैंने उनसे सिर्फ यही पूछा था, जब वह संविधान के बारे में बोल रहे थे आज जो संविधान को बचाने के लिए ढिंढोरा पीट रहे हैं...तब मैंने कहा कि आपने संविधान नहीं बनाया, आप लोग इसके खिलाफ थे। मैं सिर्फ यह स्पष्ट कर रहा था कि कौन लोग संविधान के पक्ष में थे और कौन संविधान के खिलाफ थे। उन्होंने (आरएसएस) संविधान का विरोध किया है, उन्होंने बीआर अंबेडकर और पंडित नेहरू का पुतला जलाया। वह बार-बार कहते हैं कि हमने बीआर अंबेडकर का अपमान किया, उन्होंने वहां (लोकसभा में) यह कहा था और वह आज भी यही कह रहे हैं। मैं बताना चाहता था कि बाबा साहब ने संविधान सभा में क्या कहा है और आरएसएस ने क्या कहा है और ऑर्गनाइजर में उनके लोग क्या बोले हैं वो सब बताना चाहता था।

राज्यसभा की ...

इससे बाद धन्यवाद प्रस्ताव पर शुरू हुई चर्चा में पक्ष और विपक्ष के 76 सदस्यों ने हिस्सा लिया तथा चर्चा 21 घंटे से भी अधिक समय तक चली। बाद में प्रधानमंत्री ने चर्चा का जवाब दिया और इसके बाद सदन ने ध्वनिमत से धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। उन्होंने कहा कि शोर शराबे के कारण सदन की कार्यवाही कुल 43 मिनट तक स्थगित करनी पड़ी और इस समय को पूरा करने के लिए कार्यवाही का समय तीन घंटे तक बढाया गया। उन्होंने कहा कि इस सत्र में सदन की उत्पादकता 100 प्रतिशत से भी अधिक रही। सभापति ने सदन में कई मौकों पर शोर शराबा करने के लिए विपक्ष के व्यवहार को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि यहां तक एक समय नेता विपक्ष भी आसन के निकट आ गये इससे संसद की परंपरा और मर्यादा भंग हुई है। इसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। लोकसभा चुनाव के बाद संसद का यह पहला सत्र था।

राहुल बिना शर्त ...

दिग्विजय सिंह ने तो भगवा आतंकवाद के ऊपर किताब का विमोचन भी किया था। देश के अंदर 80 फीसदी दंगे कांग्रेस पार्टी की सरकार के रहते हुए हैं। कांग्रेस ने आतंकवाद को पनाह देने का काम किया है और इसलिए सांप्रदायिक दंगे होते रहे हैं। जिस धर्म ने 5 हजार वर्ष से अधिक समय से समाज को सौहार्द और शांति का मंत्र दिया है, ऐसे हिंदू समाज को अपमानित करने की साजिश राहुल गांधी द्वारा की गई है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि हिंदू संस्कृति को गाली देना, हिंदुओं को गाली देना, उन्हें आतंकवादी कहना, यह सब चुनावी हिंदू राहुल गांधी की साजिश है, जिसका जवाब देश के करोड़ों हिंदू जरुर देंगे। राहुल गांधी ने सदन के अंदर सोची समझी राजनीतिक चाल चली है क्योंकि उन्हें अपनी बहन प्रियंका गांधी को वायनाड से चुनाव लड़वाना है। वे तो खुद पश्चिमी सभ्यता के बीच बड़े हुए हैं, वे हिंदू संस्कृति को कभी नहीं समझ सकते, लेकिन राहुल गांधी को हिंदू समाज की ताकत का अंदाजा नहीं है। राहुल गांधी ने पूरी भारतीय संस्कृति को गाली दी है और उन्हें देश के लोगों से माफी मांगनी ही पड़ेगी।

विरोध प्रदर्शन को भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज और मनोज तिवारी ने भी संबोधित किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स को तोड़कर कांग्रेस मुख्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश की, जिसके बाद दूसरे बैरिकेड्स के सामने उन्हें रोका गया और पुलिस तेजस्वी सूर्या और वीरेंद्र सचदेवा सहित भाजपा के अन्य नेताओं को डिटेन कर तिलक मार्ग थाने ले गई, जहां से कुछ देर बाद चेतावनी देकर उन्हें छोड़ दिया।

हाथरस हादसे की...

उसके बाद फिर उसका दायरा बढ़ता है। जो भी लोग इसके लिए जिम्मेदार होंगे, वे इसके दायरे में आएंगे। आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना तथा इस दौरान उन्हें बताया गया कि हादसा कार्यक्रम के बाद हुआ। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में इस सज्जन (भोले बाबा) की कथा संपन्न हुई और मंच से उतरने के बाद जैसे ही उसका काफिला बढ़ा तो पैर छूने के लिए महिलाओं का एक दल इस बाबा की ओर जाने लगा और इस समूह के पीछे-पीछे भीड़ भी जाने लगी तभी लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरते गए।

आदित्यनाथ ने कहा कि कार्यक्रम में मौजूद सेवादार भी लोगों को धक्का देते रहे जिसके कारण जीटी रोड के दोनों तरफ और उसके अंदर ऐसा हादसा हो गया।

उन्होंने कहा कि इसका सबसे दुखद पहलू यह था कि इस प्रकार के आयोजन में सेवादार प्रशासन को कार्यक्रम स्थल के अंदर घुसने नहीं देते और उन्होंने दुर्घटना होने के तत्काल बाद या दुर्घटना के दौरान शुरुआत में इस मामले को दबाने का प्रयास किया, लेकिन जब प्रशासन ने घायलों को अस्पताल ले जाने की कार्रवाई शुरू की तो उनमें से ज्यादातर सेवादार वहां से भाग गए। उन्होंने कहा, इस पूरी घटना में जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की दिशा में आगे कार्यवाही की जा रही है। इसके लिये कुछ विशेष दल बनाए गए हैं जिनकी अलग-अलग जनपदों में कार्यवाही अब शुरू होगी और शुरुआती जांच के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी। विपक्षी दलों द्वारा हाथरस की घटना को लेकर सरकार को घेरे जाने के बारे में पूछे गये सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोगों की प्रवृत्ति होती है कि इस तरह की दुखद घटनाओं में वे राजनीति ढूंढते हैं। ऐसे लोगों की फितरत होती है कि चोरी भी और सीनाज़ोरी भी। उन्होंने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की तरफ इशारा करते हुए कहा कि यह हर व्यक्ति जानता है कि उस सज्जन (भोले बाबा) की फोटो किसके साथ है और उसके राजनीतिक संबंध किसके साथ जुड़े हुए हैं।

आदित्यनाथ ने कहा, आप लोगों ने इस बात को देखा होगा कि रैलियों के दौरान इस प्रकार की भगदड़ कहां मची थी और मुझे लगता है उसकी तह में जाना आवश्यक है। जो लोग निर्दोष लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ करते हैं उनकी जवाबदेही भी इसके साथ तय होगी। पूछा गया कि धार्मिक आयोजनों में सेवादार प्रशासन को कार्यक्रम स्थल में घुसने क्यों नहीं देते, मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन प्रथम दृष्ट्या यह मानकर चलता है कि धार्मिक आयोजन है और उनके सेवादार इस प्रकार के आयोजनों की जिम्मेदारी अंदर स्वयं संभालेंगे। उन्होंने कहा कि सावधानी के लिये वहां पर पुलिस बल तैनात किया जाता है लेकिन वह बाहरी दायरे में होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक और आध्यात्मिक श्रद्धा भाव से लोग जहां आते हैं वहां भीड़ अनुशासित भी रहती है लेकिन जब वही कार्यक्रम निहित स्वार्थी तत्वों के हाथों का खिलौना बन जाता है तो वहां अनुशासनहीनता का नजारा देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि अगर यह हादसा था तो सेवादारों को वहां अपनी व्यवस्था में सुधार करना चाहिए था और अगर वे ऐसा नहीं कर पा रहे थे तो प्रशासन का सहयोग लेकर हादसे के शिकार लोगों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था करनी चाहिए थी। आदित्यनाथ ने कहा कि इसका दूसरा पहलू यह है कि हादसे में लोग मरते गए और सेवादार वहां से भाग गए। मुख्यमंत्री ने बताया कि पूरी घटना में 121 श्रद्धालुओं की मौत हुई है जो उत्तर प्रदेश के साथ-साथ हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में हाथरस, बदायूं, कासगंज, अलीगढ़, एटा, ललितपुर, शाहजहांपुर, आगरा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, मथुरा, औरैया, बुलंदशहर, पीलीभीत, संभल और लखीमपुर खीरी जिलों के भी कुछ श्रद्धालु इस हादसे का शिकार हुए हैं।

सिसोदिया और कविता...

देने की सिफारिश कर दी। सीबीआई रिपोर्ट में कथित तौर पर 580 करोड़ रुपये से अधिक की राजकोषीय वित्तीय हानि दर्ज की गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोप लगाया कि नीति जानबूझकर आम आदमी पार्टी नेताओं को फायदा पहुंचाने और कार्टेल गठन को बढ़ावा देने के लिए खामियों के साथ तैयार की गई थी। इसमें आपा नेत-ाओं पर छूट, लाइसेंस शुल्क माफी और कोविड-19 महामारी के दौरान राहत जैसे तरजीही व्यवहार के बदले में शराब कारोबारियों से रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया। मामले की जांच आगे बढ़ी और फिर इसमें आपा समेत बीआरएस नेताओं के नाम जुड़ते चले गए। कई गिरफ्तारियां भी हुईं। कई बिजनेसमैन भी जांच एजेंसियों के रडार पर आए। सबसे बड़ी भूमिका दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की रही है, जिन्हें इसी साल मार्च में गिरफ्तार किया गया। उनसे पहले मनीष सिसोदिया और संजय सिंह की गिरफ्तारी हुई। संजय सिंह को फिर जमानत दे दी गई।

अभी तिहाड़ जेल...

स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ भेज दिया था। दिल्ली शराब नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 26 जून को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने उन्हें तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया था। केजरीवाल की सीबीआई रिमांड खत्म होने के बाद 29 को फिर पेश किया गया। इससे पहले केजरीवाल को 21 मार्च को कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। तभी से केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद हैं।

त्रिपुरा में अवैध...

कुल मिलाकर बीते चार दिनों में अगरतला रेलवे स्टेशन से 33 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि, पिछले दो महीनों में अब तक त्रिपुरा में पड़ोसी देश के 92 से ज्यादा नागरिकों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सभी बांग्लादेशी नागरिक नौकरी की तलाश में भारत के अन्य राज्यों में जाने के इरादे से गुप्त रास्ते से त्रिपुरा में प्रवेश कर गए थे। त्रिपुरा में 856 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा के ज्यादातर हिस्सों पर पहले से ही बाड़ लगाये जाने और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के बावजूद, पूर्वोत्तर राज्य में बांग्लादेशी नागरिक अक्सर पकड़े जा रहे हैं।

आतंकवाद के खात्मे...

जम्मू-कश्मीर में तैनात हो चुकी हैं। अब बल की इकाई को माउंटेन वारफेयर ट्रेनिंग देने की तैयारी चल रही है। सूत्रों का कहना है कि सीआरपीएफ को जम्मू कश्मीर के हर हिस्से में तैनात किया जाएगा। प्लानिंग के मुताबिक, कुछ समय बाद आतंकियों के खिलाफ चलाए जाने वाले अभियानों को सीआरपीएफ के जांबाज लीड कर सकते हैं। अगले तीन वर्ष में आतंकवाद का पूर्ण सफाया करने का जो प्लान तैयार किया गया है, उसमें सीआरपीएफ को बड़ी भूमिका में रखा जाएगा। इसके लिए सीआरपीएफ की यूनिटों को खुद के भवन/परिसर मुहैया कराए जा रहे हैं। अकेले कश्मीर में ही एक दर्जन से अधिक स्थानों पर सीआरपीएफ की बटालियन कैंपिंग साइट के लिए जमीन मुहैया कराई जा रही है। 43 बटालियन और 53 बटालियन को जमीन अलॉट हो चुकी है। इसके लिए बल की तरफ से तय राशि जमा कराई गई थी। बडगाम और बारामूला में बल की यूनिटों को 150 कनाल से अधिक जमीन अलॉट की गई है।

जम्मू-कश्मीर में तैनात सीआरपीएफ की बटालियनों को राष्ट्रीय राइफल्स के पैटर्न पर एरिया ऑफ रिस्पांसिबिलिटी (एओआर) यानी जिम्मेदारी का क्षेत्र तय करने के लिए कहा गया है। श्रीनगर की कुछ बटालियनों को आरआर की तैनाती वाले स्थानों पर भेजने की बात कही गई है। जम्मू कश्मीर में तैनात भारतीय सेना की आरआर की कुछ यूनिटों को भारत-चीन सीमा पर भेजा जा सकता है। सीआरपीएफ को बुलेट प्रूफ वाहन मुहैया कराए गए हैं। किसी मुठभेड़ के दौरान कोई आतंकी घर में छिपा है, तो उसे नए वाहनों की मदद से निपटाने में बड़ी मदद मिलती है। बुलेट-प्रूफ जेसीबी ने यह काम और भी ज्यादा आसान कर दिया है।

सीएसआरवी और जेसीबी में एक फोर्कलिफ्ट पर बुलेट-प्रूफ केबिन लगा होता है। इसकी मदद से सुरक्षाकर्मी, आतंकियों के खिलाफ एक ऊंचाई वाले प्लेटफार्म से ऑपरेशन को अंजाम दे सकते हैं। सीआरपीएफ ने अपने ड्रोन सिस्टम के जरिए भी आतंकवाद रोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

व्हील्ड आर्मर्ड एम्फीबियस में मॉड्यूलर बैलिस्टिक शील्ड और ऑटोमैटिक ग्रेनेड लॉन्चर भी है। इसका वजन लगभग 24 टन है। इसकी लंबाई आठ मीटर और चौड़ाई तीन मीटर है। यह 10 जवानों और एक ड्राइवर को ले जाने में सक्षम है। व्हील्ड आर्मर्ड एम्फीबियसह वाहन पूरी तरह से बुलेटप्रूफ और बारूदी सुरंग से सुरक्षित है। इसमें एक स्वचालित टायर-इन्फ्लेशन प्रणाली और एमएमजी (मध्यम मशीन गन) को फायर करने के लिए एक रिमोट-कंट्रोल हथियार प्रणाली (आरसीडब्ल्यूएस) लगा है। इस वाहन के अंदर बैठकर आतंकियों पर सटीक फायर किया जा सकता है।

3 शुभ योग में मनाई जाएगी आषाढ़ मासिक शिवरात्रि, बन जाएंगे सारे बिगड़े काम

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 4 जुलाई को आषाढ़ माह की मासिक शिवरात्रि है। यह पर्व हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है। साथ ही मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए मासिक शिवरात्रि का व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत के पुण्य-प्रताप से विवाहित महिलाओं को अखंड सुहाग का वरदान प्राप्त होता है। वहीं, अविवाहित जातकों की शादी के प्रबल योग बनते हैं। ज्योतिषियों की मानें तो आषाढ़ मासिक शिवरात्रि पर 3 शुभ योग का निर्माण हो रहा है। इन योग में भगवान शिव की पूजा करने से व्रती को अक्षय फल की प्राप्ति होगी।

वृद्धि योग

आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को वृद्धि योग का निर्माण हो रहा है। ज्योतिषियों की मानें तो इस योग में भगवान शिव की पूजा करने से आय और सौभाग्य में वृद्धि होती है। इस योग का निर्माण सुबह 07 बजकर 04 मिनट से हो रहा है। वहीं, इसका समापन 05 जुलाई को होगा।

अभिजीत मुहूर्त

आषाढ़ मासिक शिवरात्रि पर अभिजीत मुहूर्त का संयोग बन रहा है। इस योग का निर्माण दोपहर 12 बजकर 04 मिनट से हो रहा है। वहीं, अभिजीत मुहूर्त का समापन 12 बजकर 58 मिनट पर होगा। इस योग में भी साधक भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा कर सकते हैं।

भद्रावास योग

मासिक शिवरात्रि पर भद्रावास योग का भी निर्माण हो रहा है। इस दौरान भद्रा स्वर्ग लोक में रहेंगी। भद्रावास योग संध्याकाल 05 बजकर 23 मिनट तक है। इस दौरान शिव परिवार की पूजा-अर्चना करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

शिव की कृपा पाने के लिए लगाए इन चीजों का भोग

शिवजी की कृपा पाने के लिए मासिक शिवरात्रि का दिन बहुत ही खास है । वहीं इस बार मासिक शिवरात्रि के दिन वृद्धि योग और मृगशिरा नक्षत्र भी है। आइये जानते हैं मासिक शिवरात्रि के दिन शिवजी की पूजा में किन चीजों का भोग लगाना शुभ माना जाता है।

वैसे तो भोलेभंडारी सच्चे मन में एक लोटा शुद्ध जल चढ़ाने से ही प्रसन्न हो जाते हैं। लेकिन शिवपुराण में ऐसी चीजों का वर्णन मिलता है, जोकि महादेव को बहुत प्रिय है। इन चीजों का भोग पूजा में लगाने महादेव प्रसन्न होते हैं। इसलिए मासिक शिवरात्रि पर शिवजी को इन चीजों का भोग जरूर लगाएं।

खीर:- शिवपुराण के अनुसार शिवजी को खीर बहुत पसंद है। खीर का भोग लगाने से शिवजी की कृपा से घर-परिवार से जुड़ी परेशानियां दूर होती है और पारिवारिक क्लेश खत्म हो जाते हैं।

शहद:- मासिक शिवरात्रि की पूजा में भगवान शिव को शहद का भोग लगाएं। शहद का भोग लगाने से कुंडली में स्थित प्रतिकूल ग्रह शांत होते हैं और ग्रहों से शुभ फल मिलने लगते हैं।

हलवा:- मासिक शिवरात्रि के इस विशेष दिन पर शिवजी को हलवा का भोग जरूर लगाएं। आप अपनी सुविधानुसार आटे या फिर सूजी के हलवे का भी भोग लगा सकते हैं। इससे भगवान आपकी सारी मुरादें पूरी करेंगे।

सावन में शिव को जल चढ़ाने का है बड़ा महत्व
भोलेनाथ को क्यों प्रिय है उत्तरवाहिनी गंगा

सनातन धर्म में गंगा स्नान का विशेष महत्व है। लोग हर पर्व में गंगा स्नान के लिए जाते हैं। लेकिन उत्तरवाहिनी गंगा का एक अलग ही महत्व है। मान्यता है उत्तरवाहिनी गंगा में स्नान कर भगवान भोले को जलार्पण करने से विशेष लाभ मिलता है। सावन नजदीक है और लोग भगवान भोले को पूजेंगे। अगर उत्तरवाहिनी गंगा के जल से भगवान भोले की पूजा करेंगे तो सारी मनोकामना पूर्ण होंगी।

क्या कभी आपने सोचा है उत्तरवाहिनी गंगा का जल भगवान भोले को क्यों प्रिय होता है। अजगैबीनाथ मण्ठ के मठाधीश प्रेमानन्द ने बताया भगवान भोले का वास उत्तर दिशा की ओर है। मां गंगा उनकी जटा में वास करती हैं। भगवान भोले का हृदयस्थल उत्तर दिशा को ही माना जाता है। इसलिए उत्तर दिशा की ओर से बहने वाली गंगा का जल उन्हें अति प्रिय होता है।

कहते हैं जो भी भक्त भगवान शिव को उत्तर वाहिनी गंगा जल अर्पित करते हैं उनकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

दो जगह बहती है उत्तरवाहिनी गंगा

पूरे भारत मे दो जगह उत्तरवाहिनी गंगा बहती है। एक काशी विश्वनाथ और दूसरा भागलपुर का सुल्तानगंज हर साल सावन में यहां से लाखों श्रद्धालु जल भरकर बाबा वैद्यनाथ धाम यानी देवघर जाते हैं।

गंगा ने बदल ली है धारा

पिछले कुछ वर्षों में गंगा ने अपनी धारा बदल ली। अब गंगा पूरब और पश्चिम की तरफ बहने लगी है। लेकिन सावन में जलस्तर बढ़ने से फिर से गंगा उत्तरवाहिनी हो जाती है। जहां से लाखों कावड़िया जल भरकर 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर बाबा वैद्यनाथ धाम जाते हैं।

पढ़ते समय इन बातों का जरूर रखें ख्याल

2 घंटे में हो जाएगी 8 घंटे की पढ़ाई

कई बार बच्चे बहुत मन लगाकर पढ़ते हैं, लेकिन फिर भी एग्जाम में अच्छे मार्क्स नहीं आ पाते। दिन रात मेहनत करने के बाद भी टॉप नहीं कर पाते। ऐसे में उनके मन में सवाल आता है कि आखिर गलती कहां हो रही है। दरअसल, पढ़ाई करने की भी एक जगह होती है और एक तरीका होता है। वास्तु के अनुसार, पढ़ाई करते समय भी कुछ बातों का ध्यान रखना होता है।

ज्योतिष आचार्य ने बताया कि आपको जहां मन वहां पर पढ़ने बैठ जाएंगे तो वैसे पढ़ाई नहीं होती। इसकी एक जगह निर्धारित होती है। इसलिए कई बार लोग घंटों पढ़कर भी कुछ नहीं कर पाते और कुछ लोग सिर्फ कुछ घंटे पढ़कर ही टॉप कर लेते हैं।

वास्तु के अनुसार ऐसे पढ़े बच्चे

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि वास्तु के अनुसार बच्चों को हमेशा पूर्व व उत्तर की तरफ मुंह करके पढ़ना चाहिए। भूलकर भी दक्षिण की तरफ मुंह करके नहीं पढ़ना चाहिए। इससे नकारात्मक ऊर्जा आती है और आप जितनी भी मेहनत करें आपका मन भटकेगा ही और आपको वैसा फल नहीं मिलेगा। वहीं पूर्व और उत्तर की दिशा में आपका मन काफी शांत रहेगा, क्योंकि यहां पर सरस्वती देवी जी का वास होता है और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

पढ़ने से पहले गायत्री मंत्र का जाप

उन्होंने आगे बताया कि इसके अलावा अपने स्टडी रूम के उत्तर या पूर्व दिशा में माता सरस्वती जी का एक फोटो लगाने से, वहां की सकरात्मक ऊर्जा में और वृद्धि हो जाती है। पढ़ने से पहले गायत्री मंत्र का जाप करना भी अत्यधिक लाभ देने वाला होता है। ऐसे में आपका मन बड़ा शांत व एकाग्रता काफी बढ़ती है और चीज बहुत जल्दी समझ आने लगती है। ऐसा करने से आप कुछ ही हफ्तों में देखने लगेंगे कि 8 घंटे की पढ़ाई 2 से 3 घंटे में ही हो जाएगी।

जुलाई में इन 6 दिनों में कर लीजिए शादी वरना 4 महीने करना होगा इंतजार

जानें कब है अगला शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में 9 जुलाई से एक बार फिर शादियों की शहनाई गूंजने वाली है। हालांकि योग-संयोग नहीं बनने के कारण जुलाई माह में यह शहनाई सिर्फ 6 दिन के लिए ही गूंज पाएगी। इसके बाद 17 जुलाई को देवशयनी एकादशी होने के बाद शादियों की धूम पर एक बार फिर नवंबर महीने तक विराम लग जाएगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार फिलहाल अस्त चल रहा शुक्र ग्रह 5 जुलाई को उदित होने वाला है। इसके बाद ही शादी के शुभ मांगलिक मुहूर्त प्रारंभ होंगे, जबकि गुरू गत 1 जून को ही उदित हो चुके हैं। लेकिन हिंदू धर्म में विवाह का कारक शुक्र ग्रह को माना जाता है। इसलिए जुलाई माह में शादियों का सीजन 9 जुलाई से लेकर 15 जुलाई तक चलने वाला है।

जुलाई के बाद 4 महीने बाद गूंजेगी शहनाई

बता दें कि 17 जुलाई को देवउठनी एकादशी होने के बाद चातुर्मास भी शुरू हो जाएंगे। इस दौरान हिंदू धर्म में विवाह जैसे शुभ कार्यों करना पूर्णतः वर्जित रहता है। जुलाई माह में सिर्फ 6 दिन तक शादियों की शहनाई के बाद 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी से पुनः सावे शुरू होंगे। इसमें भी नवंबर और दिसंबर महीने तक केवल 16 दिन विवाह की शुभ मुहूर्त रहेंगे। जुलाई माह में शादी के शुभ मुहूर्त कम होने के कारण 9 जुलाई से लेकर 15 जुलाई तक शादियों की धूम मचने वाली है।

इसलिए है विवाह का कम मुहूर्त

पंडित धीरज शर्मा ने लोकल18 को बताया कि इस बार कृष्ण पक्ष में दो तिथियों द्वितीया और त्रयोदशी का क्षय होने से यह 23 जून से 5 जुलाई तक सिर्फ 13 दिन का रह गया है।

हिंदू शास्त्रों के अनुसार जिस तिथि का किसी सूर्योदय के साथ संबंध नहीं होता, उसे क्षय तिथि कहते हैं। एक साथ दो तिथियों का एक पक्ष के अंतर्गत सूर्योदय से संबंध नहीं बनने पर विश्वधस्त्र पक्ष बनता है। इसे अशुभ फल देने वाला पक्ष कहा जाता है।

इसीलिए इस वर्ष जून में विवाह के लिए एक भी शुभ मुहूर्त नहीं रहा है।

सूर्यास्त के बाद भूलकर भी न लगाएं झाड़ू वरना जीवन में आएंगी कई परेशानियां

सनातन धर्म में रविवार का दिन सूर्य देव को समर्पित है। धार्मिक मान्यता है कि रोजाना सुबह स्नान करने के बाद सूर्य देव को जल अर्पित करना चाहिए। साथ ही विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करने का विधान है। ऐसा माना जाता है कि वास्तु शास्त्र में बताए गए सूर्यास्त के बाद कुछ कार्यों को नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से इंसान को जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है और परिवार के सदस्यों को आर्थिक तंगी की समस्या आती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि सूर्यास्त के बाद किन कार्यों को करने से बचना चाहिए?

ऐसा माना जाता है कि साफ-सफाई वाली जगह पर ही धन की देवी मां लक्ष्मी का वास होता है। इसलिए घर की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र की मानें तो सूर्यास्त के बाद घर में झाड़ू नहीं लगानी चाहिए। ऐसा करने से घर में धन की देवी मां लक्ष्मी का वास नहीं करती हैं। इससे आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। साथ ही घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसलिए शाम में झाड़ू लगाने की मनाही है।तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास होता है। इस पौधे के पास रोजाना सुबह और शाम को दीपक जलाना चाहिए और जल देना चाहिए। लेकिन शाम के समय जल नहीं देना चाहिए और तुलसी के पत्तों को नहीं तोड़ना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी घर से चली जाती हैं।सूर्यास्त के बाद किसी से पैसों का लेनदेन भी नहीं करना चाहिए।इसके अलावा घर के मेन गेट पर नहीं बैठना चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी का घर में वास नहीं होता है।

रात में बाल कटवाने की मनाही है। साथ ही सेविंग भी नहीं बनवानी चाहिए। इस कार्य को करने से जातक के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और कर्ज की समस्या बढ़ती है।

सावन में शिव पूजन की अभिलाषा है तो यहां जरूर आएं

एक साथ होंगे 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन

सावन शुरू होने को है। देवों के देव महादेव को सावन अति प्रिय है। ये महीना भगवान शिव को समर्पित है। सावन में भक्त शिवालय जाकर शिव की आराधना करते हैं और उन्हें प्रसन्न करने के लिए कई प्रकार के जतन भी करते हैं। भीलवाड़ा में एक ऐसा शिव मंदिर है जो अपने आप में बहुत खास और एकलौता है। इसकी खासियत ये है कि यहां एक साथ 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कर सकते हैं।

भीलवाड़ा के इस शिव मंदिर का नाम है मंशापूर्ण महादेव मंदिर। इस मंदिर की खासियत ये है कि यहां एक देश के 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन एक साथ होते हैं। यहां स्थानीय के अलावा अन्य राज्यों से भी श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। मान्यता है यहां शिवलिंग की परिक्रमा करने से भक्तों का हर कष्ट दूर होता है और उनकी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। मंदिर परिसर में ही शिवलिंग के चारों और दर्पण लगाए गए हैं जिससे भक्त

एक जगह पर खड़े होकर एक साथ 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकें।

मंशापूर्ण महादेव

मंदिर के पुजारी ने बताया इस मंदिर की स्थापना करीब 33 साल पहले हुई थी। यहां एक साथ देश के 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन होते हैं। मंदिर आने वाले भक्त एक ही स्थान पर खड़े होकर एक साथ 12 ज्योतिर्लिंग देख सकते हैं। शिवरात्रि और हरियाली अमावस के अवसर पर यहां पर भक्तों का तांता लगता है।

एक जगह से 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन

मंदिर में शिवलिंग के चारों तरफ दर्पण लगाए हैं जिससे कोई भी व्यक्ति एक ही स्थान पर खड़ा होकर महादेव के दर्शन कर सकता है। मंदिर में 12 ज्योतिर्लिंग स्थापित किए गए हैं। मंदिर के गर्भ गृह में ऊपर छत पर चारों दिशाओं में कांच लगाए गये हैं जिससे भक्त एक जगह पर खड़े होकर एक साथ 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकते हैं। शिवलिंग की परिक्रमा करने से भक्तों के सारे कष्ट दूर होने के साथ ही उनकी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

लंबे नाखून वालों के लिए चाणक्य ने कह दी ऐसी बात कि उड़ जाएंगे आपके होश

चाणक्य की नीतियां जीवन की सच्चाई को बयां करती है और मनुष्य को जीवन में सही और गलत का निर्णय लेने में सक्षम बनाती हैं। चाणक्य ने बड़े नाखून रखने वाले प्राणियों के लिए क्या कहा जानें।

-झूठ बोलने वाले और दुख में साथ न देने वाले मित्र पर भूलकर भी भरोसा नहीं करना चाहिए ।

-चाणक्य ने ये बात हिंसक पशुओं को ध्यान में रखकर कही है। उनके अनुसार बड़े-बड़े सींग और नाखूनों वाले पशुओं से दूरी बनाने में ही भलाई है, क्योंकि इनका मिजाज कब बिगड़ जाए किसी को पता नहीं होता।

-लंबे नाखून वाले पशु जैसे बाघ, भालू, आदि पर कभी भरोसा नहीं किया जा सकता। ये आप पर कभी भी हमला कर सकते हैं।

-चाणक्य ने आगाह किया है कि न सिर्फ पशु बल्कि उन लोगों से भी सावधान रहें जो आपके मुंह पर मीठा बोलते हैं और पीठ पीछे आपकी ही बुराई करते हैं। ऐसे लोग कभी किसी के सगे नहीं होते।

-चाणक्य के अनुसार लालची, स्वार्थी और अहंकारी व्यक्ति से सोच समझकर दोस्ती करनी चाहिए। ये लोग अपने फायदे के लिए कभी भी आपको मोहरा बना सकते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर कल्कि 2898 एडी की सुनामी

फिल्म ने दुनियाभर में 600 करोड़ का आंकड़ा किया पार

प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर लगातार धमाल मचा रही है. प्रभास, अमिताभ बच्चन और दीपिका पादुकोण की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफलता की राह पर है. फिल्म ने 1 जुलाई को रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है. शुरुआती अनुमानों के अनुसार, कल्कि 2898 एडी ने मात्र पांच दिनों में शाहरुख खान की जवान और रणबीर कपूर की एनिमल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है.रिपोर्ट्स की शुरुआती अनुमान के अनुसार, कल्कि 2898 एडी ने दुनियाभर में 600 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की. फिल्म ने अपनी रिलीज के 5वें दिन दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर में लगभग 84 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की. भारत में इस फिल्म ने सिर्फ पांच दिनों में 343 करोड़ रुपये की कमाए हैं.सैकनिल्क के अनुसार, कल्कि 2898 एडी ने सोमवार को भारत में सभी भाषाओं में 34.6 करोड़ से अधिक की कमाई की.

जबकि इसका ओवरसीज कलेक्शन लगभग 45-50 करोड़ रुपये के बीच था, जिससे इसका कुल कलेक्शन 635 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है.इससे पहले, कल्कि 2898 एडी के मेकर्स ने जानकारी दी थी कि फिल्म ने अपने शुरुआती वीकेंड में वैश्विक स्तर पर 550 करोड़ रुपये की

कमाई की है. भारत में ओपनिंग डे पर कल्कि 2898 एडी ने 191 करोड़ रुपये का शानदार बिजनेस किया था.

रिपोर्ट्स के अनुसार, तेलुगु और हिंदी वर्जन अन्य भाषाओं की तुलना में अच्छी कमाई कर रही हैं. 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद से ही यह साइंस-फिक्शन फिल्म लगातार रिकॉर्ड तोड़ रही है.कल्कि 2898 एडी ने भारतीय सिनेमा में तीसरी सबसे बड़ी ओपनर बनकर उभरी है.

इसने पहले दिन ही ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर 191 करोड़ रुपये की भारी कमाई की. आरआरआर अभी भी (223 करोड़ रुपये) सबसे ज्यादा ओपनिंग करने वाली भारतीय फिल्म बनी हुई है, इसके बाद बाहुबली 2 का नंबर है जिसने अपने पहले दिन 217 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था.

27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई कल्कि में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि शोभना, पसुपति, शाश्वत चटर्जी, अन्ना बेन, दिशा पटानी और ब्रह्मानंदम सहायक भूमिकाओं में हैं. रिपोर्टों के अनुसार, वैजयंती मूवीज ने इसे 600 करोड़ रुपये के भारी बजट में बनाया है

कमल हासन की इंडियन 2 का कैलेंडर सॉन्ग रिलीज

सुनते ही झूमने पर हो जाएंगे मजबूर

कमल हासन स्टारर मोस्ट अवेटेड एक्शन ड्रामा इंडियन 2 अपनी पैन इंडिया रिलीज के लिए तैयार है. मेकर्स फिल्म के प्रमोशन में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. हाल ही में उन्होंने फिल्म से नया सिंगल रिलीज किया है, जिसका टाइटल है कैलेंडर सॉन्ग. लाइका प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के गाने का पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, कैलेंडर सॉन्ग की वाइब्स को एंजॉय करें, यह धूम मचाने का समय है.मेकर्स ने फिल्म का नया सिंगल कैलेंडर सॉन्ग रिलीज कर दिया है. खास बात यह है कि इस गाने में मिस यूनिवर्स 2017 डेमी-लेघ टेबो शामिल है. इस गाने को लोग काफी पसंद कर रहे हैं. इससे पहले फिल्म के और भी गाने रिलीज किए हैं जिन्हें दर्शकों ने खूब पसंद किया. जिनमें म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने दिया है.शंकर के निर्देशन में बनी इंडियन 2 की रिलीज अभी मुसीबत में हैं. दरअसल मदुरै के वर्माकलाई आसन (वर्मा गुरु) राजेंद्रन ने मदुरै डिस्ट्रिक्ट लॉ कोर्ट में याचिका दायर कर फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की है. उन्होंने कहा, इस फिल्म के प्रोमो में वर्मा मुद्रा का यूज किया गया है. जिन्हें मैंने कमल हासन को इंडियन के लिए सिखाया था और मुझे इसके लिए इंडियन 2 में कोई क्रेडिट नहीं दिया गया है. इसीलिए फिल्म की रिलीज पर रोक लगाई जानी चाहिए. फिलहाल इस केस की सुनवाई को 9 जुलाई तक पोस्टपोन कर दिया है.एस शंकर द्वारा निर्देशित, इंडियन 2 में सिद्धार्थ, एसजे सूर्या, काजल अग्रवाल और रकुल प्रीत सिंह भी खास रोल में हैं. इंडियन 2 साल 1996 में रिलीज हुई फिल्म इंडियन का सीक्वल है जिसमें कमल हासन अपनी सेनापति की भूमिका दोहराते नजर आएंगे साथ ही भ्रष्टाचार का खात्मा करने के लिए एक बड़ी लड़ाई लड़ेंगे. इंडियन 2 दुनियाभर के सिनेमाघरों में 12 जुलाई को रिलीज होगी.

श्वेता तिवारी ने रिवीलिंग लहंगा पहन बढ़ाया इंटरनेट का पारा, कैमरे के सामने जमकर दिए पोज

श्वेता तिवारी हमेशा अपने स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनकी हर एक अंदाज इंटरनेट पर शेयर होते ही बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपनी लेटेस्ट फोटोज से फैंस की हार्ट बीट तेज कर दी है। श्वेता तिवारी अपने इस आउटफिट में बेहद ही स्टनिंग और हॉट लग रही हैं।टीवी अभिनेत्री श्वेता तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी और खूबसूरती का जलवा फैंस के बीच इस कदर बिखेरा है की लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही स्टाइलिश बेज कलर का वेस्ट कोट और ट्राउजर पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई हुस्न की बिजलियां गिराती हुई नजर आ रही हैं।श्वेता तिवारी जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती है। उनकी नजाकते वाकई काबिले-तारीफ है।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस लिफ्ट में नजरें झुकाते हुए हॉट फोटोशूट करवा रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस 43 साल की हो चुकी हैं, लेकिन उन्होंने खुद को काफी फिट रखा हुआ है। अपनी फिटनेस को बरकरार रखने के लिए एक्ट्रेस अक्सर हेल्दी डाइट फॉलो करती हैं।

चंदू चैंपियन की दैनिक कमाई में भारी गिरावट फिर लाखों में सिमटा दैनिक कारोबार

देश के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित चंदू चैंपियन बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी।हालांकि, कबीर खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के अभिनय की खूब तारीफ हो रही है।इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज का तीसरा सप्ताह चल रहा है और हर गुजरते के साथ फिल्म की कमाई की रफ्तार धीमी हो गई है।चंदू चैंपियन का कारोबार लाखों में सिमट गया है।

अब चंदू चैंपियन की कमाई के 18वें दिन के आंकड़े सामने आए हैं, जिसे देखकर ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि इस फिल्म को जल्द सिनेमाघरों में हटाया जाएगा।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, चंदू चैंपियन ने 18वें दिन 45 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 59.10 करोड़ रुपये हो गया है।फिल्म में विजय राज और राजपाल यादव ने भी अहम भूमिका निभाई है। साजिद नाडियाडवाला इस फिल्म के निर्माता हैं।अब कार्तिक भूल भुलैया 3 में नजर आएंगे, जिसमें उनकी जोड़ी पहली बार तृप्ति डिमरी के साथ बनी है। इस दिनों वह इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं।

पहली बार पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं मराठी एक्ट्रेस ह्रता दुर्गुले

मराठी एक्ट्रेस ह्रता दुर्गुले आगामी थ्रिलर सीरीज कमांडर करण सक्सेना में पहली बार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाने जा रही हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की।रचना म्हात्रे की भूमिका निभाने को लेकर ह्रता ने अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा, रचना का किरदार निभाना एक शानदार अनुभव रहा है। किरदार में कई रंग हैं, इसलिए मैं दृश्यों को करते हुए बहुत कुछ एक्सप्लोर कर पाई। मेरे निर्देशक जतिन वागले सर ने शूटिंग के दौरान मेरा बहुत साथ दिया। उन्हीं की वजह से मैं पुलिस और रॉ की बारीकियों को समझ पाई।ह्रता ने कहा, मैं पहली बार पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हूं। सच कहूं तो, मैं स्पेशल ऑपरेशन जैसे शो की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हूं। मैं एक कलाकार के तौर पर उस दुनिया को एक्सप्लोर करना चाहती थी। मैं इसके लिए आभारी हूं कि मैं रचना का किरदार निभा पाई। रचना का कभी हार न मानने वाला रवैया मुझे व्यक्तिगत रूप से पसंद है। एक अच्छी बेटी और एक अच्छी पुलिस अधिकारी बनने की उसकी निरंतर लड़ाई मुझे उसकी मानवता से प्यार करने पर मजबूर करती है।जतिन वागले द्वारा निर्देशित और कीलाइट प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित कमांडर करण सक्सेना को अमित खान ने लिखा है।इस सीरीज में गुरमीत चौधरी मुख्य भूमिका में हैं और इकबाल खान भी हैं। यह एक निडर रॉ एजेंट की कहानी है जो देश की सुरक्षा के लिए एक बड़े राजनीतिक रहस्य को सुलझाने की कोशिश करता है।यह सीरीज 8 जुलाई को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रीमियर होने वाली है।ह्रता ने अनन्या, टाइमपास 3, सर्किट और कन्नी जैसी फिल्मों में भी अभिनय किया है।

मुंज्या की कमाई लाखों में सिमटी

इन दिनों सिनेमाघरों में कई फिल्में दर्शकों के मनोरंजन के लिए लगी हुई हैं, जिनमें एक नाम हॉरर और कॉमेडी से भरपूर फिल्म मुंज्या का नाम भी शामिल है।इस फिल्म को रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा होने जा रहा है और यह दर्शकों के बीच पकड़ मजबूत बनाए हुए है।हालांकि, प्रभास की कल्कि 2898 एडी के रिलीज होते ही मुंज्या की कमाई लाखों में सिमट गई है।आइए जानते हैं फिल्म ने 25वें दिन कितने लाख रुपये कमाए।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, मुंज्या ने अपनी रिलीज के 25वें दिन यानी सोमवार को 55 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 95.45 करोड़ रुपये हो गया है।दुनियाभर में इस फिल्म ने 112.83 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है।

शोटाइम का नया ट्रेलर जारी, इमरान हाशमी और मौनी रॉय फिर आएंगे साथ

धर्मेटिक एंटरटेनमेंट ने पहले शोटाइम के पहले पांच एपिसोड जारी किए थे, जिसमें इमरान हाशमी, मौनी रॉय, महिमा मकवाना और अन्य प्रमुख भूमिकाओं में थे। इस सीरीज़ को फैंस और आलोचकों दोनों से सकारात्मक रिएक्शन मिली। हाल ही में, मेकर्स ने स्ट्रीमिंग के लिए सभी 12 एपिसोड जारी करने की घोषणा की। उत्साह को बढ़ाते हुए, उन्होंने अब एक ट्रेलर जारी किया है जो शेष एपिसोड में सामने आने वाली कहानी का पूर्वावलोकन करता है।इमरान हाशमी, मौनी रॉय, महिमा मकवाना और श्रिया सरन का शोटाइम ट्रेलर रिलीज़ हुआ हाल ही में रिलीज़ हुए शोटाइम के आधिकारिक ट्रेलर में, इमरान हाशमी का किरदार अपना विक्ट्री स्टूडियो खो देता है, जिसे नसीरुद्दीन शाह द्वारा यह तय करने के बाद कि वह इसे बेहतर तरीके से संभाल सकती हैं, एक मनोरंजन पत्रकार महिमा मकवाना संभाल लेती हैं। इस बीच, अपने डांस नंबरों के लिए मशहूर मौनी रॉय ने अपना ध्यान एक पूरी तरह से जासूसी थ्रिलर फिल्म में अभिनय करने पर केंद्रित कर दिया है।दूसरी ओर, राजीव खंडेलवाल खुद को एक स्टार कहते हैं, जबकि हाशमी अपनी फ्लॉप फिल्मों का हवाला देते हुए इससे असहमत हैं। ट्रेलर से पता चलता है कि हाशमी का किरदार अपने स्टूडियो को वापस पाने के लिए संघर्ष करता है और दिखाता है कि महिमा इसे चलाने में सक्षम नहीं है। यह सीरीज़ मशहूर

हस्तियों के जटिल जीवन और शोबिज इंडस्ट्री में उनके संघर्षों को दर्शाती है, जिससे पता चलता है कि हर चमकने वाली चीज़ सोना नहीं होती।मिहिर देसाई और अर्चित कुमार द्वारा डायरेक्ट शोटाइम, रघु खन्ना की मुक्ति और महत्वाकांक्षा की यात्रा को दर्शाता है।

यह रिश्तों को सुधारने और अपनी प्रतिष्ठा को पुन: प्राप्त करने के उनके प्रयासों पर केंद्रित है, जिसमें इसके पात्रों के वास्तविक जीवन और मनोरंजन उद्योग के भीतर उनके संघर्षों को दर्शाया गया है। इस सीरीज़ में महिमा मकवाना, मौनी रॉय, राजीव खंडेलवाल, श्रिया सरन, नसीरुद्दीन शाह और विजय राज सहित कई स्टार कलाकार शामिल हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे। थकाऊ और उबाऊ दिन को अलविदा कहने के लिए एक बढ़िया डिनर की योजना बनाएँ। उनका साथ आपके शरीर में फिर से ऊर्जा भर देगा। पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच–समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। वो आपसे रूठें इससे ही पहले ही अपनी गलती का अहसास कर लें और उन्हें मना लें। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शाम को मंदिर में घी का दीपक अवश्य जलाये जिससे आपके सारे कष्ट दूर हो सके. आपके प्रियजन ख़ुश हैं और आपको शाम के लिए उनके साथ कोई योजना बनानी चाहिए. किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है. धार्मिक स्थलों पर जाना आपके अच्छा रहेगा. किसी पसंदीदा व्यक्ति से भी संपर्क हो सकता है. अपनी सेहत पर ध्यान दें खान–पान में सावधानी रखें. दाम्पत्य जीवन खुशहाली से परिपूर्ण रहेगा.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

प्रेमियों के लिए समय अनुकूल है. जो लोग प्रेम विवाह की प्रतीक्षा में थे उन्हें भी अब मुंह मांगी मुराद मिलने वाली है. खोई हुई वस्तु के मिलने से ख़ुशी होगी. परीक्षा–प्रतियोगिता के लिए भी समय थोड़ा कमज़ोर है, सफल होने के लिए अधिक और कठिन परिश्रम करें. रिश्तेदारों की तरफ से भी कोई दुखद समाचार का योग है. गलत लोगों की संगत के कारण कुछ गलत कर्मों की ओर रुझान बढ़ेगा ऐसे में क्या करना चाहिए यह निर्णय आप स्वयं लें. किसी के बहकावे में आकर कोई ऐसा निर्णय ना लें जिसके कारण आपको शर्मिंदा होना पड़े.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

करियर में कुछ बदलाव हो सकते हैं. इस दिशा में आज आप प्लानिंग भी शुरू कर दें. आज स्थिति में काफी सुधार भी हो सकता है. आप अपनी कोशिशों में बहुत हद तक सफल रहेंगे. पैसा खर्चा होगा और ये आपके लिए अच्छा भी रहेगा. करीबी लोगों के लिए कुछ त्याग करनापड़े, तो संकोच न करें. पार्टनर से संबंध अच्छे रहेंगे. आपकी सकारात्मक सोच कारगर हा सकती है. कामकाज के बजाए योजना बनाने में ज्यादा समय लगेगा. संतान पर ध्यान दें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही–सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही–सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपको उत्कृष्ट परिणाम प्रदान कर सकता है. अगर आप नौकरी की तलाश में हैं तो आपको अब और इंतजार नहीं करना पड़ेगा. यदि आप अपना खुद का व्यवसाय कर रहे हैं या रचनात्मक नौकरियों से जुड़े हैं तो आपको आगे बढ़ने के अच्छे अवसर मिलेंगे. नौकरीपेशा जातकों के लिए पदोन्नति संभव है. भाग्य आपके पक्ष में है इसलिए अपने अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं. काम से संबंधित यात्रा अचानक उत्पन्न हो सकती है जो नए दरवाजे खोलने में मदद करेगी. पारिवारिक सदस्यों एवं मित्रों संग मौज–मस्ती में समय व्यतीत होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जरूरी काम हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ शुरू करेंगे. सफलता मिल जाएगी. थोड़ा बहुत त्याग भी करना होगा.
वृश्चिक राशि वालों के कॉन्टैक्ट्स अपडेट होंगे. कुछ गुप्त सूचनाएं और जानकारियां आपको मिल सकती हैं. कामकाज निपटाने के लिए थोड़ा बहुत पैसा खर्च करेंगे और आगे बढ़ जाएंगे.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप कोई नया बिजनेस शुरू सकते हैं . आपको घर के बड़ों से पूरा सपोर्ट मिलेगा. आर्थिक रूप से पिता आपकी मदद करेंगे. आज आप बच्चों को कहीं घूमाने ले जा सकते हैं. परिवार में खुशहाली और तालमेल बना रहेगा. अगर आपकी संतान विवाह के लायक है, तो उनके लिये कोई अच्छा रिश्ता आ सकता है. सेहत के लिहाज से आप फिट रहेंगे. ऑफिस में अपना काम अच्छे से पूरा करेंगे. शाम को आप परिवार के साथ किसी फंक्शन में जा सकते हैं. मन्दिर में मिट्टी का बर्तन दान करें, आपको सबका सपोर्ट मिलेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समझौते और धैर्य का मन बना कर चलें. वाणी पर संयम रखें वरना विवाद हो सकता है. जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है. चीजों की नए सिरे से शुरुआत करनी पड़े, लेकिन आपके लिए ये अच्छा रहेगा. आज आप अपने निर्धारित किए गए कार्य को पूरा करेंगे. आपकी सेहत खराब हो सकती है. आप किसी भी कीमत पर अपने लक्ष्य को पाने की आशा ना छोड़ें

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप व्यावसायिक रूप से बहुत सफल होंगे और आपका नाम और प्रसिद्धि व्यापक होगी. आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे और आपका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ जाएगा. आप अपने वरिष्ठों और सहकर्मियों का ध्यान समान रूप से आकर्षित करेंगे. प्राधिकरण और रैंक के व्यक्ति आपके पक्ष में होंगे और आप एक उच्च जिम्मेदार पद पर आसीन हो सकते हैं. आपकी आमदनी बढ़ेगी. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदमय रहेगा और आपके बच्चे आपके लिए गर्व का स्रोत बनेंगे.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बिना प्लानिंग किए भी कोई बड़ा काम जल्दी हो सकता है. आपके रिश्तों में अचानक बड़े बदलाव होने के योग हैं. मन की बात जताने और रूठे हुए लोगों को मनाने का समय है. इससे आप अच्छा महसूस करेंगे. आप में उत्साह भी बहुत रहेगा. मन में अच्छे विचार आएंगे. लोग आपसे आपके विचारों के बारे में बातें कर सकते हैं. आज आप अपने लिए नए अवसर तलाश करने की पूरी कोशिश करें. कुछ महत्वपूर्ण लोगों से दोस्ती हो सकती है. परिवार से सहयोग मिलता रहेगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 04 जुलाई 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी उत्तर रात्रि 05:56 तक
नक्षत्र : मृगशिरा उत्तर रात्रि 03:55 तक
योग : गण्ड प्रातः 06:58 तक
करण : वणिज प्रातः 05:56 तक
चन्द्रराशि : वृषभ सायं 03:58 तक
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:39 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत , भद्रा प्रातः 05:55 से सायं 05:34 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान विधानसभा सत्र के पहले दिन ही विपक्ष का जोरदार हंगामा

हाथरस हादसे के दिवंगतों को दी गई श्रद्धांजलि, सदन की कार्रवाई स्थगित

जयपुर, 03 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की सोलहवीं विधानसभा के दूसरे सत्र की बुधवार को शुरुआत हुई और इसके पहले दिन ही सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण के साथ होने की मांग को लेकर विपक्ष के सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया।

सत्र पूर्वाह्न ग्यारह बजे शुरु होते ही नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण के साथ होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि यह संविधान के नियमों का उल्लंघन है। साल के पहले सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से कराने का नियम है। विपक्ष के सदस्यों के हंगामा करने पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि सत्र की शुरुआत नियमों के तहत ही हुई है। श्री पटेल ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण आम चुनाव के बाद सत्र शुरु होने पर एक बार ही होता है। उन्होंने कहा कि यह दूसरा सत्र है और पहला सत्र इससे पहले हो चुका। ऐसे में हर बार राज्यपाल का अभिभाषण नहीं होता। इस पर श्री जूली ने कहा कि इस साल का पहला सत्र अब शुरु हुआ है और इसकी शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होनी चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने व्यवस्था देकर सदन को सुचारू करने की कोशिश की लेकिन विपक्ष के सदस्य हंगामा करते रहे।

इस पर श्री देवनानी ने कहा कि पहला सत्र गत दिसंबर में शुरू हुआ था जो कि जनवरी तक चला और पहले सत्र में राज्यपाल का अभिभाषण हो गया और अब दूसरे सत्र में अभिभाषण की कोई जरुरत नहीं हैं। इस दौरान श्री जूली ने उनका माइक बंद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि संसद के बाद अब विधानसभा में भी विपक्ष के नेताओं की आवाज दबाने के लिए माइक बंद किए जा रहे है।

बाद में श्री देवनानी ने कहा कि सबकी बात सुनी जायेगी अभी सत्र शुरु हुआ हैं इसे सुचारु रुप से चलने दे और सभी सदस्य अपनी जगहों पर जाएं। इसके बाद विपक्ष के सदस्य अपनी जगह पर आ गये। सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही शुरु होने के बाद करीब 25 मिनट तक विपक्ष ने हंगामा किया और नारेबाजी की।

हंगामे के बीच ही बांसवाड़ा जिले के बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक जयकृष्ण पटेल को विधानसभा सदस्य पद की शपथ दिलाई गई। श्री जयकृष्ण पटेल ने हिन्दी में शपथ ली। भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के जयकृष्ण पटेल ने बागीदौरा में हुए उपचुनाव में पहली बार विधायक चुने गए। श्री देवनानी ने सांसद ओम बिरला के पुन: लोकसभा अध्यक्ष निर्वाचित होने पर उनके लिए बधाई संदेश पढ़ा। बाद में सदन में गुजरात, त्रिपुरा एवं मिजोरम की पूर्व राज्यपाल कमला बेनीवाल, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर जोशी एवं राजस्थान के कई पूर्व विधायकों के निधन पर उनके लिए शोकाभिव्यक्ति की गई। सदन में उत्तरप्रदेश के हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत पर भी शोक प्रकट किया गया। इसके बाद 11 बजकर 40 मिनट पर सदन की कार्यवाही गुरुवार पूर्वाह्न ग्यारह बजे तक स्थगित कर दी गई।

प्रदूषण मुक्त एवं हरित राजस्थान के लिए लगाए जाएंगे 20 लाख पौधे

जयपुर, 03 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदूषण मुक्त राज्य एवं हरित राज्य की संकल्पना को साकार करने के क्रम में लगातार सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं ताकि आने वाली पीढ़ी को बेहतर कल के साथ स्वक्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण दिया जा सके। इसके लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल राज्यभर में क्षेत्रवार 20 लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।मंडल के सदस्य सचिव एन विजय ने बताया कि राज्य को प्रदूषण मुक्त एवं हरित राज्य के रूप में एक आदर्श राज्य स्थापित करने के लिए अन्य विभागों एवं अधिकारियों एवं कर्मचारियों के माध्यम से सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पौधरोपण महाभियान के तहत जहां व्यापक स्तर पर राज्य भर में पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है वहीं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए गए पौधों से भावनात्मक जुड़ाव के तहत संरक्षण एवं संवर्धन की विशेष पहल की गयी है। श्री विजय ने बताया कि इसके तहत अब मंडल द्वारा राज्यभर में क्षेत्रवार 20 लाख से अधिक पौधे लगाए जायेंगे। उन्होंने बताया कि ये पौधे मुख्यतया उद्योगों एवं उनके आस–पास वाले क्षेत्र में लगाए जाएंगे ताकि औद्योगिक गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण से आस–पास के क्षेत्रों को प्रदूषण मुक्त किया जा सके। ये कार्य आमजन, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं अन्य हितधारकों के माध्यम से किया जायेगा। जिसके लिए सम्बंधित क्षेत्रीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी कर दिए गए हैं। श्री विजय ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य भर में व्यापक स्तर पर पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा हरित प्रदेश की इस संकल्पना को साकार करने के क्रम में जो जोत जलायी गयी है, उसे साकार करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। अतः पौधारोपण का यह कार्य तब ही सफल होगा, जब लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन की जिम्मेदारी मूल कर्तव्य के रूप में ली जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के प्रत्येक व्यक्ति को अपने दैनिक दिनचर्या में पौधों की देखभाल करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए ताकि आने वाले समय में राज्य न केवल एक हरित प्रदेश के रूप में स्थापित हो सकेगा बल्कि हम एक बेहतर कल की संकल्पना को शीघ्र ही साकार कर पाएंगे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से टेम्पो सवार तीन लोगों की मौत, 10 से अधिक घायल

दौसा, 03 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 21 पर अज्ञात वाहन की टक्कर से टेम्पो में सवार तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई तथा दस से अधिक घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मैजिक टेंपो में सवार सभी श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के हापुड़ और मुरादाबाद के निवासी थे, जो खाटूश्याम के दर्शन कर वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान मंगलवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग पर गिर्राज धरण मंदिर के समीप आगे चल रहे केंटर ने अचानक ब्रेक लगा दिया। ऐसे में केंटर को बचाने के प्रयास में टेम्पो चालक ने अपना उनका वाहन धीरे कर लिया, लेकिन तभी पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने मैजिक टेंपो को पीछे से जोरदार टक्कर मारी। इसके बाद आगे और पीछे चल रहे दोनों वाहन फरार हो गए वहीं टेंपो में सवार महिला बच्चों सहित 15 लोग टेंपो में फंस गए। हादसे की सूचना पर सदर थाना पुलिस जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंची।पुलिस ने हादसे में घायल हुए सभी लोगों को एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में उपचार के दौरान छोटू पुत्र जयपाल और समंत्रा पत्नी ओमप्रकाश की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल चार लोगों को जयपुर रेफर किया गया जिसमें से विद्या की रास्ते में मौत हो गई।

25 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार, लूट की नियत से गोली मारकर की थी हत्या

रेवाड़ी, 03 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के रेवाड़ी की अपराध शाखा–1 इंचार्ज निरीक्षक सुमेर सिंह की टीम ने 25 साल से फरार चल रहे आरोपी को काबू कर लिया है। आरोपी की पहचान यूपी के जिला हापुड़ के हर्ष विहार निवासी विनोद सागर उर्फ डॉक्टर के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। निरीक्षक सुमेर सिंह ने बताया कि दिनांक 3 नवंबर 1999 को गांव गुर्जर घटाल के पास एक गाड़ी में आए तीन बदमाशों ने भिवाड़ी कंपनी में काम करने वाले दो कर्मचारी अनिल नैय्यर व सतीश जोशी को गोली मार दी तथा उनसे 40 हजार रुपये लूट कर ले गए थे।उपचार के दौरान सतीश जोशी की मृत्यु हो गई थी। जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना धारूहेड़ा में लूट, हत्या व आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके मामले में दो आरोपी नरेंद्र व सतीश को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

कांग्रेस में परिवारवाद को तरजीह, भाजपा सबको साथ लेकर चलने वाली पार्टी : बबीता फौगाट

चरखी दादरी, 03 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के चरखी दादरी में पूर्व अंतरराष्ट्रीय पहलवान एवं भाजपा नेता बबीता फौगाट ने बुधवार को प्रेसवार्ता में कांग्रेस पर तंज कसा और भाजपा की नीतियों का गुणगान किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की परिपाटी परिवारवाद की है, जबकि भाजपा सबको साथ लेकर चलने वाला संगठन है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरपंचों के लिए कई घोषणाएं कर ग्रामीण विकास को गति प्रदान की है।

आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने के सवाल का जवाब देते हुए बबीता फौगाट ने कहा कि ये फैसला लेना संगठन का काम है। उन्होंने कहा कि पहले खाप पंचायतें समाजहित को ध्यान में रखते हुए समाज सुधार के लिए काम करती थी। उनका राजनीति से दूर–दूर तक वास्ता नहीं था लेकिन अब चीजें दूसरी तरफ जा रही हैं। सभी को मिलकर समाज की बेहतरी के लिए काम करना चाहिए।

बबीता ने कहा कि अब सरपंच अपने गांवों में पांच लाख के बजाय 21 लाख रुपये तक के काम बिना टेंडर के करवा सकेंगे। मिट्टी भरत का भुगतान भी सरकार की ओर से किया जाएगा। प्रशासनिक कार्यों के लिए सरपंचों को 16 रुपये प्रति किलोमीटर के अनुसार टीए दिया जाएगा। ग्राम सचिव की एसीआर पर भी सरपंच टिप्पणी कर सकेंगे। इसके अलावा गांवों में होने वाले कार्यक्रमों के लिए भी बजट में बढ़ोतरी की गई है। बबीता फौगाट ने कहा कि कांग्रेस केवल परिवारवाद की विचारधारा वाली पार्टी है। देश में मां अपने बेटे और प्रदेश में बाप अपने बेटे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। यही कारण रहा कि किरण चौधरी को भी इनसे परेशान होकर कांग्रेस छोड़ने का फैसला लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि किरण चौधरी ने सही समय पर सही फैसला लेते हुए भाजपा ज्वाइन की है।

पिता लगाते हैं जूस की रेहड़ी, बेटे ने नेशनल गेम्स में जीता ब्रांज

पंचकूला, 03 जुलाई (एजेंसियां)। गरीब परिवार के बेटे ने नेशनल इंटर स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ब्रांज मेडल जीतकर शहर औ परिवार का नाम रोशन किया है। पंचकूला के सेक्टर–1 खड़क मंगोली निवासी गगन सिंह ने पांच किलोमीटर की दौड़ 14 मिनट 5 सेकंड में पूरी कर यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं अगर गगन यह दौड़ एक मिनट पहले पूरी कर लेते तो वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर जाते। लेकिन वह एक मिनट के अंतर से पेरिस ओलंपिक में क्वालीफाई करने से चूक गए।

गगन सिंह सिंह बेहद गरीब परिवार से हैं। उनके पिता जूस की रेहड़ी लगाते हैं। गगन ने ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित 63वें नेशनल इंटर स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की पांच किलोमीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। गगन का कहना है कि परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक करने के लिए सेना में भर्ती होना चाहते थे। इसके लिए ताऊ देवीलाल स्टेडियम में दौड़ लगाते थे। वहां कोच जितेंद्र बांगड़ ने उनका पिंजौर के सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एडमिशन करवाया। कोच की वजह से उन्होंने 2018 स्कूल नेशनल गेम्स में तीन किलोमीटर में सिल्वर मेडल जीता और 800 मीटर में ब्रांज मेडल जीता। इसके बाद पुणे में आयोजित खेलो इंडिया गेम्स में 800 मीटर की दौड़ में ब्रांज मेडल जीता। यूथ एशियन गेम्स के लिए छत्तीसगढ़ में उनका चयन हुआ था। इसके बाद वह हांगकांग खेलने गए थे।

गगन सिंह ने बताया कि उनका परिवार चाहता था कि वे सेना में भर्ती होकर घर की आर्थिक स्थिति ठीक करे। जब खेल में अच्छा करने लगे तो घरवालों ने कहा कि एक साल और खेल ले। जब साल दर साल खेल अच्छा होता गया तो घर वालों ने उत्साहवर्धन किया और खेल में कॅरियर बनाने दिया। परिवार सेक्टर–1 खड़क मंगोली में रहता है। वहां का माहौल देखकर परिजनों ने कभी वहां नहीं रहने दिया। गगन सिंह का कहना है कि वर्तमान में खड़क मंगोली में मम्मी और पापा रहते हैं। घरवालों ने भाई और बहन को भी वहां नहीं रहने दिया। वे ढाई साल से नागपुर में ट्रेनिंग कर रहे हैं। गगन सिंह ने बताया कि 2016 से 2022 तक सेक्टर–3 के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में अभ्यास किया। वर्तमान में नासिक के मीना ताई ठाकरे स्टेडियम में अभ्यास चल रहा है। हर माह रहने और ट्रेनिंग पर करीब 15 से 20 हजार रुपये खर्च आता है। कुछ घर वाले तो कुछ समाजसेवी लोग आर्थिक मदद करते हैं। कोच जितेंद्र बांगड़ ने लोगों को उनके बारे में बताकर आर्थिक मदद करवाई है। लोगों द्वारा आर्थिक मदद करने के कारण ही वह खेलों में अपना कॅरियर बना रहे हैं। ओलंपिक में भारत के लिए मेडल लेकर उनका सपना है।

बलराज उर्फ गोली हत्याकांड का मास्टरमाइंड बल्लू शूटरों सहित गिरफ्तार

फतेहाबाद, 03 जुलाई (एजेंसियां)। जिला पुलिस ने बलराज उर्फ गोली हत्याकांड के मामले में मास्टरमाइंड एवं साजिशकर्ता बलराज उर्फ बल्लू समेत वारदात में संलिप्त चार आरोपियों को भी काबू किया है। पकडे गए आरोपियों की पहचान बलराज उर्फ बल्लू पुत्र धर्मपाल निवासी बहबलपुर, विकास उर्फ गोलू पुत्र सुरेश कुमार निवासी खेमा खाती चौक फतेहाबाद, मुकेश उर्फ मुकेशिया पुत्र गुगन राम निवासी खान मोहम्मद, संजय उर्फ संजू पुत्र बलवीर सिंह निवासी बन सुथार जिला सिरसा व बिन्दु कुमार पुत्र पप्पू राम निवासी खाई पूर के रूप में हुई है। उप–पुलिस अधीक्षक जयपाल सिंह फतेहाबाद ने बताया कि 15 जून को एपैक्स स्कूल के सामने शनि मंदिर के पास सतीश कॉलोनी फतेहाबाद में मोटरसाइकिल सवार हमलावरों द्वारा बलराज उर्फ गोली पर रंजिशन गोली मारी गयी थी। जिस पर पुलिस सूचना पाकर तुरन्त मौका पर पहुंच कर अहम सबूत इकट्ठा कर मामले को गंभीरता से लेते हुए विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया व आरोपियों को काबू करने के लिये पुलिस की 5 टीमें गठित की गई। मामले में पहले 8 आरोपी पकड़े जा चुके है। इसी वारदात में साजिशकर्ता एवं मास्टरमाइंड आरोपी बलराज उर्फ बब्लू सहित विकास उर्फ गोलू, मुकेश उर्फ मुकेशिया, संजय उर्फ संजू व बिन्दु कुमार को काबू किया गया है। पकडे गये सभी पांचों आरोपियों को कोर्ट में पेश करके पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

राहुल गांधी जैसे लोगों का बहिष्कार करना चाहिए
इनको मंदिर में घुसने की जरूरत नहीं : सम्राट चौधरी

पटना (एजेंसियां)।
उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कांग्रेस के वरीय नेता राहुल गांधी पर हमला बोला है। मंगलवार दोपहर गोपालगंज पहुंचते ही सम्राट चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी जैसे लोगों का बहिष्कार कर देना चाहिए। हिन्दू या सनातनी कभी हिंसक नहीं हो सकता है। सनातन ने मुगल, अंग्रेजों को भी सहने का काम किया है। अयोध्या जाने के क्रम में गोपालगंज पहुंचे डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने राहुल गांधी को किसी भी मंदिर में घुसने देने की जरूरत नहीं है। ऐसे लो-गो को बहिष्कृत करना चाहिए।

सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार व देश के सनातन के लोगो से आग्रह करूंगा कि

राहुल गांधी जैसे लोग जिस तरह हिंसा की बात कर रहे हैं। सनातन ने तो सबको सहा है। मुगल आये उनको सहने का काम किया। अंग्रेज आए उनको सहा। सबने लूटा तब भी सहने का काम किया। हिंदु या सनातनी कभी हिंसक हो ही नहीं सकता है। हमारे मंदिरों को तोड़ा गया और उसपर मस्जिद बनाए गए तब भी हिंदुस्तान के सनातन के लोगो ने बर्दाश्त किया। इसलिए मैं तो सभी सनातनियों से आग्रह करूंगा कि ऐसे लोगों का समाज से बहिष्कृत कर देना चाहिए। इनके किसी कार्यक्रम में आये किसी सनातनी को नहीं जाना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अयोध्या जाने के क्रम में गोपालगंज के विधान पार्षद राजीव कुमार उर्फ गप्पू बाबू के आवास पर एक कार्यक्रम में शामिल हुए। वहां उन्होंने राहुल गांधी पर जोरदार हमला किया । कार्यक्रम में भाजपा के जिला अध्यक्ष संदीप कुमार गिरी, विवेकानंद पांडेय, उमेश प्रधान, रवि प्रकाशमणि त्रिपाठी, चंद्रमोहन पांडेय, राजू चौबे, अरविंद सिंह, राजीव रंजन तिवारी, संतोष मिश्रा, सोनू पांडेय,रविकांत पांडेय, अक्षयवर सिंह, शैलेंद्र दीक्षित, रामजी राय सहित भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे।

तीन साल की मासूम के साथ हैवानियत
घर से उठाकर ले गया हैवान दुष्कर्म कर नदी किनारे फेंका

पटना (एजेंसियां)।
नवादा जिले के नारदीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में तीन वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। दरिंदों ने मासूम बच्ची के उम्र का ख्याल नहीं रखा। घटना के बाद स्थानीय थाना को लिखित आ-वेदन दिया गया है और परिवार के लोगों ने न्याय की गुहार लगाई है। बच्ची के चाचा ने बताया कि मेरी भतीजी जो तीन वर्ष की है उसके साथ किसी अज्ञात लोगों ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है।

उन्होंने बताया कि रात में घर में हम लोग सभी सोए हुए थे। इस दौरान दरिंदा मंगलवार देर रात मेरी बच्ची को उठा कर ले गया। फिर अचानक नींद खुला तो देखा कि बच्ची नहीं है और इधर-उधर काफी खोजबीन किया तब भी पता नहीं चला फिर जानकारी मिला की नदी के किनारे मुंह बांधकर मेरी बच्ची को फेंका दिया। जब हमलोग वहां पहुंचे तो देखा कि बच्ची दर्द से कराह रही थी। उसके प्राइवेट पार्ट से काफी खून निकल रहा है। उसके बाद इस घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दिया गया और फिर पुलिस मौके पर पहुंची ओर बच्ची को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। बच्ची की मेडिकल जांच भी की जा रही है।

एसआई कमलेश कुमार ने बताया कि बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। परिवार के लोगों ने दुष्कर्म की बात कही है। सूचना मिलते ही हम लोगों ने बच्ची को अस्पताल में लाकर इलाज करवा रहे हैं। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा। परिवार के लोगों ने बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना की बात कही हैं। इस पूरे मामले की जांच महिला थानाध्यक्ष के द्वारा की जा रही है।

इधर, पुलिस ने मामले को नए आपराधिक कानून के तहत दर्ज किया है। इसके लिए एफएसएल टीम का गठन किया गया है। घटनास्थल की जांच एफएसएल की टीम द्वारा की गई है। उसके बाद फॉरेंसिक की टीम सदर अस्पताल पहुंच कर जांच कर रही है। घटना की जानकारी मिलते ही हम पार्टी के जिलाध्यक्ष अशोक मांझी सदर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि घटना की हम घोर निंदा करते हैं। जो भी अपराधी है उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए और जल्द से जल्द जो अपराधी है उसकी गिरफ्तारी पुलिस के द्वारा की जाए।

दिनदहाड़े दो युवकों को मारी गोली, दोनों की हालत गंभीर

पटना (एजेंसियां)।
पटना के दीघा में अपराधियों ने दिनदहाड़े बुधवार को दो युवकों को गोली मार दी।

गोली लगते ही दोनों जमीन पर बेहोश होकर गिर गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने फौरन दोनों युवकों को पटना के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। यहां दोनों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इधर, घटना से आक्रोशित लोग सड़क पर उतर गए और हंगामा करने लगे। लोगों ने सड़क जाम कर दिया और बवाल करने लगे।

इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई।

पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाया। दीघा थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना के बाद घायल युवकों को पटना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उन्होंने बताया कि पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरा को खंगालने में जुटी है। इसकी मदद से अपराधियों की तलाश चल रही है। घटनास्थल पर स्थानीय लोग की भीड़ जुटी है। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे मामले की सभी पहल-ओं पर गहराई से छानबीन कर रही है।

शिक्षा कोष एप पर छेड़छाड़ कर हाजिरी बनाने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई
घर बैठे हाजिरी बनाने का हैं आरोप

पटना (एजेंसियां)।
बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के एमआइएस प्रभारी शैलेंद्र कुमार ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को मोबाइल सेटिंग में छेड़छाड़ कर घर बैठे उपस्थिति दर्ज करने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई करने को कहा है।

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के एमआईएस प्रभारी ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को मोबाइल पर शिक्षा कोष एप में छेड़छाड़ कर हाजिरी बनाने वाले शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया है।

घर बैठे कुछ शिक्षक शिक्षा कोष एप में छेड़छाड़ कर अपनी

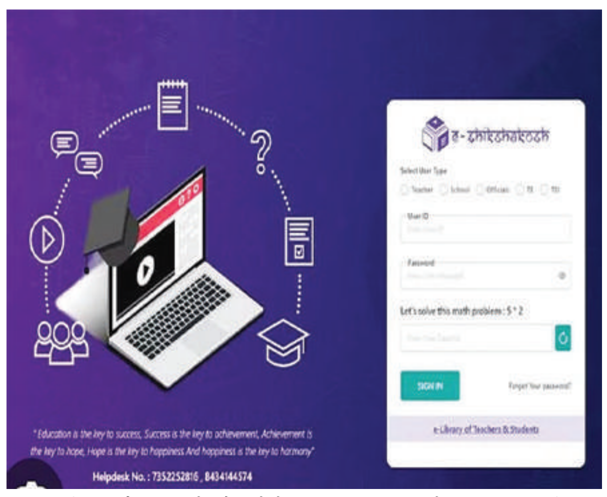

उपस्थिति दर्ज कर रहे है। ऐसे शिक्षकों को चिन्हित कर शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए है।

जानकारी के अनुसार, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के एमआइएस प्रभारी शैलेंद्र कुमार ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को मोबाइल सेटिंग में छेड़छाड़, दुष्प्रचार एवं लोंगिट्यूड एवं लैटिट्यूड बदलकर घर बैठे उपस्थिति दर्ज करने वाले शिक्षकों पर कार्रवाई करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि ई शिक्षा कोष पोर्टल पर एप के माध्यम से शिक्षकों का ऑनलाइन उपस्थिति 25 जून से दर्ज की जा रही है। इस दौरान उपस्थिति दर्ज करने में समस्याएं आ रही है। इसमें मुख्य रूप से कैमरा, लोकेशन आदि शामिल है। इसके समाधान के लिए एक वीडियो ई शिक्षा कोष एप के डेवलपरों द्वारा तैयार की गई है। उन्होंने इसे ईमेल के माध्यम से उपलब्ध कराते हुए सभी शिक्षकों तक पहुंच सुनिश्चित करने को कहा है।

वहीं कुछ शिक्षको द्वारा जानबूझकर मोबाइल के सेटिंग में छेड़छाड़ कर कैमरा, लोकेशन एवं अन्य फंक्शन को डिसेबल्ड किया जा रहा है एवं वीडियो बनाकर एप के संचालन का दुष्प्रचार किया जा रहा है। साथ ही यह भी जानकारी मिल रही है कि कुछ शिक्षक लोंगिट्यूड एवं लैटिट्यूड बदलकर घर बैठे ही उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे शिक्षकों को चिन्हित करते हुए कार्रवाई करने को कहा है।

पटना में पुलिस हिरासत से महाराष्ट्र के थाने का आरोपी फरार

पटना (एजेंसियां)।
पटना जिले के खुसरूपुर से सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए महाराष्ट्र पुलिस 30 जून को खुसरूपुर थाने पहुंची। जहां से महाराष्ट्र के कुरुंदवाड थाने में दर्ज मामले में गिरफ्तार आर-ोपी पुलिस हिरासत से फरार हो गया।

जानकारी के मुताबिक, महराष्ट्र पुलिस ने कांड संख्या-287/2022 के तहत धारा 420, 417, 471, 468, 34 भादंवि के आरोपी बैकठपुर निवासी अमरकांत मिश्रा की गिरफ्तारी में मदद के लिए एक प्रतिवेदन दिया था। प्रतिवेदन के आधार पर खुसरूपुर थाने के सहयोग से छापामारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर थाने लाया गया। जहां आरोपी को थाना सिरिस्ता में बैठाकर नाम पता का सत्यापन किया जा रहा था। तभी बैकठपुर से कुछ व्यक्ति पैरवी के लिए थाने पहुंचे। इन लोगों ने पुलिस कर्मियों को बातों में उलझा दिया और आरोपी को छोड़ने का दवाब बनाने लगे। इसी बीच मौका देख आरोपी पुलिस को चकमा देकर थाने से भाग निकला। जब पुलिस को अहसास हुआ कि आरोपी फरार हो गया है तो पुलिस ने आरोपी का पीछा किया। लेकिन वह बाजार में भीड़ का फायदा उठाकर गायब हो गया। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी भी की, पर वह पकड़ में नहीं आया। उसके बाद पुलिस ने आरोपी की मदद करने पहुंचे सभी पैरवीकारों को थाने में बैठा लिया।

उत्तर बिहार में बाढ़ के समाधान का पता लगाएगी केंद्रीय जल आयोग की टीम

पटना (एजेंसियां)।
उत्तर बिहार में आने वाली बाढ़ का समाधान का पता अब केंद्रीय जल आयोग की टीम लगाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के निर्देश पर केंद्रीय जल आयोग द्वारा पांच सदस्यीय समिति का गठन भी कर दिया गया। यह समिति उत्तर बिहार की नदियों के लिए नये बराज एवं अन्य संरचन-ाओं के निर्माण की संभावनाओं का पता लगाएगी।

जनता दल यूनाईटेड के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा

सांसद संजय झा ने कहा कि यह उत्तर बिहार में बाढ़ के दीर्घकालिक समाधान की दिशा में एक बड़ी पहल है। सोशल मीडिया पर उन्होंने आज सुबह लिखा कि बिहार के विकास तथा उत्तर बिहार में बाढ़ के दीर्घकालिक समाधान से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से विस्तृत चर्चा के बाद मैंने 28 जून को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से संसद भवन स्थित उनके कक्ष में मुलाकात की थी, जो काफी सार्थक रही है।

सांसद संजय झा ने कहा कि वित्त मंत्री ने उत्तर बिहार में बाढ़ के प्रभाव को कम करने से संबंधित मेरे सुझावों को काफी गंभीरता से सुना; और उसी दिन शाम में एक और उच्चस्तरीय मीटिंग बुलाई, जिसमें मुझे भी शामिल होने के लिए कहा। शाम की मीटिंग में केंद्रीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय की सचिव देबश्री मुखर्जी के अलावा वित्त, विदेश और जलशक्ति मंत्रालय के कुछ वरीय अधिकारी भी शामिल हुए।

विधानसभा चुनाव से पहले करवा लें जमीन सर्वे
9888 को नियुक्ति पत्र देने के बाद सीएम नीतीश ने दिया आदेश

पटना (एजेंसियां)।
मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्य सचिव को आदेश दिया है कि हर हाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में जमीन सर्वे का काम पूरा करवा लें। वहीं विभाग की ओर से मुख्यमंत्री को जुलाई 2025 से पहले तक काम पूरा कर लेने का भरोसा दिलाया गया है।

दरअसल, सीएम सचिवालय में नियुक्त पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। नव चयनित 9888 अमीन, कानूनगो और अन्य कर्मचारियों को नियुक्त पत्र देते वक्त सीएम नीतीश कुमार ने नियुक्ति पत्र दिया। इसी कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार ने मुख्य सचिव को जमीन सर्वे का काम पूरा करने का निर्देश दिया।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार भूमि के सर्वेक्षण और बंदोबस्त के चल रहे काम में तेजी लाएं और जुलाई 2025 तक इस कार्य को पूरा करवाएं। राज्य सरकार ने 2013 में राज्य भर में विशेष हवाई सर्वेक्षण और भूमि का निपटान शुरू किया था। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि राज्य में अपराध की 60 प्रतिशत से अधिक घटनाएं मुख्य रूप से भूमि संबंधी विवादों के कारण होती हैं। अब 9,888 और अधिकारियों की नियुक्ति के साथ, विभाग को विशेष सर्वेक्षण और भूमि के निपटान का काम पूरा करना होगा।

बागमती का जलस्तर बढ़ने से अतरार घाट का चचरी पुल बहा, कटरा में पीपा पुल जलमग्न

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
मुजफ्फरपुर में नेपाल और तराई क्षेत्र के साथ बारिश होने से कई नदियों के जलस्तर में तेजी से इजाफा हुआ है। हालांकि बागमती में पानी अभी खतरे के निशान के नीचे है, लेकिन निचले हिस्से में पानी बढ़ने से अब लोग ऊंचे स्थान पर जाने लगे हैं। जहां औराई प्रखंड क्षेत्र के अतरार घाट में चचरी पुल बह गया है, जिसकी वजह से अब लोग आने-जाने के लिए नाव का सहारा ले रहे हैं। वहीं, पानी बढ़ने से क्षेत्र की हजारों की आबादी प्रभावित हुई है। इसके कारण लोग अब जान जोखिम में डालकर नांव से नदी पार कर रहे हैं।

मुजफ्फरपुर जिले में बागमती नदी का जलस्तर तेजी बढ़ने लगा है। वहीं, औराई प्रखंड के अतरार घाट का चचरी पुल बह गया है।

इससे आधा दर्जन से अधिक पंचायतों की हजारों की आबादी प्रभावित हुई है। इस इलाके के लोगों को अब मुख्यालय तक जाने के लिए नांव का सहारा लेना पड़ रहा है। ग्रामीण जान जोखिम में डालकर नांव से नदी

पार करने को मजबूर हैं।

औराई और कटरा प्रखंड के महेशवाड़ा, अतरार, अमनौर, सहिलाबल्ली, मधुबन प्रताप नया गांव और हथौड़ी समेत आधा दर्जन पंचायतों के कई गांवों के लोगों को अब प्रखंड मुख्यालय जाने के लिए सीतामढ़ी जिले के रुन्नीसैदपुर होते हुए 40 किमी की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी। गौरतलब है बागमती नदी की दक्षिणी उपधारा पर बने हुए चचरी पुल से होकर प्रखंड मुख्यालय जाने में जहां पांच घच् की दूरी तय करनी पड़ती थी। वहीं, अब कटौझा या रुन्नीसैदपुर होकर जाने में 20 से 25 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी।

बागमती तटबंध के बीच एक दर्जन गांवों के लोगों को आवागमन के लिए अब नाव ही सहारा है। वहीं, ग्रामीणों ने कहा कि पिछले 50 सालों से इलाके के लोग चचरी पुल का दंश झेल रहे हैं। ग्रामीण अपने से चचरी पुल बनाते हैं, लेकिन हर वर्ष पुल बह जाता है। बारिश का मौसम भी शुरू हो गया है। सबसे अधिक परेशानी तब होती है जब किसी की तबीयत खराब हो जाए या किसी गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाना हो। उसे ले जाने के लिए नाव पर खाट रखते हैं। उस पर गर्भवती महिलाओं को लेकर नदी पार कराते हैं, जान जोखिम में रहती है।

लोगों ने बताया कि दूसरी ओर पानी बढ़ जाने से लोग अब ऊंचे स्थान पर जाने लगे हैं। वहीं, गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि से साहेबगंज प्रखंड के लोग भी सहमे हुए हैं।

नेपाल और तराई क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश की वजह से समस्या बढ़ी है।

हालांकि जिला प्रशासन ने इसको लेकर बाढ़ से प्रभावित होने वाले प्रखंड में अंचल अधिकारी और जल संसाधन विभाग को निर्देश दिए हैं और अलर्ट मोड पर काम करने के लिए कहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com